दिल्ली : 2023 में वायु प्रदूषण की वजह से हुई 15 प्रतिशत मौतें
- 7

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता जारी रखे भारत
- 10

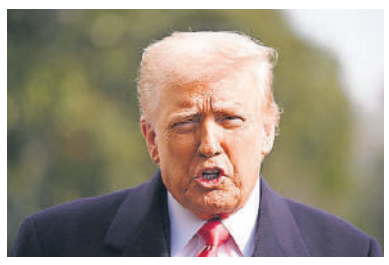

अमेरिका का परमाणु परीक्षण शुरू करना मानवता के लिए खतरनाक
- 11

दूसरे टी-20 में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को चार विकेट से हराया
- 12

आज का मौसम

29.0° अधिकतम तापमान

21.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.18

सूर्यास्त 05.26

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष दशमी 09:12 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 1 नवंबर 2025, वर्ष 35, अंक 272, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

पटेल पूरे कश्मीर को भारत में मिलाना चाहते थे, नेहरू ने अनुमति नहीं दी : मोदी

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में बोले प्रधानमंत्री

- कहा- घुसपैठिए भारत की एकता और जनसांख्यिकीय संतुलन के लिए खतरा
- गुजरात के एकता नगर में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के पास राष्ट्रीय एकता दिवस परेड आयोजित

एकता नगर (गुजरात), एजेंसी

गुजरात के नर्मदा जिले में पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करते प्रधानमंत्री मोदी।

कांग्रेस की कमजोर नीतियों से प्रायोजित आतंकवाद पनपा

कांग्रेस की कमजोर नीतियों के कारण कश्मीर का एक हिस्सा पाकिस्तान के अवैध कब्जे में चला गया, जिसने फिर राज्य प्रायोजित आतंकवाद को बढ़ावा दिया। कश्मीर और देश ने भारी कीमत चुकाई, फिर भी कांग्रेस हमेशा आतंकवाद के आगे झुकी। वह सरदार पटेल के दृष्टिकोण को भूल गई, लेकिन हम नहीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अनुच्छेद 370 की बेड़ियां तोड़कर कश्मीर पूरी तरह से मुख्यधारा में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा, आज पाकिस्तान और आतंकवादी भी जानते हैं कि भारत की असली ताकत क्या है।

दुनिया ने देखा भारत घुसकर मारता है

ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने देखा कि अगर कोई भारत पर बुरी नजर डालेगा तो हम उसके घर में घुसकर उसे खत्म कर देंगे। यह सरदार पटेल का भारत है। पिछले 11 वर्षों में नक्सलवाद के खिलाफ सरकार की कार्रवाई पर प्रकाश डालते हुए मोदी ने कहा कि यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक यह समस्या देश से जड़ से समाप्त नहीं हो जाती। मोदी ने कहा, 2014 से पहले देश के लगभग 125 जिले माओवाद के आतंक से प्रभावित थे। आज यह 11 जिलों तक सीमित है। उनमें भी केवल तीन जिलों में ही नक्सलवाद कायम है। अवैध प्रवासी भारत की एकता और आंतरिक सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ये अवैध प्रवासी हमारे संसाधनों पर कब्जा कर रहे हैं और जनसांख्यिकीय संतुलन को बिगाड़ रहे हैं जिससे देश की एकता खतरे में पड़ रही है।

देश औपनिवेशिक मानसिकता के निशान को मिटा रहा

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि पार्टी को भारत पर राज करने वाले अंग्रेजों से 'गुलामी की मानसिकता' विरासत में मिली है। आज देश औपनिवेशिक मानसिकता के हर निशान को मिटा रहा है। मोदी ने पूछा, राजनीतिक अस्पृश्यता को देश में एक संस्कृति बना दिया गया था। हम सभी जानते हैं कि कांग्रेस सरकारों के शासनकाल में सरदार पटेल और उनकी विरासत का क्या हश्र हुआ। इन लोगों ने बाबासाहेब आंबेडकर के साथ उनके जीवनकाल में और उनकी मृत्यु के बाद भी क्या किया? उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस, डॉ. लोहिया और जयप्रकाश नारायण के साथ क्या किया? आरएसएस पर भी हमले और षड्यंत्र किए गए। कांग्रेस पर धार्मिक आधार पर 'वंदे मातरम' के कुछ हिस्से को हटाने का आरोप लगाया और इसे समाज को विभाजित करने वाला बताया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि सरदार पटेल अन्य रियासतों की तरह पूरे कश्मीर को भी भारत में मिलाना चाहते थे, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने ऐसा नहीं होने दिया। गुजरात के एकता नगर में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के पास राष्ट्रीय एकता दिवस परेड के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि घुसपैठ की घटनाएं भारत के जनसांख्यिकीय संतुलन को बिगाड़ रही थीं जिसके खिलाफ निर्णायक लड़ाई का फैसला किया गया है।

उन्होंने कहा, सरदार पटेल का मानना था कि इतिहास लिखने में समय बर्बाद नहीं करना चाहिए बल्कि इतिहास बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। आजादी के बाद सरदार पटेल ने 550 से अधिक रियासतों का भारत संघ में विलय कराने का असंभव सा लगने वाला कार्य पूरा किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने जो नीतियां बनाईं, जो निर्णय लिए, उन्होंने नया इतिहास रच दिया। एक भारत, श्रेष्ठ भारत का विचार उनके लिए सर्वोपरि था। कांग्रेस पर हमला करते हुए मोदी ने कहा कि कश्मीर और देश को इस मुद्दे से निपटने में पार्टी की गलतियों की भारी कीमत चुकानी पड़ी है। उन्होंने कहा, सरदार पटेल अन्य रियासतों की तरह पूरे कश्मीर का एकीकरण करना चाहते थे। लेकिन नेहरू जी ने उनकी इच्छा पूरी नहीं होने दी। कश्मीर का विभाजन हुआ, उसे अलग संविधान और अलग झंडा दिया गया और कांग्रेस की इस गलती का खामियाजा देश को दशकों तक भुगतना पड़ा। मोदी ने कहा कि सरदार पटेल के लिए देश की संप्रभुता सर्वोपरि थी लेकिन उनकी मृत्यु के बाद, सरकारों ने देश की संप्रभुता के संबंध में उतनी गंभीरता नहीं दिखाई।

रन फॉर यूनिटी के शुभारंभ अवसर पर बोले मुख्यमंत्री

जातिवाद, परिवारवाद या छुआछूत पर समाज बांटने वालों का हो विरोध

- कहा- सरदार पटेल से प्रेरणा लेकर राष्ट्र की एकता को कमजोर करने वालों को सिखाएं सबक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में आयोजित रन फॉर यूनिटी के शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान झंडी दिखाते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जातिवाद, परिवारवाद या छुआछूत के आधार पर समाज को बांटने वालों का विरोध किए जाने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री के मुताबिक, हमें उन सभी कुत्सित प्रयासों का विरोध करना चाहिए जो जिनका आधार वाद या छुआछूत है। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय एकता दिवस का यही संदेश है कि हम सब मिलकर भारत की अखंडता को सशक्त बनाएं और सामाजिक एकता को मजबूत करें। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के जीवन से प्रेरणा लेकर हमें हर उस शक्ति का विरोध करना चाहिए जो राष्ट्र की एकता को कमजोर करने का प्रयास करती है।

योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित रन फॉर यूनिटी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और कहा कि भारत की अखंडता और एकता के लिए जिन्होंने अपना जीवन समर्पित किया, उन लौह पुरुष सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम उनके आदर्शों को अपने आचरण में उतारें। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश से एक सांस्कृतिक दल और हस्तशिल्पियों का प्रतिनिधिमंडल केवड़िया जाएगा। राज्यपाल के नेतृत्व में 12 नवंबर को केवड़िया में सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करने का कार्यक्रम आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी अभियान को मजबूती देने के साथ उत्तर प्रदेश के कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने का यह अवसर भी है।

75 जिलों में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम आयोजित

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी 75 जिलों में आज रन फॉर यूनिटी के कार्यक्रम आयोजित हुए, जिनमें लाखों युवाओं, विद्यार्थियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, प्रशासनिक अधिकारियों और नागरिकों ने भाग लेकर राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि भारत की एकता, अखंडता और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, राज्यसभा सांसद बृजलाल एवं विधायक मौजूद रहे।

ब्रीफ न्यूज

बच्ची से दुष्कर्म, 5 वर्षीया की हत्या में दोषी को फांसी की सजा

शाहजहांपुर। घर के पास स्कूल में लगे नल पर नहाने गई सात साल की बच्ची से दुष्कर्म और उसकी तहेरी बहन की हत्या के मामले में पॉक्सो कोर्ट शाहजहांपुर ने दोषी अनिल उर्फ चमेली को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। इस दौरान जज मनोज कुमार सिद्धू ने टिप्पणी करते हुए कहा आरोपी का अपराध अत्यंत क्रूर, सुनियोजित और नृशंस है, जो मानवता को झकझोर देने वाला और समाज के विश्वास को तोड़ने वाला है। अदालत ने कहा दोषी का यह अपराध दुर्लभतम में दुर्लभ श्रेणी का है, इसलिए इसे मृत्युदंड दिया जाता है।

ईडी के कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी

चेन्नई। शास्त्री भवन स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कार्यालय में बम रखे जाने के दावे वाला एक ई-मेल पुलिस महानिदेशक कार्यालय को मिला। बम की यह धमकी जांच में झूठी साबित हुई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बम निरोधक दस्ते (बीडीडीएस) की एक टीम खोजी कुत्ते के साथ तुरंत यहां नुंगमबक्कम स्थित ईडी के दक्षिणी क्षेत्रीय कार्यालय पहुंची तथा परिसर की तलाशी ली गई। जांच में धमकी झूठी साबित हुई।

भारत-अमेरिका के बीच हुआ 10 साल का अहम रक्षा सौदा

नई दिल्ली, एजेंसी

- रक्षामंत्री राजनाथ और हेगसेथ ने कुआलालंपुर में 'यूएस-इंडिया मेजर डिफेंस पार्टनरशिप फ्रेमवर्क' समझौते पर किए हस्ताक्षर

मलेशिया में रक्षा सौदे पर हस्ताक्षर के बाद हाथ मिलाते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पीट हेगसेथ।

भारत और अमेरिका ने शुक्रवार को 10 वर्ष के एक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे दोनों देशों के बीच बढ़ते रणनीतिक सामंजस्य का संकेत बताया, जबकि वाशिंगटन ने एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए नई दिल्ली के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई।

सिंह और उनके अमेरिकी समकक्ष पीट हेगसेथ ने कुआलालंपुर में व्यापक वार्ता के बाद 'यूएस-इंडिया मेजर डिफेंस पार्टनरशिप फ्रेमवर्क' समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसमें सभी स्तंभों में रणनीतिक संबंधों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया। यह समझौता ऐसे समय पर हुआ है जब अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क (टैरिफ) लगाने के बाद दोनों देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण हैं। हेगसेथ के साथ अपनी वार्ता को सार्थक बताते हुए सिंह ने कहा कि यह समझौता हमारी पहले से ही मजबूत रक्षा साझेदारी में एक नए युग की शुरुआत करेगा।

सिंह ने सोशल मीडिया पर कहा, यह रक्षा ढांचा भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों के संपूर्ण आयाम को नीतिगत दिशा प्रदान करेगा। यह हमारे बढ़ते रणनीतिक तालमेल का संकेत है और साझेदारी के एक नए दशक का सूत्रपात करेगा। उन्होंने कहा, रक्षा क्षेत्र हमारे द्विपक्षीय संबंधों का एक प्रमुख स्तंभ बना रहेगा।

भारत अमेरिका के लिए एक प्राथमिकता वाला देश

रक्षा मंत्रालय ने बयान में कहा, हेगसेथ ने दोहराया कि रक्षा सहयोग में भारत अमेरिका के लिए एक प्राथमिकता वाला देश है और वे स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को सुनिश्चित करने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसमें कहा गया है कि 2025 की रूपरेखा अगले 10 वर्षों में साझेदारी को और अधिक मजबूत करने के लिए एक नया अध्याय है।

1,466 पुलिस कर्मियों को केंद्रीय गृह मंत्री दक्षता पदक

नई दिल्ली। पहलगाम हमले में शामिल आतंकवादियों को मार गिराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के 40 कर्मियों सहित देशभर के 1,466 पुलिस कर्मियों को वर्ष 2025 के लिए केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक से सम्मानित किया जाएगा।

महानिरीक्षक (कश्मीर रेंज) वीके बिरदी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (श्रीनगर) जीवी संदीप चक्रवर्ती जम्मू-कश्मीर के उन 19 अधिकारियों में शामिल हैं जिन्हें 'ऑपरेशन महादेव' के लिए पदक से सम्मानित किया जाएगा, जिसमें दुस्साहसिक पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों को मार गिराया गया था। सुलेमान उर्फ आसिफ को सुरक्षा बलों द्वारा एक अचानक की गयी कार्रवाई के दौरान मार गिराया गया। इस अभियान का कूट नाम ऑपरेशन महादेव था। सुलेमान 22 अप्रैल के हमले का मुख्य षड्यंत्रकर्ता माना जाता है।

कालिंदी महोत्सव

देवोत्थान एकादशी की पूर्व संध्या पर कुंभ नगरी प्रयागराज में कालिंदी महोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों ने यमुना नदी के किनारे मौज गिरी घाट पर दीपक जलाए। ● एजेंसी

राजग के घोषणापत्र में 1 करोड़ नौकरी का वादा

- युवाओं व महिलाओं को लेकर बड़े वादे किए

पटना। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को अपना घोषणापत्र जारी करते हुए युवाओं और महिलाओं को लेकर बड़े वादे किए।

राजग ने दावा किया कि इस राज्य में उसके सत्ता में आने पर हर युवा के सुनहरे भविष्य की गारंटी दी जाएगी, जबकि महिलाओं को समृद्धि और आत्मनिर्भरता के मार्ग पर आगे बढ़ाया जाएगा। घोषणापत्र में कहा गया है कि राजग एक करोड़ से अधिक सरकारी नौकरियां और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगा। इसके लिए राज्य में कौशल जनगणना कराई जाएगी और कौशल आधारित रोजगार उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही, हर जिले में विशाल कौशल केंद्र स्थापित कर बिहार को वैश्विक कौशल केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। महिलाओं के लिए राजग ने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की घोषणा की है, जिसके तहत महिलाओं को दो लाख रुपए तक की सहायता राशि दी जाएगी। यह योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और राज्य की अर्थव्यवस्था में उनकी भागीदारी बढ़ाने में मदद करेगी।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान अजहरुद्दीन तेलंगाना में बने मंत्री

हैदराबाद। कांग्रेस नेता एवं पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन ने शुक्रवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के मंत्रिमंडल में मंत्री पद की शपथ ली।

राजभवन में आयोजित एक सादे समारोह में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने मुख्यमंत्री सहित कई महत्वपूर्ण नेताओं की उपस्थिति में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान को शपथ दिलाई। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है। मैं आलाकमान का, अपने समर्थकों का, शुक्रिया अदा करता हूं। अजहरुद्दीन के शामिल होने से मंत्रिमंडल में कुल सदस्यों की संख्या 16 हो गई है, जबकि दो और जगह खाली हैं।

रमन हॉस्टल में बीटेक छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- बेड के पास फर्श पर पड़ा था शव
- बीएचयू के प्रोफेसर का बेटा था बीटेक केमिकल का छात्र आकाश

अमृत विचार : जानकीपुरम स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईईटी) के बीटेक केमिकल इंजीनियरिंग चतुर्थ वर्ष के छात्र आकाश दत्त सिंह (22) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव शुक्रवार सुबह रमन हॉस्टल के बी-ब्लॉक स्थित कमरे में बेड के पास फर्श पर पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक टीम के साथ जांच शुरू की है।

मूलरूप से मऊ निवासी अंजनी कुमार सिंह बीएचयू आईआईटी में प्रोफेसर हैं और वहीं परिवार के साथ रहते हैं। उनका बेटा आकाश आईईटी लखनऊ के रमन हॉस्टल के कमरा नंबर 203 में रहकर पढ़ाई कर रहा था। शुक्रवार सुबह उसका शव मिलने पर छात्रावास में हड़कंप मच गया। सहपाठी प्रियांशु ने बताया कि सुबह करीब 11 बजे आकाश के भाई की कॉल आई कि वह फोन नहीं उठा रहा। रूम पर जाकर दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। सूचना पर छात्रावास अधीक्षक ने बढ़ई को बुलाकर दरवाजा तुड़वाया, तो आकाश फर्श पर मृत पड़ा मिला। कॉलेज प्रशासन, जिसमें डायरेक्टर विनीत कंसल और टीपीओ अरुण तिवारी शामिल थे, मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि आकाश क्लास का टॉपर छात्र था। मृतक के कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। इंस्पेक्टर विनोद तिवारी के मुताबिक, शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, रिपोर्ट से ही मौत का कारण स्पष्ट होगा।

आवारा कुत्तों का मामला

डिजिटल माध्यम से पेश होने की अनुमति देने के अनुरोध को सुप्रीम कोर्ट ने किया खारिज

राज्यों से शीर्ष कोर्ट नाराज, कहा- हमारे आदेश का सम्मान नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल और तेलंगाना को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को आवारा कुत्तों के मामले में तीन नवंबर को अदालत के समक्ष डिजिटल माध्यम से पेश होने की अनुमति देने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया और कहा कि अदालत के आदेशों का कोई सम्मान नहीं है।

शीर्ष अदालत ने पश्चिम बंगाल और तेलंगाना को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को तीन नवंबर को उसके समक्ष उपस्थित होकर यह बताने का निर्देश दिया था कि अदालत के 22 अगस्त के आदेश के बावजूद अनुपालन हलफनामा क्यों नहीं दाखिल किया गया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने 22 अगस्त के पीठ के आदेश का पालन नहीं करने पर नाराजगी व्यक्त की और कहा कि 27 अक्टूबर तक पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को छोड़कर किसी भी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश ने अनुपालन हलफनामा दाखिल नहीं किया था। न्यायालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) नियमों के बारे में पूछा था। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मामले का उल्लेख करते हुए पीठ से अनुरोध किया था कि मुख्य सचिवों को तीन नवंबर को अदालत के समक्ष डिजिटल माध्यम से पेश होने की अनुमति दी जाए। मेहता ने कहा, यह कुत्तों से खतरे का मामला है।

राज्यों को बताना होगा अनुपालन हलफनामे क्यों नहीं दाखिल किए

पीठ ने स्पष्ट किया कि मुख्य सचिवों को अदालत में उपस्थित होकर यह बताना होगा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अनुपालन हलफनामे क्यों नहीं दाखिल किए। मेहता ने कहा कि मामले में अनुपालन हलफनामे दाखिल किए गए थे। पीठ ने कहा कि जब 27 अक्टूबर को मामले की सुनवाई हुई थी तब केवल पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और एमसीडी ने ही अनुपालन हलफनामे दाखिल किए थे। पीठ ने कहा, उन्हें (मुख्य सचिवों को) आने दीजिए। शीर्ष अदालत ने 27 अक्टूबर को आवारा कुत्तों के मामले की सुनवाई करते हुए सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को तीन नवंबर को अदालत के समक्ष उपस्थित होकर यह बताने का निर्देश दिया था कि अदालत के 22 अगस्त के आदेश के बावजूद अनुपालन हलफनामा क्यों नहीं दाखिल किया गया।

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 1 नवंबर 2025

एमबीबीएस की 950, पीजी की 271 सीटें बढ़ीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस और पीजी (एमडी-एमएस) की सीटों में बड़ा इजाफा किया गया है। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी), नई दिल्ली ने प्रदेश में कुल 950 एमबीबीएस और 271 पीजी सीटें बढ़ाने की अनुमति प्रदान की है। इन नई सीटों पर सत्र 2025-26 से विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा।

चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक डॉ. अपर्णा यू ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि बढ़ाई गई 950 एमबीबीएस सीटों में 200 सीटें राजकीय मेडिकल कॉलेजों की हैं। इनमें अमेठी के स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में 100 सीटें, ईएमआईसी मेडिकल कॉलेज नोएडा और ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज वाराणसी में 50-50 सीटों की वृद्धि की गई है। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार निजी मेडिकल कॉलेजों में 750 सीटें बढ़ाई गई हैं। एफएच मेडिकल कॉलेज आगरा, श्री सिद्धि विनायक मेडिकल कॉलेज संभल और नारायणा मेडिकल कॉलेज कानपुर में 100-100 सीटें बढ़ाई गईं। इसके अलावा एराज मेडिकल कॉलेज लखनऊ, इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज लखनऊ, नेशनल कैपिटल रीजन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज मेरठ, केएमसी मेडिकल कॉलेज महराजगंज, श्री राममूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज बरेली, कृष्ण मोहन मेडिकल कॉलेज मथुरा, एसकेएस मेडिकल कॉलेज मथुरा, अजय सांगल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज शामली और श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में 50-50 सीटें बढ़ाई गई हैं। डीजीएमई ने बताया कि अब प्रदेश में एमबीबीएस की कुल सीटें 11,850 हो गई हैं, जिनमें राजकीय कॉलेजों में 5,450 और निजी कॉलेजों में 7,350 सीटें शामिल हैं।

विशेषज्ञ बनने की राह आसान

उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेजों में विषय विशेषज्ञ बनने के लिए 271 पीजी सीटों की वृद्धि की गई है। इसके बाद सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमडी-एमएस की सीटें 1,904 से बढ़कर 2,137 और निजी कॉलेजों में 2,122 से बढ़कर 2,160 हो गई हैं। ये सीटें सर्जरी, मेडिसिन, आर्थोपेडिक, ईएनटी सहित विभिन्न विषयों में बढ़ाई गई हैं। पीजी सीटें बढ़ने के बाद एमबीबीएस चिकित्सकों का विशेषज्ञ बनना आसान हो जाएगा।

नोएडा एयरपोर्ट पर कैलिब्रेशन फ्लाइट की सफल लैंडिंग

हवाई संचालन की दिशा में अहम कदम, ऑपरेशनल क्लियरेंस की प्रक्रिया को मिलेगी गति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) के संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर तब दर्ज हुआ जब शुक्रवार को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) की कैलिब्रेशन फ्लाइट ने सफलतापूर्वक एयरपोर्ट पर लैंडिंग की। यह उड़ान हवाई अड्डे के नेविगेशन और कम्युनिकेशन सिस्टम की सटीकता जांचने के लिए की जाती है, जो किसी भी नए एयरपोर्ट के संचालन से पहले अनिवार्य होती है।

दरअसल, कैलिब्रेशन फ्लाइट एक विशेष परीक्षण उड़ान होती है, जिसके माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाता है कि एयरपोर्ट के इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस), रडार, और एयर नेविगेशन उपकरण अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के अनुरूप काम कर रहे हैं। फ्लाइट के दौरान विशेष रूप से सुसज्जित विमान अलग-अलग ऊंचाइयों और कोणों पर उड़ते हुए ग्राउंड सिस्टम से प्राप्त सिग्नल की ताकत, स्थिरता और सटीकता की जांच करते हैं। इस पूरी प्रक्रिया में फ्लाइट इंस्पेक्टर, टेक्निकल इंजीनियर, और एटीसी विशेषज्ञ शामिल रहते हैं। एएआई द्वारा उपयोग किए जाने वाले कैलिब्रेशन विमान में अत्याधुनिक माप उपकरण लगे होते हैं। उड़ान से प्राप्त डेटा का बाद में विश्लेषण किया जाता है ताकि किसी भी तकनीकी विचलन को तुरंत ठीक किया जा सके और उपकरणों की सटीकता सुनिश्चित हो। जेवर एयरपोर्ट अंतरराष्ट्रीय स्तर की विमानन सुरक्षा मानकों के और करीब पहुंच गया है। इसके बाद एयरपोर्ट के लिए ऑपरेशनल क्लियरेंस की प्रक्रिया को गति मिलेगी।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सफल लैंडिंग कराने वाली टीम।

- नए एयरपोर्ट के संचालन से पहले अनिवार्य होती है कैलिब्रेशन फ्लाइट

न्यूज ब्रीफ

हृषिकेश भास्कर ने संभाला कार्यभार

अमृत विचार, लखनऊ : हृषिकेश भास्कर याशोद ने शुक्रवार को सचिव राजस्व, राहत आयुक्त एवं चकबंदी आयुक्त का पदभार ग्रहण किया। इसके बाद उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ परिचयात्मक बैठक की और राजस्व, राहत व चकबंदी से संबंधित कार्यों एवं लंबित प्रकरणों की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में जनसामान्य से जुड़े राजस्व व राहत कार्यों में पारदर्शिता और त्वरित निस्तारण किया जाना शासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश सरकार की मंशानुसार राहत कार्यों में संवेदनशीलता तथा फील्ड स्तर पर सक्रियता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, ताकि जनता को समयबद्ध सहायता मिल सके।

गोरखपुर में साहित्यिक महाकुंभ आज से

अमृत विचार, लखनऊ : गोरखपुर पुस्तक महोत्सव के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के परिसर में साहित्यिक महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है। 1 नवंबर से 9 नवंबर तक चलने वाले इस आयोजन की शुरुआत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को करेंगे। गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर में प्रथम गोरखपुर पुस्तक महोत्सव का आयोजन नेशनल बुक ट्रस्ट (राष्ट्रीय पुस्तक न्यास) की तरफ से किया जा रहा है। यह आयोजन नगर की गहरी आध्यात्मिक, कलात्मक और साहित्यिक विरासत का एक भव्य उत्सव होगा। पुस्तक महोत्सव में आमजन प्रतिदिन शामिल हो सकेंगे। इसमें सभी लोगों के लिए प्रवेश निशुल्क होगा।

सैमसंग इनोवेशन कैंपस में 1600 को ट्रेनिंग

अमृत विचार, लखनऊ : कारपोरेट और सर्विस फील्ड की मांग के अनुसार अपडेट प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के लिए सैमसंग इंडिया के सहयोग से संचालित सैमसंग इनोवेशन कैंपस के तहत गोरखपुर विश्वविद्यालय के 1600 विद्यार्थियों ने ट्रेनिंग ली। इन विद्यार्थियों को शनिवार को प्रमाण पत्र का वितरण किया जाएगा। योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित प्रमाण पत्र वितरण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कुछ विद्यार्थियों को अपने हाथों से प्रमाण पत्र सौंपेंगे। इस अवसर पर विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री योगी से मार्गदर्शन भी प्राप्त होगा।

लखनऊ समेत आठ जिलों में 2,434 करोड़ की 15 परियोजनाएं मंजूर

3043 फ्लैट, 98 प्लॉट और 50 दुकानें होंगी विकसित, बैठक में रेरा ने दी स्वीकृति

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : उप्र रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (रेरा) ने मुख्यालय पर 187वीं बैठक में 15 नई परियोजनाओं को स्वीकृति दी है। आठ जिलों में यह परियोजनाएं 2,434 करोड़ रुपये से तैयार की जाएंगी। लखनऊ व शाहजहांपुर में सबसे अधिक तीन-तीन आवासीय व व्यावसायिक परियोजनाएं विकसित की जाएंगी।

शुक्रवार को बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने की। इस दौरान परियोजनाओं के प्रस्ताव रखे गए। कुल 15 रियल एस्टेट परियोजनाओं में लखनऊ में 3, शाहजहांपुर में 3, मथुरा में 2, मुरादाबाद में 2, गाजियाबाद में 2 व हापुड़, नोएडा और झांसी में 1-1 परियोजना को मंजूरी दी गई। इनमें कुल निवेश 2,434 करोड़ अनुमानित है। परियोजनाओं के माध्यम से 3,043 फ्लैट, 98 प्लॉट और 50 दुकानें विकसित की जाएंगी। इनमें अधिकांश परियोजनाएं आवासीय हैं, जबकि व्यावसायिक परियोजनाएं मुरादाबाद, गाजियाबाद और हापुड़ में स्वीकृत की गई हैं।

शाहजहांपुर व पीतल नगरी मुरादाबाद को मिलेगी नई पहचान

शाहजहांपुर में सबसे अधिक तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। यह क्षेत्र अब तेजी से उभरते हुए रियल एस्टेट केंद्र के रूप में पहचान बना रहा है। पीतल उद्योग के लिए प्रसिद्ध मुरादाबाद की स्वीकृत 2 परियोजनाओं में एक आवासीय और एक व्यावसायिक परियोजना शामिल है। इनमें आधुनिक अपार्टमेंट्स, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और ऑफिस स्पेस तैयार किए जाएंगे, जो शहर की पहचान को और भी आधुनिक स्वरूप देंगे। इससे न केवल रोजगार बढ़ेगा बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था में भी नई जान आएगी।

मथुरा में पर्यटन पर फोकस

धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण ब्रज नगरी मथुरा में भी 2 नई आवासीय परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। ये योजनाएं तीर्थ, पर्यटन और स्थानीय मांग को ध्यान में रखते हुए तैयार की जा रही हैं। इन परियोजनाओं से मथुरा के रियल एस्टेट सेक्टर को नई गति मिलेगी और शहर में आधुनिक आवासीय ढांचे का विकास होगा। इसी तरह गाजियाबाद और हापुड़ में स्वीकृत व्यावसायिक परियोजनाएं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के व्यापारिक और औद्योगिक ढांचे को और मजबूत करेंगी।

यूपी भाजपा की बड़ी बैठक आज, सभी जिला अध्यक्षों को लखनऊ बुलाया

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. भारतीय जनता पार्टी की एक बड़ी बैठक शनिवार को लखनऊ में होने वाली है। इस बैठक में भाजपा प्रदेश संगठन के सभी पदाधिकारी शामिल होंगे। इससे पहले पार्टी ने सभी जिला अध्यक्षों को भी लखनऊ बुलाया है। बैठक दो सत्रों में आयोजित की जाएगी। पहला सत्र सुबह 11 बजे से 12:30 बजे तक, जबकि दूसरा सत्र दोपहर 1 बजे से 2:30 बजे तक चलेगा। इस दौरान पार्टी के आगामी अभियानों की रणनीति पर प्रमुख चर्चा होगी। सूत्रों के अनुसार इस महत्वपूर्ण बैठक में एमएलसी चुनाव और पंचायत चुनाव की तैयारी को भी अंतिम रूप दिया जाएगा। इतना ही नहीं, भाजपा मुख्यालय लखनऊ में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में संगठन विस्तार और बूथ प्रबंधन की समीक्षा भी की जानी है।

कमियों का तय समय सीमा में सुधार करें चिकित्साधिकारी : घोष

अमृत विचार, लखनऊ : स्वास्थ्य विभाग एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने कहा कि अस्पतालों में समर्पित भाव से गुणवत्तापरक स्वास्थ्य व्यवस्था को स्थापित किया जाए। चिकित्सकीय और तकनीकी मानव संसाधन पूरी निष्ठा से रोगियों की सेवा के लिए तत्पर रहें। जिन जिलों में शिकायतें या कमियां पाई गईं, वहां मुख्य चिकित्साधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों को तय समय सीमा में सुधार करें।

अपर मुख्य सचिव शुक्रवार को कानपुर मंडल की स्वास्थ्य सेवाओं और कार्यक्रमों की व्यापक समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने चिकित्सकीय इकाइयों को इंगित करने वाले साइन बोर्ड और जियो टैगिंग के साथ ही अग्निशमन सुरक्षा के मानकों को पूरा करने का भी निर्देश दिए। साथ ही निर्देश दिए कि मंडलायुक्त प्रत्येक माह स्वास्थ्य विभाग की प्रगति समीक्षा करें और तीन माह बाद अनुपालन बैठक आयोजित की जाए। बैठक से पहले राज्य व मंडल स्तर के अधिकारियों और विशेषज्ञों की दो सदस्यीय 57 टीमों ने कानपुर मंडल के सभी जिलों की करीब 36 प्रतिशत स्वास्थ्य इकाइयों का स्थलीय भ्रमण कर जमीनी हकीकत जानी।

पूर्वी यूपी में आज से होगी धान की खरीद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत पहली नवंबर से पूर्वी यूपी में धान खरीद शुरू होकर 28 फरवरी तक चलेगी। इस अवधि में लखनऊ संभाग के उन्नाव, रायबरेली और लखनऊ में भी धान खरीद होगी। वहीं पहली अक्टूबर से पश्चिमी यूपी और लखनऊ संभाग के हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर में धान खरीद चल रही है।

दरअसल, सरकार ने इस वर्ष धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि भी की है। धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (कॉमन)-2369 और (ग्रेड ए) का 2389 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। वहीं योगी सरकार की नीतियों पर समर्थन जताते हुए दो महीने में 2.17 लाख से अधिक किसानों ने बिक्री के लिए पंजीकरण भी करा लिया है।

पूर्वी यूपी के संभागों में पहली नवंबर से धान खरीद पूर्वी यूपी के चित्रकूट, कानपुर, अयोध्या, गोरखपुर, देवीपाटन, बस्ती, आजमगढ़, वाराणसी, मीरजापुर व प्रयागराज संभाग में शुरू होगी। इसके साथ ही लखनऊ संभाग के लखनऊ, रायबरेली व उन्नाव में भी पहली नवंबर से खरीद होगी, जो 28 फरवरी 2026 तक चलेगी।

- उन्नाव, रायबरेली और लखनऊ में भी 28 फरवरी तक की जाएगी खरीद
- कॉमन धान 2369 और ग्रेड-ए का 2389 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी तय

दो महीने में 2.17 लाख किसानों का पंजीकरण

धान बिक्री के लिए पहली सितंबर से पंजीकरण प्रारंभ हो गया था। 31 अक्टूबर (सुबह 11 बजे) तक 2,17,625 किसानों ने पंजीकरण करा लिया। वहीं पश्चिम उत्तर प्रदेश के 17 हजार से अधिक किसानों से एक महीने के भीतर 1.06 लाख मीट्रिक टन से अधिक की धान खरीद की जा चुकी है। योगी सरकार के निर्देश पर तेज गति से चल रहे कार्य की बदौलत 3920 क्रय केंद्र भी खुल गए हैं। धान बिक्री के लिए किसानों का पंजीकृत होना अनिवार्य है। किसानों को खाद्य व रसद विभाग की वेबसाइट fcs.up.gov.in या मोबाइल ऐप UP KISAN MITRA पर पंजीकरण कराना होगा।

सपा सरकार बनने पर पटेल के नाम पर बनाएंगे तकनीकी यूनिवर्सिटी : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि सपा की सरकार बनने पर लौह पुरुष सरदार पटेल के नाम पर युवाओं के लिए माडर्न और तकनीकी यूनिवर्सिटी बनाएंगे। सरदार पटेल का जो रास्ता था, वही पीडीए का रास्ता है।

सपा प्रमुख शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मौजूद सभी नेताओं ने सामाजिक न्याय के राज की स्थापना और सन् 2027 में सपा सरकार बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी। अखिलेश यादव ने कहा कि सरदार पटेल ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया था। आरएसएस पर साम्प्रदायिक सौहार्द खराब करने नफरत फैलाने का आरोप था। आज भी भाजपा समाज में नफरत फैलाती है। अपनी कमियों को छिपाने के लिए भाजपा सरदार पटेल की बात करती है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने देश की सीमाओं को बढ़ाया था। भाजपा सरकार में देश की सीमाएं सिकुड़ रही हैं। इनसेट-

प्रेस कांफ्रेंस करते सपा प्रमुख अखिलेश।

गन्ना मूल्य बढ़ाने का विज्ञापन अंग्रेजी अखबार में : गन्ना मूल्य बढ़ाए जाने पर सपा प्रमुख ने कहा कि गन्ना मूल्य में 30 रुपये से ज्यादा की वृद्धि होनी चाहिए थी, साथ ही तंज कसा कि सरकार ने गन्ना मूल्य और भुगतान का विज्ञापन अंग्रेजी अखबार में छपवाया। अब बताओ कितने किसान अंग्रेजी में इसे पढ़े होंगे।

बिहार में आज से चुनाव प्रचार करेंगे सपा प्रमुख

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव, शनिवार 1 नवंबर से 5 नवंबर 2025 तक बिहार विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के समर्थन में चुनावी जनसभाएं करेंगे। वे मतदाताओं से समर्थन की अपील करेंगे। चुनावी सभाओं का तय कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। चुनावी सभाओं की शुरुआत 1 नवंबर को यादव पूर्णिया के धमदहा, मधुबनी के बबूराही और दरभंगा के बहादुरपुर में तीन जनसभाओं से करेंगे। अगले दिन समस्तीपुर, सीतामढ़ी और छपरा में रैलियां करेंगे। इस प्रकार 5 नवंबर तक जिलों में एक-एक दिन में कई कई रैलियों को संबोधित करेंगे।

नरेन्द्र देव की जयंती मनाई

अमृत विचार, लखनऊ : आचार्य नरेन्द्र देव की 136वीं जयंती पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गोमती नदी किनारे स्थित आचार्य नरेंद्र देव के स्मारक पर पहुंचकर पुष्पांजलि कर नमन किया। इस मौके पर नरेन्द्र देव के परिवारीजन पौत्र यषोवर्धन तथा मीरा वर्धन मौजूद रहे।

दर्शन को रखे जाएंगे बुद्ध के अवशेष

अमृत विचार, लखनऊ : सारनाथ स्थित मूलगंध कुटी, विहार की 94वीं वर्षगांठ के अवसर पर भगवान बुद्ध के अवशेषों के सार्वजनिक दर्शन के लिए अनावरण किया जाएगा। आगामी 3 से 5 नवंबर 2025 तक भगवान बुद्ध के अस्थि अवशेषों को बौद्ध श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए रखा जाएगा। सारनाथ वही पुण्य भूमि है, जहां भगवान बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश धर्मचक्र प्रवर्तन दिया था।

यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को दी। उन्होंने बताया कि अस्थि अवशेष दर्शन के लिए बड़ी संख्या में बौद्ध भिक्षुओं और आस्थावानों के पहुंचने का अनुमान है। श्रीलंका, म्यांमार, थाईलैंड, कंबोडिया, नेपाल तथा कोलकाता, गुजरात, बिहार, उत्तर प्रदेश, लद्दाख और हिमालयी क्षेत्रों से बौद्ध भिक्षु-भिक्षुणियां सारनाथ पहुंच रहे हैं। यह आयोजन महाबोधि सोसायटी ऑफ इंडिया, सारनाथ केंद्र और वियतनामी बौद्ध संघ के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि भगवान बुद्ध के अवशेषों को साल में दो बार बुद्ध पूर्णिमा और कार्तिक पूर्णिमा पर सार्वजनिक दर्शन के लिए रखा जाता है।

धर्म पर संकट स्थायी नहीं : राधाकृष्णन

उप राष्ट्रपति ने काशी में किया धर्मशाला का उद्घाटन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में शुक्रवार को श्री काशी नाटकोट्टाई संस्था के नए धर्मशाला भवन का उद्घाटन किया। नाटकोट्टाई संस्था द्वारा 60 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस आधुनिक धर्मशाला भवन का लोकार्पण समारोह के संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि धर्म को कुछ समय के लिए संकट हो सकता है, लेकिन वह कभी स्थायी नहीं होता। आज धर्म की विजय हुई है, यह इमारत उसी की साक्षी है। उन्होंने कहा कि 25 वर्ष पूर्व जब मैं काशी आया था, तब मैं मांसाहारी था। गंगा स्नान के बाद जीवन में इतना परिवर्तन आया कि मैंने शाकाहार अपना लिया।

राधाकृष्णन ने कहा कि 25 साल पहले की काशी और आज की काशी में जमीन-आसमान का अंतर है। यह परिवर्तन केवल दो कर्मयोगियों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कारण संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि जहां नाटकोट्टाई समूह सक्रिय होता है, वहां सेवा, धर्म और प्रगति साथ-साथ चलती है। यह भवन उसी भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह धर्मशाला केवल एक इमारत नहीं, बल्कि उत्तर और दक्षिण भारत के सांस्कृतिक बंधन का नया अध्याय है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि काशी में गंगा नदी से लेकर तमिलनाडु की कावेरी नदी तक हमारी साझी परंपरा ये याद दिलाती है कि भाषाएं भले ही अलग हों, भारत की आत्मा एक ही है जो शाश्वत समावेशी और अटूट है। मुख्यमंत्री योगी ने 'वनक्कम काशी' से अपने संबोधन को शुरू करते हुए कहा कि ये हमारे लिए सुखद संयोग है कि यूपी की इस यात्रा में उपराष्ट्रपति बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में पधारे हैं।

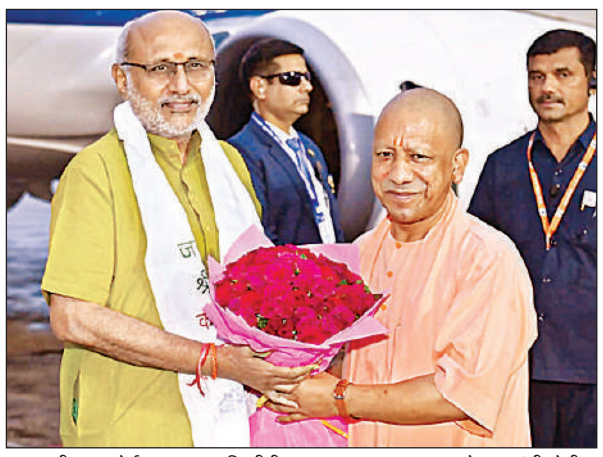

वाराणसी : एयरपोर्ट पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का स्वागत करते मुख्यमंत्री योगी।

उपलब्धि | लखनऊ को यूनेस्को ने 'क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' किया घोषित

लखनऊ के खानपान को वैश्विक सम्मान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सूची में अब दुनियाभर के 70 शहर शामिल

अमृत विचार : प्रदेश ने वैश्विक पहचान की नई ऊंचाई छू ली है। राजधानी लखनऊ को यूनेस्को ने 'क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' घोषित किया है। यह सम्मान उस शहर को मिलता है जो अपनी खानपान परंपरा, सांस्कृतिक विविधता और नवाचार से विश्व को प्रेरित करता है। यह घोषणा उज्बेकिस्तान के समरकंद में आयोजित यूनेस्को की 43वीं जनरल कॉन्फ्रेंस में 'वर्ल्ड सिटीज डे' के अवसर पर की गई।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज देश का गौरव बन चुका है। लखनऊ की यह उपलब्धि उसके समृद्ध खानपान और संस्कृति की वैश्विक स्वीकृति है। उन्होंने कहा कि लखनऊ की गैस्ट्रोनॉमी को मिली यह पहचान पर्यटन क्षेत्र की बढ़ती शक्ति और 'विकसित उत्तर प्रदेश' के विजन को साकार करने का प्रमाण है।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने लखनऊ के लिए नामांकन 31 जनवरी 2025 को केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय को भेजा था। विस्तृत समीक्षा के बाद भारत सरकार ने 3 मार्च 2025 को यूनेस्को को अंतिम डॉसियर प्रस्तुत किया। 31 अक्टूबर को आयोजित कॉन्फ्रेंस में लखनऊ को औपचारिक रूप से 'क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' नेटवर्क में शामिल किया गया।

प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति अमृत अभिजात ने बताया कि यूनेस्को की इस सूची में अब दुनियाभर के 70 शहर शामिल हैं। इस वर्ष आठ नए शहरों को इस नेटवर्क में स्थान मिला है। उन्होंने कहा कि लखनऊ का यह चयन उसकी व्यंजन परंपरा और पाक कला धरोहर को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाने वाला है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में लखनऊ में 82.74 लाख पर्यटक आए, जबकि 2025 के पहले छह महीनों में ही 70.20 लाख पर्यटक पहुंच चुके हैं।

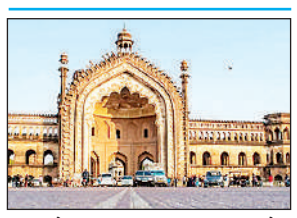

जाली प्रमाणपत्र बनाने के पांच आरोपी गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : एसटीएफ की टीम ने गुरुवार देर रात को जाली जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने वाले गिरोह का खुलासा किया। गिरोह के पांच सदस्यों को लखनऊ और गोंडा से गिरफ्तार किया है। पकड़े गये आरोपियों ने अब तक 1.40 लाख जन्म और 25 हजार मृत्यु प्रमाण पत्र बनाकर बेच दिया है। यह गिरोह फर्जी वेबसाइट, सॉफ्टवेयर व पोर्टल के माध्यम से खेल करते थे। आरोपियों के पास से कई अहम दस्तावेज बरामद हुए हैं।

एसटीएफ के डिप्टी एसपी सुधांशु शेखर के मुताबिक टीम को शुक्रवार को सूचना मिली कि गिरोह का एक बदमाश हरदोई से कार से लखनऊ आ रहा है। इसके बाद लखनऊ में दुबग्गा चौराहे से उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इसके अलावा चार अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया। जिसमें विशुनपुर पिपरा बिटोरा इमलिया का रवि वर्मा, उसका भाई सोनू वर्मा, उसके पिता बंशराज वर्मा और सत्यरोहन वर्मा शामिल है। पकड़े गए आरोपियों के पास से पांच मोबाइल फोन, 14 आयुष्मान कार्ड, सात एटीएम कार्ड, 25 फर्जी जन्म प्रमाणपत्र व पांच मृत्यु प्रमाणपत्र, 27,690 रुपये की नकदी, ड्राइविंग लाइसेंस, हार्ड डिस्क व कार बरामद हुई है।

ग्राम पंचायत अधिकारी चलाता है गिरोह : डिप्टी एसपी के मुताबिक, दुबग्गा से पकड़ा गया लाल बिहारी सुभाषनगर भोलाखेड़ा मानसनगर कृष्णानगर का रहने वाला है। वह हरदोई के अहिरौली में ग्राम पंचायत अधिकारी के पद पर तैनात है। वह गोंडा के पिपरा भिटौरा इमलिया विशुनपुर बैरिया निवासी रवि वर्मा के सहयोग फर्जी जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाता था।

एटीएफ की पूछताछ में रवि ने बताया कि उसने ऑनलाइन वेबसाइट में कूटरचना करके उसी साइट पर अपने साथियों से एकमुश्त रकम लेकर उन्हें लॉगिन आईडी और पासवर्ड दिया था। इसी साइट पर वह सभी ऑनलाइन लॉगिन करके फर्जी जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्र तैयार करते थे। उसकी निर्धारित फीस लेते थे।

एसटीएफ की गिरफ्त में पकड़े गए जाली प्रमाण पत्र बनाने के आरोपी।

- गोंडा व लखनऊ में छापेमारी कर एसटीएफ की टीम ने किया गिरोह का खुलासा

न्यूज ब्रीफ

जिला जज ने कारागार का किया निरीक्षण

सिद्धार्थनगर : जिला जज, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक द्वारा जिला कारागार का आकस्मिक निरीक्षण किया गया तथा सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया । जिला जज, जिलाधिकारी , पुलिस अधीक्षक द्वारा सीएमओ के साथ संयुक्त रूप से जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया गया । इस दौरान भोजनालय, बैरकों तथा बन्दियों का गहन निरीक्षण किया गया । जेल अधीक्षक द्वारा बताया गया कि नियमित रूप से उनके व जेल स्टाफ द्वारा जेल की चेकिंग की जाती है । जिला कारागार मे निरीक्षण के समय सभी व्यवस्थाएं सन्तोषजनक पायी गयी । जेल के अंदर कोई भी प्रतिबंधित सामग्री ना जाए इसके लिए संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।

विश्व हिंदू महासंघ ने की कार्यवाही की मांग

सिद्धार्थनगर : विश्व हिंदू महासंघ ने छठ पूजा में अश्लील गाने को लेकर पुलिस अधीक्षक को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग किया है। बता दें कि प्रदेश उपाध्यक्ष अखण्ड प्रताप सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष और जिलाध्यक्ष कृपाशंकर त्रिपाठी ने पत्र लिखकर कार्यवाही की मांग की है । वहीं पुलिस के द्वारा कार्यवाही न होने पर थाने का घेराव का सन्देश भी दिया है और गोरखनाथ मंदिर पर सूचना देने का काम विश्व हिन्दू महासंघ करेंगे । छठ पूजा के दिन शादी विवाह के गाने पर नाचने का वीडियो सोसल मीडिया पर वायरल हुआ था । वायरल वीडियो होने पर विश्व हिन्दू महासंघ ने पुलिस अधीक्षक से लिखित शिकायत कर कार्यवाही की मांग की है ।

महिलाओं को किया गया जागरूक

मनकापुर (गोंडा) : महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के उद्देश्य से कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को कस्बा मनकापुर क्षेत्र में मिशन शक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया ।कार्यक्रम के तहत कस्बा मनकापुर, समय माता मंदिर, सर्राफा मार्केट और पीलखाना क्षेत्र में पुलिस टीम द्वारा व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया गया । टीम ने ए.पी. इंटर कॉलेज मनकापुर में छात्राओं को मिशन शक्ति केंद्र की जानकारी देते हुए साइबर अपराधों से सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया । टीम में महिला उपनिरीक्षक रूचि गौतम, महिला आरक्षी रोशनी त्रिवेदी, लक्ष्मी वर्मा, मुख्य आरक्षी गुलाब चंद्र यादव व आरक्षी दुर्गेश चौधरी शामिल रहे ।

कहासुनी के बाद युवक ने दे दी जान

संतकबीरनगर : धनघटा थाना क्षेत्र के तुर्कवलिया नायक गांव निवासी 25 वर्षीय सूरज निषाद पुत्र लाल बिहारी निषाद की शादी वर्ष 2021 में आजमगढ़ जिले के अतरौलिया थाना क्षेत्र के बासडीह गांव में हुई थी । शादी के करीब डेढ़ वर्ष बाद सूरज की पत्नी लालमती ने एक बच्ची को जन्म दिया और तभी से वह अपने मायके में रह रही थी । पिता लाल बिहारी निषाद ने बताया कि पत्नी चाहती थी कि सूरज उसके साथ ससुराल में रहकर वहीं से जीवनयापन करे । लेकिन, सूरज इसके लिए तैयार नहीं था । दोनों के बीच बीती रात करीब 11 बजे दोनों के बीच फोन पर कहासुनी हुई । जिसके बाद सूरज अपने कमरे में चला गया । देर रात उसने छत की कुंडी में साड़ी का फंदा लगाकर फांसी लगा ली । सूचना पर थाना प्रभारी जयप्रकाश दुबे मय पुलिस बल मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की है ।

संस्कृत व तमिल भारत की आत्मा : योगी

वाराणसी में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का मुख्यमंत्री ने किया स्वागत-अभिनंदन

वाराणसी, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को यहां काशी नाटकोट्टई नगर क्षेत्रम में निर्मित धर्मशाला के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि देश के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्ण भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'वनक्कम काशी' से अपने संबोधन में कहा कि काशी में गंगा नदी से लेकर तमिलनाडु की कावेरी नदी तक हमारी साझी परंपरा याद दिलाती है कि भाषाएं भले ही अलग हों, भारत की आत्मा एक ही है जो शाश्वत समावेशी और अटूट है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये हमारे लिए सुखद संयोग है कि यूपी की इस यात्रा में उपराष्ट्रपति जी बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में पधारे हैं। श्रीकाशी नाटकोट्टई नगर क्षेत्रम मैनेजिंग सोसाइटी द्वारा निर्मित धर्मशाला का उद्घाटन उपराष्ट्रपति द्वारा हुआ है। यह श्रद्धालुओं को रहने की सुविधा उपलब्ध कराएगी साथ ही काशी और तमिलनाडु के प्राचीन सांस्कृतिक संबंधों को सुदृढ़ करेगी। कहा कि भगवान श्रीराम द्वारा रामेश्वरम धाम में स्थापित पावन ज्योतिर्लिंग और काशी में विराजमान भगवान आदि विश्वेवश्वर ज्योतिर्लिंग, यह एक-दूसरे के रूप में पूजित हैं। काशी विश्वनाथ और रामेश्वरम दोनों भगवान शिव के दिव्य स्वरूप हैं। यह उत्तर और दक्षिण भारत की सांस्कृतिक एकात्मता का सुंदर सार भी प्रस्तुत करता है। भगवान श्रीराम और भगवान शिव के माध्यम से निर्मित इस संबंध सेतु को आदि शंकराचार्य ने भारत के चारों कोनों में पवित्र पीठ की स्थापना कर आगे बढ़ाया। आदि शंकर ने काशी में आकर ज्ञान प्राप्त किया और संपूर्ण भारत को अद्वैत दर्शन का संदेश दिया। काशी ने उन्हे आत्मज्ञान दिया और उन्होंने आत्मबोध दिया। यह परंपरा हमें संतुलन और विवेक का संदेश देती है। इस अवसर पर तमिलनाडु सरकार के मंत्री एस रघुपति, यूपी सरकार में मंत्री रविन्द्र जायसवाल, श्रीकाशी नाटकोट्टई के अध्यक्ष एल नारायणन, अभिरामी रामानाथन, एमई एमआर मुथाई, एस कदिरेसन, डॉ सोलार नचित्तन, डॉ नीलकंठ तिवारी, धर्मेन्द्र सिंह सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

धर्मशाला का उद्घाटन करते उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्ण व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अयोध्या में तमिल संतों के नाम पर हैं चारों प्रमुख द्वार

सीएम योगी ने कहा कि भगवान श्रीराम की भक्ति के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित करने वाले दक्षिण भारत के पूज्य संतों में श्री त्यागराज स्वामी, श्री पुरंदरदास स्वामी तथा श्री अरुणाचल कवि की अभी इसी माह प्रतिमा की स्थापना केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के साथ हमने अयोध्या धाम में स्थापित की है । इससे पूर्व विशिष्टाद्वैत के प्रवर्तक संत रामानुजाचार्य की प्रतिमा की स्थापना भी अयोध्या में हुई है । 500 वर्षों का इंतजार समाप्त करते हुए अयोध्या धाम में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण करते हुए चार प्रमुख द्वारों के नामकरण जगद्गुरू शंकराचार्य, जगद्गुरू रामानुजाचार्य, जगद्गुरू रामानंदाचार्य और जगद्गुरू माधवाचार्य के नाम पर अयोध्या में किया गया है।

तमिलनाडु की तेनकाशी है दक्षिण की काशी

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये हमारा सौभाग्य है कि आदिकाल से चली आ रही इस शाश्वत परंपरा को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गति प्रदान कर रहे हैं । उनके नेतृत्व में देश की गौरवशाली आस्था के प्रति सम्मान के पुनर्स्थापना का कार्य आगे बढ़ रहा है । तमिलनाडु की तेनकाशी में भगवान विश्वनाथ का प्राचीन मंदिर है । तेनकाशी का अर्थ है दक्षिण की काशी । पांड्य देश के सम्राट श्रीहरि केशरी परिकराम पांडयन ने काशी से ज्योतिर्लिंग लाकर तेनकाशी में स्थापना की । तमिलनाडु में शिवकाशी नामक एक पवित्र स्थान भी है । मुख्यमंत्री ने बताया कि काशी और तमिलनाडु में भारतीय संस्कृति के सभी तत्व समान रूप से संरक्षित हैं । भारत में संस्कृत भाषा और तमिल साहित्य सबसे प्राचीनतम साहित्य हैं । समस्त भारतीय भाषाएं और उनके साहित्य सभी को अपने में समाहित करते हैं ।

निवेश का सबसे उत्तम गंतव्य स्थल है यूपी

योगी ने बताया कि जो सोसाइटी दो सौ साल से भगवान विश्वनाथ की पूजा अराधना में स्वयं को समर्पित करता है, आज उसने देश और दुनिया में तमिल समुदाय के लोगों के लिए यहां धर्मशाला का निर्माण किया है । इसकी आधारशिला वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने रखी थी । आज इसके उद्घाटन समारोह में तमिलनाडु और दुनियाभर से अतिथि और इन्वेस्टर्स आए हैं । मैं कहना चाहता हूं कि दुनिया में सबसे अच्छा इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन भारत है और भारत में भी यूपी निवेश का सबसे उत्तम गंतव्य है ।

भूमि अर्जित कर हो सकती है उद्योगों की स्थापना

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

- जिला उद्योग बंधु समिति की बैठक में कई बिंदुओं पर हुई चर्चा

अमृत विचार। कलेक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को जिला उद्योग बंधु समिति की बैठक बुलाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने की। बैठक कार्यक्रम में मुख्य रूप से जनपद में उद्योग लगाने एवं इसके स्थापना को लेकर विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा हिआ और बैठक में प्रमुख मुद्दा बना रहा।

सीडीओ ने कहा कि तहसील के सभी उप जिलाधिकारी कार्यालय से भूमि की उपलब्धता की सूची मंगा लें। यदि भूमि उपलब्ध नहीं है, तो किसानों से नियमानुसार मुआवजा देकर भूमि अर्जित कर उद्योग स्थापना में सहयोग किया जा सकता है। सांसद प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल ने बैठक में जनपद में उद्योग की स्थापना समेत जीएसटी विषय पर खुलकर बात की और कहा कि शत्रु संपत्ति आदि के छोटे-छोटे भू-भागों पर उद्योगों की स्थापना नहीं हो सकती है। उद्योगों की स्थापना के लिए शासन स्तर से भूमि की मांग करना अच्छा विकल्प हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि शासन स्तर पर भूमि उपलब्ध नहीं होता है, तो उद्योग बंधु समिति के पदाधिकारियों को कास्तकारों से सर्किल रेट के नियमों के अनुसार भूमि उपलब्ध कराकर उद्योग को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि जनपद उद्योग स्थापना के क्षेत्र में एक नया आयाम स्थापित कर सके। साथ ही उन्होंने अभी कहा कि जीएसटी विभाग के अधिकारियों की लापरवाही और गैर जिम्मेदाराना रवैये के चलते व्यापारी वर्ग परेशान है। बेवजह जनपद स्तर पर सुलझाए जाने वाले मामले को गोरखपुर भेज दिया जाता है और फिर वहां व्यापारियों को प्रताड़ित करना आम बात है। उन्होंने बासी एवं बिस्कोहर के व्यापारी का हवाला दिया। शोहरतगढ़ में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के वरिष्ठ महामंत्री मनोज कुमार गुप्ता ने शोहरतगढ़ बाजार के अन्दर खुले में बिक रहे मांस-मछली की दुकान को हटवाने, विद्युत के जर्जर तार बदलवाने एवं सेफ्टी जाली लगवाने की बात कही तो वहीं बांसी में घनश्याम जायसवाल ने बांसी बाजार के अंदर खुले में बिक रहे मांस-मछली की दुकान को हटवाने सहित व्यापारी हित में कई बिन्दुओं पर ध्यान आकर्षित कराया।

सेवानिवृत्त अधिकारियों को रेलवे महाप्रबंधक ने स्मृति चिह्न देकर किया सम्मानित

गोरखपुर , अमृत विचार। महाप्रबन्धक उदय बोरवणकर ने महाप्रबन्धक सभाकक्ष में आयोजित सेवानिवृत्ति समारोह में शुक्रवार को सेवानिवृत्त हो रहे मुख्य प्रशासनिक अधिकारी निर्माण/आरएसपी नरेन्द्र सिंह तथा प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक अजय अरोरा को समापक राशि का प्रपत्र, सेवा प्रमाण पत्र एवं गोल्ड प्लेटेड मेडल तथा स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया । इस अवसर पर महाप्रबन्धक ने सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों के स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना की । समारोह में उपस्थित प्रमुख विभागाध्यक्षों एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने अरोरा एवं श्री सिंह के द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यो की सराहना करते हुए उनके सुखमय जीवन की कामना की । उक्त जानकारी मुख्य जनसंपर्क पंकज कुमार सिंह ने दी है ।

ब्लॉक के चलते नियंत्रित कर चलाई जाएंगी ट्रेनें

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा वाराणसी मण्डल के कादीपुर-सारनाथ स्टेशनों के मध्य समपार संख्या-12/सी पर सड़क उपरिगामी पुल निर्माण हेतु ब्लॉक दिये जाने के कारण गाड़ियों का पुनर्निर्धारण, नियंत्रण, निरस्तीकरण, शार्ट टर्मिनेशन एवं शार्ट ओरिजिनेशन निम्नवत किया जायेगा । पुनर्निर्धारण/नियंत्रण- आनन्द विहार टर्मिनस से 02, 03, 04, 16, 17 नवम्बर,2025 को चलने वाली 04090 आनन्द विहार टर्मिनस-पटना विशेष गाड़ी मार्ग में 30 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी । प्रयागराज रामबाग से 15 नवम्बर,2025 को चलने वाली 65132 प्रयागराज रामबाग-मऊ मेमू गाड़ी प्रयागराज रामबाग से 120 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी । आनन्द विहार टर्मिनस से 14 नवम्बर,2025 को चलने वाली 14016 आनन्द विहार टर्मिनस-सीतामढ़ी एक्सप्रेस आनन्द विहार टर्मिनस से 120 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी । गोरखपुर से 15 नवम्बर,2025 को चलने वाली 15018 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस गोरखपुर से 90 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी । इस संबंध में यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क पंकज कुमार सिंह ने दी है ।

पदोन्नति मिलने पर महाप्रबंधक ने दी बधाई

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे के प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर राजेश कुमार पाण्डेय को पदोन्नति पर रेलवे बोर्ड में अपर सदस्य (सिगनल) बनाया गया है । पदोन्नति पर महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर एवं प्रमुख विभागाध्यक्षों ने बधाई एवं शुभकामनायें दी हैं । राजेश कुमार पाण्डेय ने एम.टेक की उपाधि प्राप्त करने के उपरान्त भारतीय रेलवे सिगनल इंजीनियरिंग सेवा के 1989 बैच के माध्यम से 1991 में रेल सेवा में प्रवेश किया और आपकी प्रथम नियुक्ति सहायक सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर के पद पर बरौनी (तत्कालीन पूर्वोत्तर रेलवे) में हुई । इसके पश्चात आपने समस्तीपुर मण्डल एवं पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय में विभिन्न पदों पर कार्य करने के पश्चात आर.डी.एस.ओ., पश्चिम रेलवे, रेल विद्युतीकरण, अपर मण्डल रेल प्रबंधक, समस्तीपुर (पूर्व मध्य रेलवे), पूर्वोत्तर रेलवे पर मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर (कार्य) एवं मुख्य सिगनल इंजीनियर तथा मण्डल रेल प्रबंधक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के पद के दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया । आपके नेतृत्व में पूर्वोत्तर रेलवे पर वर्ष 2024-25 में 101.93 रूट किलोमीटर ब्लॉक सिगनलिंग, 09 स्टेशनों पर इलेक्ट्रानिक इंटरलाकिंग का कार्य पूरा करने के साथ ही 22 समपारों को इंटरलॉक किया गया । आपकी देख-रेख में महाकुम्भ-2025 के दौरान भीड़ पर निगरानी के लिए प्रयागराज रामबाग एवं झूसी स्टेशनों पर कुल 270 सीसीटीवी . सर्विलांस सिस्टम वीएमएस एवं एफआरएस . सर्वर के साथ लगाये गए हैं ।

रियासतों को एकता में पिरोकर बनाया अखंड भारत

संवाददाता, कुशीनगर

अमृत विचार। स्वतंत्र भारत के वास्तुकार 'लौह पुरुष' सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस के राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर व अपर जिलाधिकारी वैभव मिश्रा, प्रेम कुमार राय द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। जिलाधिकारी द्वारा राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई।

डीएम ने कहा हम सभी को देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए समर्पित रहना होगा तथा एकता का संदेश फैलाने का प्रयास करना होगा। कहा कि आजादी के समय भारत की छोटी बड़ी रियासतों को एकता के सूत्र में पिरोकर सरदार पटेल द्वारा अखंड भारत का निर्माण किया गया। अखंड भारत के निर्माण के साथ साथ स्वंतत्रता संग्राम में दिए गए उनके योगदानों को याद किया गया। इस अवसर पर जनपद स्तरीय अधिकारी एव कर्मचारी उपस्थित रहे।

तिरंगा यात्रा में शामिल जिलाधिकारी, एसपी सहित अन्य अधिकारी।

- सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर हुए कार्यक्रम

लौह पुरुष की जयंती पर किया स्वैच्छिक रक्तदान, कुशीनगर। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर रोटरी क्लब कुशीनगर के तत्वावधान में कुशीनगर ब्लड बैंक में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 22 लोगों ने रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। रक्तदाताओं में कल्पनाथ चौहान, विनय कुमार सिंह, रवि प्रताप सिंह, अश्विनी पटेल, आयुष, आशुतोष चतुर्वेदी, दीपक भारती, राजीव भारती, किशोर शर्मा, गोविन्द सिंह आदि प्रमुख रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर ली एकता की शपथ, कुशीनगर। नगर पालिका परिषद हाटा के वार्ड नं०. 4 बुद्धनगर के भड़कुलवा में अमृत सरोवर पार्क में स्थित लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की प्रतिमा पर नगर पालिका अध्यक्ष रामानंद सिंह सहित सभासदों ने प्रतिमा पर माल्यार्पण करके उनके जयंती पर उनको नमन कर उनके विचारों पर चलने के लिए शपथ ली।

चीनी मिल के उप महाप्रबंधक की मौत

मसौधा अयोध्या, अमृत विचार : केएम शुगर मिल मसौधा के उप महाप्रबंधक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में शुक्रवार को चीनी मिल कॉलोनी परिसर स्थित आवास में फंदे से लटकता मिला। प्रथम दृष्टया आत्महत्या की संभावना जताई जा रही है। हमीरपुर जनपद के ग्राम मसौधा पोस्ट रगौल के रहने वाले मुकेश सुहानी (50) चीनी मिल मसौधा में उप महाप्रबंधक उपकरण के पद पर तैनात थे। परिजनों के साथ गुरुवार देर रात वह खाना खाकर अपने कमरे में सोने चले गए थे। उनकी पत्नी और बच्चे अलग कमरे में सोए हुए थे। जब शुक्रवार सुबह वह देर तक नहीं उठे तो परिजन दरवाजा खटखटाने लगे। दरवाजा तोड़ा गया तो मुकेश का शव वहां लटकता मिला।

कानपुर में पुलिस आयुक्त ऑफिस का लिपिक घूस लेते हुए गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पुलिस कमिश्नर कार्यालय में तैनात लिपिक अपने ही विभाग के एक दरोगा से पांच हजार घूस लेते रंगे हाथ पकड़ा गया। एंटी करप्शन टीम ने उसे बजरिया के एक हॉस्पिटल के सामने से गिरफ्तार किया। देर शाम उसे कोतवाली पुलिस को सौंप दिया गया। पीड़ित दरोगा ने दो दिन पहले एंटी करप्शन थाने में शिकायत की थी।

कल्याणपुर आवास विकास चौकी में तैनात दरोगा उदयपाल पांडेय के वेतन में विसंगतियां थीं। इसे लेकर उन्होंने पुलिस कमिश्नर प्रधान लिपिक कार्यालय में आवेदन किया। यहां से बात नहीं बनी तो वह हाईकोर्ट चले गए। हाईकोर्ट से उनके पक्ष में आदेश हुआ और वेतन विसंगति सही करने को कहा गया। उन्होंने हाईकोर्ट का आदेश प्रधान लिपिक कार्यालय में दिया लेकिन वेतन विसंगति ठीक नहीं हुई।

इसके बाद वह कंटेंप्ट (हाईकोर्ट के आदेश की अवमानना) में चले गए। सुनवाई चल ही रही थी, कि प्रधान लिपिक कार्यालय में सीआरके-द्वितीय (चरित्र पंजिका लिपिक) के सहायक लिपिक महफूज अहमद ने पांच हजार रुपए की मांग की। महफूज उर्दू अनुवादक है और सहायक लिपिक का कार्य भी देखता है।

पदयात्रा एवं भव्य झांकी निकाली

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर शुक्रवार को खलीलाबाद शहर में पदयात्रा एवं भव्य झांकी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में एकता, अखंडता और सद्भावना का संदेश देना रहा। पदयात्रा का शुभारंभ एचआर पीजी कॉलेज परिसर से हुआ, जहां प्रतिभागियों ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और राष्ट्रगान के साथ यात्रा की शुरुआत की। तिरंगा झंडा और सरदार पटेल के चित्र लेकर लोग "जय जय सरदार", "भारत माता की जय" और "लौह पुरुष अमर रहें" जैसे

पदयात्रा में शामिल लोग। अमृत विचार

देशभक्ति नारों के साथ शहरभर में निकले। यात्रा शुगर मिल रोड, मोती तिराहा, बैंक चौराहा, गोला बाजार और मुखलिसपुर चौराहा होते हुए मेंहदावल बाईपास चौक तक पहुंची। यह आयोजन अपना दल (एस) के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व जिलाध्यक्ष रोहित पटेल के आह्वान पर हुआ, जिसमें विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता, छात्र, युवा और सर्वसमाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए।

पंचकोसी परिक्रमा आज, वाहनों के प्रवेश पर रोक

अयोध्या, अमृत विचार : रामनगरी में कार्तिक मास की पवित्र देवोत्थान एकादशी पर होने वाली पंचकोसी परिक्रमा शनिवार को बहम मुहूर्त में करीब 4:04 बजे परिक्रमा शुरू होगी, जो रविवार भोर 2:57 तक चलेगी । इस परिक्रमा में शहर के करीब 60 फीसदी लोग भी परिवार समेत शामिल होते हैं । प्रशासन का अनुमान है कि करीब 20 लाख लोग परिक्रमा में 15 किमी. पथ को नापेंगे ।पुलिस व प्रशासन ने सभी तैयारियां पूर्ण कर ली है । अयोध्या धाम में सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है । करीब 15 किलोमीटर लंबा मार्ग अयोध्या धाम के पंचकोसी क्षेत्र को घेरता हुआ गुजरता है । जिसमें प्रमुख मंदिर जैसे राम मंदिर, कनक भवन, हनुमान गढ़ी, दशरथ महल, राम की पैड़ी समेत अन्य मंदिर शामिल हैं । मान्यता है कि इस परिक्रमा से जन्म जन्मांतर के पापों से मुक्ति मिलती है और भक्तों को मोक्ष की प्राप्ति होती है ।

बाइक पर लिफ्ट देकर महिला से दो युवकों ने किया सामूहिक दुष्कर्म

संतकबीरनगर, अमृत विचार। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र की एक महिला को बाइक पर लिफ्ट देकर दो युवकों ने अपने किराए के मकान में ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म किया। सूचना पर कोतवाली पुलिस ने दोनों अभियुक्तों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दोनों आरोपियों को शुक्रवार को मगहर क्षेत्र के कुईं गांव के पास से गिरफ्तार जेल भेज दिया।

प्रभारी निरीक्षक पंकज कुमार पाण्डेय ने बताया कि पीड़ित महिला ने 30 अक्टूबर को पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया था। प्रार्थना पत्र में पीड़ित महिला ने बताया कि खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र के बयारा निवासी कौशल चौरसिया उर्फ मोनू पुत्र लालजी और राजस्थान प्रांत के थाना कुम्हैर क्षेत्र के सैंत गांव निवासी सुनील लोधी पुत्र नंदन सिंह पर अपनी बाईक पर लिफ्ट देने का बहाना बनाकर अपने सहयोगी मित्र सुनील लोधी के बयारा गांव में स्थित किराए के मकान में ले गए। जहां, दोनों आरोपियों ने बारी- बारी से महिला से सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। महिला ने किसी तरह से कोतवाली पहुंचकर पुलिस को घटना की जानकारी दी। महिला अपराध की गंभीरता को देखते हुए दोनों अभियुक्तों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस तलाश में जुटी गई। शुक्रवार को पुलिस को दोनों आरोपियों के मगहर क्षेत्र के कुईं गांव नेशनल हाईवे मार्ग के पास होने की जानकारी मिली। पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इसके साथ ही दोनों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

निरीक्षण डीएम और एसपी ने किया जिला कारागार का औचक निरीक्षण

डीएम ने कैदियों की रचनात्मकता को सराहा

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। जिलाधिकारी आलोक कुमार व पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने शुक्रवार को जिला कारागार संतकबीरनगर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने अस्पताल, बैरक, मेस, कार्यालय एवं परिसर की गहन जांच करते हुए साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्थाओं की स्थिति का मूल्यांकन किया। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने कैदियों से संवाद कर उनकी समस्याओं और सुविधाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर कैदियों द्वारा आयोजित कला प्रदर्शनी में प्रदर्शित रचनात्मक प्रतिभा की उन्होंने सराहना भी की। डीएम और एसपी ने कारागार कर्मियों को सख्त निर्देश दिए कि जेल के अंदर किसी भी प्रकार की प्रतिबंधित सामग्री प्रवेश न कर सके तथा सभी कार्यों का निर्वहन निष्ठा और पारदर्शिता के साथ किया जाए। उन्होंने जेल परिसर में अनुशासन और सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।

जिला कारागार की मेस का निरीक्षण करते डीएम और एसपी। अमृत विचार

पानी में गिरी फॉर्च्यूनर एक की मौत, 5 घायल

बल्दीराय, सुलतानपुर, अमृत विचार: पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर गुरुवार रात आजमगढ़ से छठ पूजा मनाकर लौट रहा परिवार हादसे का शिकार हो गया। तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर के चालक को झपकी आने से कार रेलिंग तोड़ते हुए करीब दस फीट नीचे पानी में जा गिरी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में कार में मौजूद दो माह की बच्ची चमत्कारिक रूप से सुरक्षित बच गई। जानकारी के अनुसार, आजमगढ़ जनपद के जहानागंज थाना क्षेत्र के सराय खुर्द गांव निवासी शुभम यादव (25 वर्ष) अपने परिवार के साथ फॉर्च्यूनर कार से छठ पूजा मनाने के बाद लखनऊ लौट रहे थे।

डीआईओएस कार्यालय में ऑफिस ब्वॉय ने किया जमकर हंगामा, मुकदमा दर्ज

संवाददाता, संतकबीरनगर

- कार्य में लापरवाही पर चेतावनी देने पर आफिस ब्वॉय पर अमर्यादित व्यवहार करने का आरोप

अमृत विचार। जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) कार्यालय में गुरुवार की शाम आउटसोर्सिंग से तैनात एक ऑफिस ब्वॉय ने जमकर हंगामा किया। आरोप है कि कार्य में लापरवाही पर चेतावनी देने पर उसने डीआईओएस से अमर्यादित व्यवहार किया और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। घटना के बाद डीआईओएस की तहरीर पर शुक्रवार को कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

डीआईओएस हरिश्चंद्र नाथ ने बताया कि गुरुवार शाम करीब साढ़े चार बजे वे अपने कक्ष में राजकीय जिला पुस्तकालय के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान पुस्तकालय में आउटसोर्सिंग के माध्यम से तैनात ऑफिस ब्वॉय पंकज कुमार पांडेय निवासी – बुदहट घोठवा, थाना हरपुर बुदहट, जनपद गोरखपुर को कार्य के प्रति जिम्मेदारी बरतने की हिदायत दी गई। आरोप है कि इस पर पंकज कुमार पांडेय भड़क गया और डीआईओएस से बहस करने लगा। उसने हाथापाई की कोशिश की और धमकी भरे शब्दों का प्रयोग किया। इतना ही नहीं, उसने जातिसूचक और आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करते हुए कार्यालय परिसर में करीब 30 मिनट तक हंगामा किया। डीआईओएस की तहरीर पर कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट, गाली-गलौज, धमकी और शासकीय कार्य में बाधा डालने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है।

कोतवाल पंकज कुमार पांडेय ने बताया कि मामले की जांच जारी है, और विवेचना में जो तथ्य सामने आएंगे, उसी के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

फंदे से लटकी मिली किशोरी, मौत

अमृत विचार, बख्शी का तालाब : इटौंजा के मंडौली गांव में शुक्रवार को 15 वर्षीया राधा ने फंदा लगा लिया। परिजन ने खिड़की की सरिया से साड़ी के फंदे से लटका देख नीचे उतारा। बेसुध हालत में अस्पताल लेकर गए। जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। मंडौली गोकुल मौर्य परिवार के साथ रहते हैं। ग्रामीणों के मुताबिक गोकुल की बेटी राधा ने शुक्रवार दोपहर कमरे में फंदा लगा लिया। इसी बीच परिजन की नजर पड़ी। आनन-फानन उसे नीचे उतारा और रामसागर अस्पताल लेकर गये। जहां कुछ देर बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पिता के मुताबिक राधा सातवीं की छात्रा था। दो माह पहले स्कूल जाना बंद कर दिया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इटौंजा इंस्पेक्टर मारकंडेय यादव ने बताया की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एलडीए ने 11 अवैध प्लाटिंग पर चलाया बुलडोजर

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर शुक्रवार को प्रवर्तन टीम ने बड़ी कार्रवाई की। काकोरी, दुबग्गा व इंदिरा नगर में 80 बीघा में 11 अवैध प्लाटिंग पर बुलडोजर से ध्वस्त की। प्रवर्तन जोन-3 के जोनल अधिकारी विपिन कुमार शिवहरे ने बताया कि सिब्बू, सलीम, बलराम, सुंदर, उत्तम व अन्य द्वारा काकोरी के ग्राम ग्वालपुर में पांच जगहों पर लगभग 15 बीघा में अनाधिकृत रूप से प्लाटिंग करते हुए कालोनी विकसित की जा रही थी। जो अभियान चलाकर ध्वस्त कर दी। प्रवर्तन जोन-5 के जोनल अधिकारी अतुल कृष्ण सिंह ने बताया कि संदीप रावत, संदीप यादव, मोहम्मद अनवर व अन्य द्वारा इंदिरा नगर थानाक्षेत्र के ग्राम रसूलपुर सादात में तीन स्थानों पर लगभग 35 बीघा में अवैध प्लाटिंग करके विकसित की गई कालोनी ध्वस्त की। प्रवर्तन जोन-7 के जोनल अधिकारी माधवेश कुमार ने बताया कि दिलीप मिश्रा, धम्मू यादव, चीनू गुप्ता, बाबू लाल, संतोष कुमार व अन्य द्वारा दुबग्गा, ग्राम जेहटा में तीन स्थानों पर लगभग 30 बीघा में बिना ले-आउट स्वीकृत कराण् प्लाटिंग करने पर ध्वस्त की गईं।

कोर्ट ने लुटेरे मोहित को किया भगोड़ा घोषित

28 मार्च को सराफा कारोबारी के कर्मचारी से की थी 6.80 रुपये की लूट, 30 दिन में करना होगा सरेंडर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : विकासनगर सेक्टर-4 में 28 मार्च को सराफा कारोबारी के कर्मचारी से 6.80 लाख रुपये लूट की वारदात को अंजाम देने वाला मुख्य आरोपी फरार है। पुलिस ने कोर्ट से वारंट भी जारी कराया। पर, आरोपी ने न तो कोर्ट में सरेंडर किया और न ही जमानत की अर्जी डाली। इस मामले में अपन मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट चतुर्थ ने आरोपी मोहित यादव को भगोड़ा घोषित कर दिया है। आदेश दिया है कि अगर 30 दिन के अंदर कोर्ट में समर्पण नहीं करता है तो अग्रिक कार्रवाई की जाएगी।

एसओ विकासनगर आलोक कुमार सिंह के मुताबिक सराफा कारोबारी किंकर गुप्ता ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें बताया कि उन्होंने चौक के आनंदी ज्वैलर्स से सोना बुक कराया था। जिसका भुगतान लेने कारोबारी का कार्मचारी अमित सैनी आया था। उसे 6,80,000 रुपये गिनकर दिया। रुपये लेकर जाने के आधे घंटे बाद उनके पास आकर बताया कि सेक्टर-4 स्थित पार्क के पास उसके साथ लूट हो गई। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू की तो प्रयागराज के मऊआइमा थानाक्षेत्र के हरखपुर गांव का रहने वाला मोहित यादव का नाम सामने आया। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए कई बार दबिश दी लेकिन वह हाथ नहीं आया। कोर्ट से वारंट भी जारी कराया, इसके बाद भी उसने समर्पण नहीं किया। इसके बाद एसओ विकासनगर आलोक कुमार सिंह ने मोहित यादव को भगोड़ा घोषित कराने के लिए कोर्ट में अर्जी दी। जिस पर सुनवाई करते हुए अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट चतुर्थ ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 84 का आदेश जारी किया। जिसमें मोहित यादव को भगोड़ा घोषित कर दिया। उसे आदेश जारी होने के 30 दिन के अंदर समर्पण करने को कहा है।

क्या कहती है धारा 84

- भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 84 एक फरार व्यक्ति के लिए उद्घोषणा से संबंधित है। यह उस स्थिति से संबंधित है जब कोई ऐसा व्यक्ति जिसके खिलाफ वारंट जारी किया गया है, अदालत से बचने के लिए भाग जाता है या छिप जाता है। ऐसी स्थिति में, न्यायालय एक लिखित उद्घोषणा जारी कर सकता है जिसमें व्यक्ति को एक विशिष्ट स्थान और समय पर उपस्थित होने का आदेश दिया जाता है।

जीएसटी सहायक आयुक्त के घर से लाखों की चोरी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- गोमतीनगर विस्तार स्थित राप्ती अपार्टमेंट की घटना

अमृत विचार: गोमतीनगर विस्तार स्थित राप्ती अपार्टमेंट निवासी जीएसटी के सहायक आयुक्त के घर से लाखों रुपये की चोरी हो गई। इस मामले में उन्होंने नौकरानी व उसकी बेटी पर संदेह जाहिर किया है। पत्नी ने पूनम वर्मा ने गोमतीनगर विस्तार थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया है।

गोमतीनगर विस्तार स्थित राप्ती अपार्टमेंट में रहने वाले जीएसटी के सहायक आयुक्त गुलाब चंद्र वर्तमान में आगरा में तैनात हैं। इंस्पेक्टर सुधीर अवस्थी ने बताया कि गुलाब चंद्र, पत्नी व बेटे के साथ राप्ती अपार्टमेंट के फ्लैट में रहते हैं। 15 अकटूबर को उनकी पत्नी ने जेवर का बाक्स चेक किया तो उसमें रखी सोने की करधनी व चेन गायब थी। उन्होंने जेवर को पूरे घर में तलाशा पर कुछ पता नहीं चल सका। उनको शक है कि जेवर उनकी नौकरानी रेखा व उसकी बेटी ने चोरी किए हैं। पुलिस ने पूनम की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कला स्रोत आर्ट गैलरी में शुरू हुई 'कल यात्रा' कला प्रदर्शनी

- अमृत विचार, लखनऊ : कला स्रोत आर्ट गैलरी में 'कल यात्रा' ग्रुप की ओर से तीन दिवसीय कला प्रदर्शनी की शुरुआत हुई जो 2 नवंबर तक प्रतिदिन प्रात : 11 बजे से शाम 7 :30 बजे तक आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम का उद्घाटन ललित कला अकादमी के क्षेत्रीय सचिव देवेंद्र त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर प्रसिद्ध कलाकार शकील अहमद भी उपस्थित रहे। इस प्रदर्शनी में देशभर के 15 कलाकारों ने रचनात्मक कृतियों का प्रदर्शन किया है, जिनमें कोलकाता के स्वप्न रॉय, पांडिचेरी के अनवर खान, जयपुर की नीतू आहूजा और अन्य कलाकार शामिल हैं। स्टोन आर्ट, स्टिच आर्ट, ऑयल पेंटिंग, चारकोल और वॉटर कलर जैसी विविध कलाओं के माध्यम से कलाकारों ने अपनी कल्पनाशक्ति और सृजनशीलता को प्रस्तुत किया।

अलीगंज क्षेत्र के कला स्रोत आर्ट गेलरी में प्रदर्शनी में लगे चित्र देखते लोग। अमृत विचार

गठन के तीन वर्ष में एएनटीएफ ने 863 आरोपियों को भेजा जेल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- वर्तमान में आठ आपरेशनल यूनिट सक्रिय, 303 मामले दर्ज

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में एंटी नॉरकोटिक्स टॉस्क फोर्स (एएनटीएफ) का गठन योगी आदित्यनाथ की सरकार ने 4 सितंबर 2022 को किया। पिछले तीन वर्ष के अंदर एएनटीएफ ने 863 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा। वहीं 303 मामले दर्ज किये। वर्तमान में इसकी 8 ऑपरेशनल यूनिट (मेरठ, आगरा, बरेली, कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर) और छह थाने (बाराबंकी, गोरखपुर, मेरठ, सहारनपुर, झांसी, गाजीपुर) सक्रिय हैं।

आईजी कानून-व्यवस्था एलआर कुमार के मुताबिक एएनटीएफ के गठन के बाद से अब तक 303 मुकदमे दर्ज किए गए हैं। 11.67 किलो मारफीन, 54.81 किलो हेरोईन/स्मैक, 201 किलो चरस, 168 किलो अफीम, 15,096 किलो डोडा (पोस्ता), 18,938 किलो गांजा, 5.48 किलो मेफेड्रान, 2.07 किलो कोकीन सहित कुल 34,478 किलो अवैध मादक पदार्थ बरामद किए जा चुके हैं। इसके अलावा 863 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

वहीं 27 प्रकरणों में 30 अभियुक्तों की कुल 4.66 करोड़ रुपये की संपत्तियों को जब्त किया जा चुका है। सभी जिलों एवं कमिश्नरेट में एएनटीएफ के गठन के बाद ड्रग्स डिस्पोजल कमेटी का गठन कराया गया है। वर्ष 2023 में कुल 1,03,247 किलो, वर्ष 2024 में 51,397 किलो और वर्ष 2025 में अब तक कुल 1,06,614 किलो मादक पदार्थों को नष्ट कराया गया है।

दो नई योजनाओं के लिए लैंड पूलिंग पर भी जमीन दे सकेंगे किसान

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

- आवास विकास योजना संख्या 1 और तीन के लिए शुरू करने जा रहा भूमि अधिग्रहण
- कुल 1316 हेक्टेयर की हैं दोनों योजनाएं
- आवास विकास गांवों में कैम्प लगा किसानों को कर रहा जागरूक

अमृत विचार : मोहनलालगंज में पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के पास आवास विकास की दो नई योजनाओं के लिए लैंड पूलिंग पर भी किसान जमीन दे सकेंगे। आवास विकास मोहनलालगंज-गोसाईंगज मार्ग पर योजना संख्या 1 और 3 के लिए भूमि अधिग्रहण करने जा रहा है। ये दोनों योजनाओं कुल 1316 हेक्टेयर की हैं। इसके लिए परिषद ने धारा 28 भी कर दी है। परिषद ने किसानों को योजना में मुआवजे के अलावा लैंड पूलिंग पर भी अपनी जमीन देने का विकल्प दिया है। इसके लिए किसानों को परिषद को सहमति पत्र देना होगा। परिषद के अभियंताओं ने गांवों में शिविर लगाकर किसानों को लैंड पूलिंग पर अपनी जमीन देने के लिए जागरूक करना शुरू कर दिया है।

योजनाओ में 17 गांव की ली जाएगी जमीन

- आवास विकास योजना संख्या एक के लिए 11 गांवों की 836 हेक्टेयर और योजना संख्या तीन के लिए 6 गांवों की 480 हेक्टेयर जमीन लेगा। परिषद ने भूमि अधिग्रहण के लिए किसानों को मुआवजे और लैंड पूलिंग दोनों विकल्प दिए हैं। योजना संख्या एक में कासिमपुर, चांद सराय, हबुवापुर, मोअज्जमनगर , सठवारा, सिद्धपुरा, भटवारा, पहाड़नगर, टिकरिया, कबीरपुर, मगहुवा और बेली गांव की जमीन ली जाएगी। योजना संख्या तीन में ग्राम बेली, शिवलर, सेहरामऊ, पहासा और हबुआपुर गांव की जमीन ली जाएगी।

अब 15 तक किसान दे सकेंगे जमीन

- आवास विकास की मोहनलालगंज में लैंड पूलिंग पर नई जेल रोड योजना के लिए किसान अब 15 नवंबर तक जमीन दे सकेंगे। आवास विकास पिछले महीने लैंड पूलिंग पर जमीन देने वाले किसानों को लगभग 1200 भूखंड आवंटित कर चुका है। अधिकारियों का कहना है कि जो किसान छूट गए थे आवास विकास में आवेदन कर सकते हैं। योजना में लैंड पूलिंग पर अपनी जमीन देने वाले किसानों को आवास विकास 25 प्रतिशत विकसित भूखंड दे रहा है।

संयुक्त निदेशक के घर से 27 लाख का माल साफ

- **अमृत विचार, सरोजनीनगर :** बिजनौर के औरंगाबाद जागीर स्थित रॉयल सिटी निवासी रिटायर्ड संयुक्त निदेशक के बंद मकान का ताला तोड़ चोरों ने 25 लाख रुपये के जेवर व दो लाख रुपये नकदी साफ कर दी। घटना के समय वह पूरे परिवार के साथ देवरिया छठ मनाने गये थे। गुरुवार को वापस आने पर घटना की जानकारी हुई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दिया है। मूलत : देवरिया के सरयां निवासी संजय कुमार सिंह बिजनौर के औरंगाबाद जागीर स्थित रॉयल सिटी के लक्ष्मी इन्कलेव में परिवार सहित रहते हैं। वह 25 अक्टूबर को छठ पर्व के अवसर पर परिवार के साथ अपने गांव सरयां गए थे। 30 अक्टूबर की शाम करीब साढ़े तीन बजे वापस आये तो घर का मेन गेट और अलमारी खुली मिली। अंदर सारा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। पीड़ित के मुताबिक अलमारी में रखे 2 लाख रुपये नकद और करीब 25 लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए। इनमें दो हार, दो कान के सेट, तीन चेन, गणेश और ओम लाकेट, कई अंगूठियां, इयरिंग सेट, कंगन, चूड़ियां और चांदी की पायलें शामिल हैं।

निष्कासन निरस्त, फिर भी नहीं दी जा रही रही ज्वाइनिंग

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- वीरांगना झलकारीबाई अस्पताल से स्टाफ नर्स को निष्कासित करने का मामला

अमृत विचार : सहकर्मी के अभद्र व्यवहार और यौन उत्पीड़न के खिलाफ शिकायत करने पर वीरांगना झलकारीबाई महिला अस्पताल की स्टाफ नर्स को पहले तो अस्पताल प्रशासन ने निष्कासित कर दिया। कहीं सुनवाई न होने पर नर्स ने कोर्ट में याचिका दाखिल की। कोर्ट ने अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिए कि नर्स का निष्कासन गलत है। नर्स का आरोप है कि अस्पताल के आला अफसर उसे रोजाना बुलाकर बिठा देते हैं। घंटों बिठाए रखने के बाद उसे वापस भेज दिया जा रहा है, लेकिन ज्वाइनिंग नहीं कराई जा रही है। सीएमओं ने जांच कराने की बात कही है।

पीड़िता के मुताबिक उसे एनएचएम के जरिए संविदा पर झलकारीबाई में वर्ष 2016 में स्टाफ नर्स के पद पर नौकरी मिली थी। तब से वह नौकरी कर रही थी। पीड़िता का कहना है कि जुलाई 2025 में सहकर्मी के अभद्र व्यवहार और यौन उत्पीड़न की शिकायत अस्पताल के सीएमएस व अन्य अफसरों से की थी, जिसके बाद जांच कमेटी गठित की गई। जांच कमेटी ने पीड़िता को ही दोषी ठहराते हुए निष्कासित कर दिया। स्वास्थ्य विभाग के कई अफसरों से उसने न्याय की गुहार लगाई। कहीं सुनवाई नहीं हुई तो पीड़िता ने इलाहाबाद हाईकोर्ट लखनऊ खंडपीठ में रिट दायर की। कोर्ट ने 17 सितंबर को आदेश पारित कर कहा कि शिकायतकर्ता का कथन आंशिक रूप से सत्य पाया गया है। अतः उन्हें दोषी ठहराना विधि के विपरीत है।

पीड़िता के मुताबिक कोर्ट ने 22 अगस्त 2025 के निष्कासन आदेश को रद्द करते हुए उसे अवैध व अन्यायपूर्ण बताया है। पीड़िता का आरोप है कि कोर्ट के फैसले के बावजूद अस्पताल प्रशासन ने कार्य पर अब तक बहाल नहीं किया गया है। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने कहा कि मामले की जांच करवाएंगे।

नलकूप मिस्त्रियों की पदोन्नति लंबित

अमृत विचार, लखनऊः राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश के महामंत्री अतुल मिश्रा ने मुख्य सचिव व प्रमुख सचिव (कार्मिक) को पत्र लिखकर सिंचाई विभाग में कार्यरत नलकूप मिस्त्रियों की पदोन्नति अवर अभियंता (यां) पद पर जल्द किए जाने की मांग की है। उन्होंने बताया कि विभागीय परीक्षा फरवरी 2021 में आयोजित की गई थी। जिसमें 439 अभ्यर्थी सफल हुए थे, लेकिन अब तक पदोन्नति प्रक्रिया लंबित है।

बच्चे को इलाज न मिलने के आरोपों की जांच शुरू

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- शासन के निर्देश पर लोकबंधु अस्पताल में खंगाले गए कैमरे

अमृत विचार : निमोनिया पीड़ित 11 साल के बच्चे की मौत के मामले में पिता द्वारा लगाए गए लापरवाही के आरोपों का संज्ञान मुख्यमंत्री कार्यालय से लिया गया है। जांच के आदेश जारी होने के बाद लोकबंधु प्रशासन ने अस्पताल के अंदर लगे सीसीटीवीकी फुटेज खंगाली। इसमें दिखा है कि बच्चे को भर्ती कर इलाज दिया गया था। हालत नाजुक होने पर एंबुलेंस से उसे केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर के लिए रेफर किया गया था।

कानपुर रोड अमौसी एयरपोर्ट के पास रहने वाले शिवा के बेटे कान्हा की समय से मुक्कमल इलाज न मिलने पर केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर में गुरुवार को मौत हो गई थी। शिवा ने आरोप लगाया था कि लोकबंधु अस्पताल में उनके बेटे को सही इलाज नहीं दिया गया। आईसीयू होने के बाद भी वहां भर्ती नहीं किया गया। बल्कि उन्हें केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर भेज दिया गया। ट्रॉमा में पर्चा बनवाने से इलाज मिलने तक काफी समय लग गया, जिससे वेंटिलेटर पर इलाज शुरू होते ही कान्हा की सांसें थम गईं। यह मामला समाचार पत्रों में प्रकाशित होने पर मुख्यमंत्री कार्यालय से इसका संज्ञान लिया गया।

लोकबंधु के एमएस डॉ. अजय शंकर त्रिपाठी ने बताया कि शुक्रवार को सीसीटीवी फुटेज खंगाला गया तो पता चला कि कान्हा को गुरुवार सुबह करीब छह बजे अस्पताल में भर्ती कर इलाज दिया गया। जब उसकी हालत बिगड़ने लगी तो मौजूद डॉक्टर ने कान्हा को दोपहर करीब एक बजे केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर के लिए रेफर किया था।

जच्चा-बच्चा की मौत मामले में जांच शुरू

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः बिजनौर क्षेत्र के निजी अस्पताल में प्रसव के बाद हुई जच्चा-बच्चा की मौत मामले में स्वास्थ्य विभाग ने जांच कमेटी गठित किया है। तीन सदस्यीय कमेटी ने अस्पताल को नोटिस जारी करके इलाज से जुड़े रिकार्ड तलब किया है।

कमेटी का कहना है सभी बिंदुओं की जांच करके आगे की कार्रवाई होगी। वहीं घटना के बाद से अस्पताल संचालक व स्टाफ अस्पताल बंद कर फरार हैं। कानपुर रोड स्थित एलडीए कॉलोनी के पराग रोड स्वरूपचंद्र खेड़ा निवासी बेचालाल ने पत्नी ममता (30) को प्रसव पीड़ा होने पर बिजनौर के बलवंतखेड़ा स्थित सीमा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। शिकायत में बताया गया है कि अस्पताल में भर्ती करते समय डॉक्टर ने 32 हजार रुपये जमा कराए और ऑपरेशन के लिए चार बोतल खून मांगा।

सिटी डायरी

कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ गीतामानस सम्मेलन

काकोरी में निकाली गई कलश यात्रा में शामिल लोग।

अमृत विचार, काकोरी : नगर पंचायत काकोरी में कलश यात्रा के साथ सप्त दिवसीय श्री गीता मानस सम्मेलन की शुरुआत हुई। शीतला माता मंदिर प्रांगण में यह आयोजन किया जा रहा है। इसमें सैकड़ों भक्तों ने कटरा बाजार के भुईयां माता मंदिर से शीतला मंदिर तक कलश यात्रा निकाली। राम दयालु दोसर वैश्य स्मारक ट्रस्ट द्वारा 60वें श्री गीता मानस सम्मेलन में राम कथा का आयोजन किया जा रहा है। सम्मलेन में कथा वाचन वृंदावन धाम के कथा व्यास गोविंद कृष्ण पांडे करेंगे। प्रबंधक रमाकांत गुप्त ने बताया कि यह कार्यक्रम 59 वर्षों से निरंतर आयोजित हो रहा है। आयोजन के दौरान मुख्य रूप से मंदिर के पुजारी लालता प्रसाद बाजपेई, विष्णु कांत गुप्त, अमर कांत गुप्त, आचार्य विवेक, सदाशिव बाजपेई, सर्वेश द्विवेदी व भक्तगण उपथित रहे।

भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते लोग।

सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के समापर पर हुआ भंडारा

अमृत विचार, निगोहा : कनकहा में धार्मिक उत्साह के बीच सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा सहित अनुष्ठान व भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान गांव सहित आसपास के श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजक व मुख्य यजमान डॉ. गिरजा शंकर मिश्रा ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा की शुरुआत 24 अक्टूबर को हुई थी। ज्ञान यज्ञ कथा का समापन 31 अक्टूबर को हुआ। कथा समापन के बाद पूजन हवन कर शुक्रवार को ब्रह्मभोज भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें गांव के अलावा दूरदराज से आए श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम में मौजूद डॉक्टर आयोजक और मरीज।

टीबी मरीजों को बांटी पौष्टिक पोटली

अमृत विचार, सरोजनीनगर : प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सरोजनी नगर में गुरुवार को अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला समिति की ओर से 25 टीबी मरीजों को पौष्टिक पोटली बांटी गई। शुरुआत केजीएमयू के एसपीएम विभाग की अध्यक्ष प्रो . डॉ. मोनिका अग्रवाल ने की। समिति की पदाधिकारियों ने टीबी रोगियों को 'निश्चय मित्र' के रूप में पौष्टिक आहार सामग्री की पोटलियां दीं। समिति की प्रांतीय अध्यक्ष रेखा लाठ, राष्ट्रीय अध्यक्ष अंजू सरावगी, राष्ट्रीय सचिव निशा मोदी, प्रांतीय कोषाध्यक्ष मधु लाठ, प्रांतीय उपाध्यक्ष शालिनी सिंघल, प्रांतीय सचिव अनुराधा बंसल, शाखा अध्यक्ष मोनिका अग्रवाल, शाखा उपाध्यक्ष अनुराधा अग्रवाल मौजूद रहीं।

वन दरोगा का सम्मानित करती प्रधान मुख्य वन संरक्षक डॉ रेनू सिंह। अमृत विचार

टाइगर ऑपरेशन में वन दरोगा मुकद्दर अली सम्मानित

अमृत विचार, माल : माल क्षेत्र के वन दरोगा मुकद्दर अली को टाइगर ऑपरेशन में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया है। बीते कुछ महीनों पूर्व क्षेत्र में टाइगर के आतंक से ग्रामीण दहशत में जी रहे थे। बच्चों का स्कूल जाना तक दूभर हो गया था। वन विभाग द्वारा चलाए गए टाइगर ऑपरेशन में उत्कृष्ट कार्य के लिए अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक/मुख्य वन संरक्षक डॉ रेनू सिंह द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर मुकद्दर अली को सम्मानित किया।

जागरूक किया

बागों की वैज्ञानिक कटाई-छंटाई के कार्य का शुभारंभ

कवच संरक्षण प्लान से होगी बागों की देखभाल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- कवच संरक्षण प्लान ऑर्चर्ड लॉग का भी हुआ विमोचन

अमृत विचार : आम के बागों की देखभाल ''कवच संरक्षण प्लान" करेगा। बागों की वैज्ञानिक विधि से कटाई-छंटाई की जाएगी। शुक्रवार को काकोरी अंतर्गत अंधे की चौकी रोड पर मुख्य अतिथि व केंद्रीय उपोषण बागवानी संस्थान के निदेशक डॉ. टी दामोदरन ने शुभारंभ किया।

इस दौरान कवच संरक्षण प्लान ऑर्चर्ड लॉग का भी विमोचन किया। कार्यक्रम का संचालन अवध आम उत्पादक एवं बागवानी समिति के महासचिव उपेंद्र कुमार सिंह ने किया। मेटा एग्रो और अवध आम उत्पादक एवं बागवानी समिति द्वारा आम के बागों की देखभाल और उत्पादकता में सुधार के लिए कवच संरक्षण प्लान की जानकारी बागवानों को दी गई।

कवच संरक्षण प्लान ऑर्चर्ड लॉग का विमोचन करते अधिकारी व पदाधिकारी।

मेटा एग्रीटेक के संस्थापक मयंक सिंह और सुजीत सिंह ने इस पहल का नेतृत्व किया। बताया कि कवच संरक्षण प्लान के तहत वैज्ञानिक तरीके से बागों की कटाई-छंटाई, पोषण और कीट प्रबंधन किस प्रकार किया जाएगा यह बताया गया है। हर बाग का ऑर्चर्ड लॉग बुक, पेड़ों की जियो टैगिंग और डिजिटल मैपिंग के बारे की जानकारी व प्रयोग करना दर्शाया है। इसका उद्देश्य किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ना और उनकी आय बढ़ाने में मदद करना है। इस दौरान निदेशक डॉ. टी दामोदरन ने तकनीकी सहयोग प्रदान करने की बात कही। कवच संरक्षण प्लान ऑर्चर्ड लॉग का भी विमोचन किया।

न्यूज ब्रीफ

एसओ ने छात्र- छात्राओं को किया जागरूक

अमृत विचार, उन्नाव : एसपी के निर्देश पर थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र कुमार ने मिशन शक्ति टीम के साथ शुक्रवार को कस्बा के रामकुमारी छोटेलाल इंटर कालेज में बच्चों को नए आपराधिक कानूनों के प्रति जागरूकता अभियान 2 के तहत जानकारियां दीं। जिसमें उन्होंने जीरो एफआईआर, ई एफआईआर, समयबद्ध न्याय, महिला एवं बाल संरक्षण के प्राविधान, नए अपराध, प्रौद्योगिकी व फोरेंसिक के उपयोग से संबंधित प्राविधान के बारे में बताया। इस दौरान कृपाशंकर मिश्रा, असगर अली, गोलू आदि रहे।

भीष्म पितामह पाठ द्रौपदी व उत्तरा का सुनाया प्रसंग

अमृत विचार, उन्नाव : स्थानीय परियर घाट के गंगातट पर चल रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ पूज्य महान संत गरिया स्वामी जी बंशी वाले स्वामी जी की प्रेरणा से शुक्रवार को तीसरे दिन की कथा भीष्म पितामह पाठ, द्रोपदी-उत्तरा का प्रसंग मंचासीन पूज्य संत दंडी स्वामी की उपस्थिति में संतों का प्रसंग मां गंगे के प्रसंग पर कथा हुई। व्यास पंडित विनोद तिवारी माधोगंज हरदोई ने अपनी सरस वाणी से श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। आज की कथा मुख्य यजमान शरदवीर सिंह (गुड्डू सिंह) माखी सपरिवार व पूज्य संत ब्रह्मचारी जी महाराज के संयोजन के साथ संपन्न हुई। इस दौरान दिनेश द्विवेदी मरौंदा, राजकुमार तिवारी हमीरपुर, प्रेम शंकर त्रिवेदी परेदा, लालजी लखनऊ, अशोक कुमार अवस्थी सपरिवार अमोईया, राधेश्याम, राजू पांडे नरहरपुर, राजा प्रताप सिंह उन्नाव आदि उपस्थित रहे।

पत्नी को पीटकर जिंदा जलाने का प्रयास, डायल 112 ने बचाया

अमृत विचार, हरदोई : थाना क्षेत्र के गांव निवासी युवक पर अतिरिक्त दहेज के लिए अपनी पत्नी को प्रताड़ित करने व जलाकर मारने के प्रयास का आरोप लगा है। गुरुवार सुबह महिला पिटाई के बाद जलाकर मारने का प्रयास किया गया। पड़ोसियों की सूचना पर डायल 112 ने महिला को बचाया।

थाना क्षेत्र के कुंदरौली गांव निवासी दिनेश की शादी एक वर्ष पूर्व आर्य समाज मंदिर में रीता से हुई थी। शादी के बाद से ही ससुरालीजन दहेज में 50 हजार की नगदी और मोटरसाइकिल की मांग करते थे। गुरुवार को रीता की जमकर पिटाई की गई और उसे जलाकर मार डालने का प्रयास किया गया। चीख पुकार सुनकर मौके पर दौड़े पड़ोसियों ने मामले की जानकारी डायल 112 पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस पीड़िता को थाने लाई, जहां पर शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने पति दिनेश, ससुर भगवान दीन, सास नन्ही देवी व देवर अनुज के विरुद्ध दहेज प्रताड़ना के आरोप में मुकदमा दर्ज कर घायल को डाक्टरी परीक्षण कराया। इसके बाद डॉक्टर ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

हिस्सा न मिलने पर बेटे ने की थी पिता की हत्या, गिरफ्तार

संवाददाता, शाहाबाद/हरदोई

- आरोपी बेटे संग साथी भी गिरफ्तार, वारदात में शामिल बाल अपचारी हिरासत में

अमृत विचार : खेत बेचकर मिले पैसों में हिस्सा न मिलने के कारण बेटे ने अपने पिता की हत्या कर दी, वारदात को चोरी का रंग देकर कोतवाली में गांव के ही कुछ लोगों को नामजद करते हुए रिपोर्ट भी दर्ज करा दी। शाहाबाद कोतवाली पुलिस ने जांच-पड़ताल कर 27 दिन बाद घटना का खुलासा कर दिया। हत्यारे बेटे उसके साथी और एक बाल अपचारी को गिरफ्तार किया गया।

3 और 4 अक्टूबर की रात आगमपुर तिराहा पर होटल रखने वाले राम सुरेश (65) खेत में खून से लथपथ पाए गए थे। सुबह उनके बेटे विवेक ने दुकान विवाद के चलते कुरसेली गांव के कुछ लोगों पर आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई थी। राम सुमेर को गंभीर हालत में प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज हरदोई रेफर कर दिया गया, जहां 5 अक्टूबर को इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने घटना संदिग्ध होने की वजह से बारीकी से जांच शुरू की और विवेक पर नजर रखी। शुक्रवार को

गिरफ्तार किए गए हत्यारोपी।

पुलिस ने घटना का खुलासा करते हुए विवेक पुत्र राम सुरेश, अमन पुत्र बहोरन एवं एक बाल अपचारी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस की पूछताछ में विवेक ने बताया पिता राम सुरेश ने कुछ खेत बेचा था, जिसके पैसे मांगने पर वह गाली-गलौज करते थे और बड़ी बहू को पैसे देना चाहते थे। जिससे विवेक काफी नाराज था। पैसे के लालच में उसने अमन के साथ मिलकर योजना बनाई और रात में लोहे की सरिया और डंडों से पीटकर पिता को लहूलुहान करके धान के खेत में फेंक दिया। इसके बाद पड़ोस की ही एक दुकान के तालों को सरिया डालकर तोड़ दिया ताकि चोरी की घटना मानी जाए। विवेक खुद अपने भाड़ा वाहन से पिता को लेकर सीएचसी पहुंचा था।

अमृत विचार EXPOSE

प्रभारी निरीक्षक आनंद नारायण त्रिपाठी ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में ही विवेक पर शक हो गया था, इसीलिए जांच के साथ उस पर भी नजर रखी जा रही थी। संदेह पुख्ता होने पर विवेक को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उसने जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने विवेक कुमार और अमन को जेल भेज दिया है जबकि बाल अपचारी हिरासत में है। विवेक और उसके साथी के पास से 1 लाख 60 हजार रुपए की नगदी, मृतक का मोबाइल बरामद हुआ।

बेमौसम बारिश से टूटी किसानों की कमर

फसल बचाने को कर रहे रतजगा, खेत में पड़े धान को तिरपाल से ढक कर बचाने का प्रयास

संवाददाता, उन्नाव

धान के पैरा के बंडल पानी से बाहर करता सर्वेश। ● अमृत विचार

खेत में पड़ी फसल बारिश से बचाने के लिए तिरपाल डालता श्यामलाल। ● अमृत विचार

अमृत विचार : चार दिन से हो रही बारिश व हवाएं चलने से धान व आलू किसानों को नुकसान का डर सता रहा है। किसान अपनी फसल बचाने के लिए रात-दिन खेतों में तिरपाल डालकर कटी फसल को ताक रहे हैं।

चार दिनों से हो रही बारिश से धान की फसलें जहां गिर गई हैं तो कुछ फसलों को कंपाउंड मशीन से काट लिया गया लेकिन, खेतों में ट्रैक्टर फंसने के डर से कटी फसल भी भीग गई। किसान तिरपाल डालकर कटी फसल बचाने का प्रयास कर रहे हैं। गांव सरांय निवासी श्यामलाल ने बताया कि बारिश से करीब 6 बीघा धान कंपाउंड मशीन से कटाया था लेकिन, ट्रैक्टर न मिलने से कटी फसल में खेत में पड़ी है। जिस पर तिरपाल डालकर रात दिन उसे ताकने को मजबूर हैं। फतेहपुर चौरासी निवासी सर्वेश बाजपेई ने बताया कि खेतों में धान की फसल बारिश के पहले कटाई गई थी। जब तक धान पूरी तरह सूखता बारिश होने लगी।

अब खेत में पड़े धान के बंडल पानी में उतरा रहे हैं जिन्हें सुखाया जा रहा है। किसान राधेश्याम राजपूत ने बताया कि धान तो किसी तरह खेतों से उठाकर घर ले आए हैं लेकिन धान भीगने से उसमें कालापन आ रहा है और आलू के खेतों में भी पानी भरा है।

बांगरमऊ-शिवराजपुर मार्ग के चौड़ीकरण की मांग

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार : प्रमुख समाजसेवी देवेंद्र प्रताप सिंह ने लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव को पत्र भेजकर बांगरमऊ से कानपुर के कस्बा शिवराजपुर को जोड़ने वाले मार्ग के चौड़ीकरण की मांग की है।

प्रमुख सचिव को प्रेषित पत्र में उन्होंने कहा कि उन्नाव के कस्बा बांगरमऊ से कानपुर के कस्बा शिवराजपुर पुल को जोड़ने वाले मार्ग की लंबाई 20 किमी है। जिसमें बांगरमऊ से बरुआ घाट रोड के 9 किमी मार्ग का चौड़ीकरण हो चुका है। शेष 11 किमी मार्ग सिंगल होकर शिवराजपुर के पुल तक जाता है। यदि लोक निर्माण विभाग इस 11 किमी मार्ग का चौड़ीकरण करा दे तो बांगरमऊ से कानपुर जाने में 25 किलोमीटर की दूरी कम तय करनी होगी। जिससे कटरी वासी अपना अनाज व सब्जी बेचने और बच्चों व नवयुवकों को भी शिक्षा के लिए कम दूरी के चलते कानपुर जाना आसान होगा। इसके साथ रोज नौकरी पेशा वाले लोगों को भी काफी राहत मिलेगी। पत्र में कहा गया कि हरदोई, शाहजहांपुर, बरेली के लोग भी इस रोड का उपयोग कर सकेंगे। कम दूरी तय करने से आम लोगों को भी आर्थिक लाभ होगा। पत्र में लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव से जनहित में अति शीघ्र मार्ग के चौड़ीकरण की मांग की गई है।

मायके में बिगड़ी महिला की तबीयत अस्पताल में मौत, दामाद पर आरोप

संवाददाता, हरदोई

- मृतका के पिता ने कुछ दिन पहले दामाद की पिटाई से गंभीर रूप से घायल होने का लगाया आरोप
- भैया दूज पर मायके आई थी महिला, वहीं खराब हुई थी तबीयत

अमृत विचार : भैया दूज से मायके में रह रही युवती की हालत बिगड़ गई, पहले मेडिकल कॉलेज, उसके बाद नर्सिंग होम पहुंचाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पिता का आरोप है कि शराब के लिए पैसे न देने पर दामाद की पिटाई से उसकी बेटी का कंधा टूट गया था, साथ ही दहेज के लिए आए दिन पिटाई करता रहता था। उसी के चलते मौत हुई। पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में लेते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया है, मामले की जांच की जा रही है।

बेहटा गोकुल थाने के पनेउरा बिल्हैया निवासी विद्यासागर ने 21 वर्षीय पुत्री माधुरी की शादी कोतवाली शहर के भिठारी निवासी सोनकर के साथ इसी साल 17 मई को की थी। सोनकर दिल्ली में नौकरी करता है, वह दीपावली पर घर आया हुआ था। 23 अक्टूबर भैया दूज के दिन सोनकर माधुरी को उसके मायके ले गया और वहीं छोड़ आया था।

25 अक्टूबर को माधुरी की तबियत बिगड़ गई, पिता विद्यासागर और ताऊ रामसागर उसे मेडिकल कालेज ले गए, फिर उसके दूसरे दिन 27 अक्टूबर व 30 अक्टूबर को भी वहीं से दवा ली गई। गुरुवार को उसे शहर के छोटा चौराहे पर एक नर्सिंग होम में दिखाया गया। वहां इलाज शुरु होने से पहले ही माधुरी की मौत हो गई। बेटी की मौत पर उसके पिता ने आरोप लगाया कि दामाद सोनकर ने उसकी बेटी से शराब के लिए पैसे मांगे, न देने पर पिटाई कर उसका कंधा तोड़ दिया, साथ ही धमकाया कि अगर कहीं बताया तो अंजाम बुरा होगा। विद्यासागर का आरोप है कि दहेज़ की मांग के चलते उसकी बेटी की इए दिन पिटाई होती थी। पुलिस ने आरोपी दामाद सोनकर को हिरासत में लेते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया है, कहा है कि रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सरदार पटेल के जीवन से युवा पीढ़ी प्रेरणा लेः अरविंद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया

अमृत विचार : सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में अपर निदेशक अरविंद कुमार मिश्र ने कहा कि सरदार पटेल ने जिस दृढ़ इच्छाशक्ति, अदम्य साहस और दूरदृष्टि के साथ देश की 562 रियासतों का भारतीय गणराज्य में एकीकरण किया, वह भारत के इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। सरदार पटेल का जीवन त्याग, निष्ठा और राष्ट्रनिष्ठा का प्रतीक है, जिनसे आज की पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए।

अपर निदेशक, शुक्रवार को सूचना विभाग मुख्यालय में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मना रहे थे। पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सरदार पटेल श्रद्धांजलि अर्पित की और निदेशक सूचना के निर्देशन में देश की एकता, अखंडता तथा सुरक्षा को बनाए रखने की शपथ ली। इस अवसर पर वित्त एवं लेखा अधिकारी संजय कुमार सिंह, सहायक निदेशक सतीश भारती, जितेंद्र प्रताप सिंह, चंद्र मोहन, चंद्र विजय वर्मा, सीएल सिंह सहित विभाग के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

लखनऊ स्थित रालोद के प्रदेश कार्यालय में लौह पुरुष सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते रालोद के पदाधिकारी।

सरदार पटेल भारत की अखंडता के महान शिल्पी थे : दुबे

अमृत विचार, लखनऊ : रालोद के राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे ने कहा कि सरदार पटेल केवल स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानी नहीं, बल्कि भारत की एकता और अखंडता के महान शिल्पी थे। पटेल ने जिस अदम्य संकल्प और राजनीतिक सूझबूझ से सैकड़ों रियासतों को एक सूत्र में पिरोया, वह भारतीय इतिहास का अनुपम उदाहरण है।

राष्ट्रीय महासचिव, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर शुक्रवार को रालोद प्रदेश कार्यालय में श्रद्धांजलि करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज जब देश में विभाजनकारी प्रवृत्तियां और नफरत की राजनीति बढ़ रही हैं, तब हमें सरदार पटेल के आदर्शों की और अधिक आवश्यकता है। प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने कहा, रालोद का हर कार्यकर्ता पटेल की भावना के अनुरूप गांव, किसान और समाज के उत्थान के लिए समर्पित रहेगा।

ट्रैक्टर-ट्राली से कुचलकर बच्ची की मौत

संवाददाता, उन्नाव

हादसे के बाद ग्रामीणों से जानकारी लेते पुलिस कर्मी व रंजना की फाइल फोटो (इनसेट में)।

अमृत विचार : थानाक्षेत्र के गांव पखरापुर निवासी शत्रुघ्न की बेटी रंजना (4) घर के बाहर खेल रही थी। गांव का अनुज ट्रैक्टर बैक कर रहा था तभी रंजना ट्रैक्टर-ट्राली की चपेट में आकर गंभीर घायल हो गई। गांव वालों की सूचना पर पहुंचे पीआरवी सिपाही आनन-फानन उसे सीएचसी लाए। जहां डाक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। एम्बुलेंस से ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। इस पर परिजन उसे घर ले आए। बच्ची का पिता शत्रुघ्न दिल्ली में मजदूरी करता है।

दादी रामकली ने बताया कि घर पर सभी खेल रहे थे। वह पेंशन निकालने बैंक गई थी। उसकी मां की आठ माह पूर्व मौत हो गई थी। रंजना व उसकी तीन और बहनें सौम्या, शबनम व रूही उसके और अपने चाचा विष्णु के साथ रहती थी। रंजना की मौत से परिजन रो-रोकर बेहाल हैं। प्रभारी निरीक्षक ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि चाचा विष्णु कुमार की तहरीर पर ट्रैक्टर चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

शराब पीकर घर लौटे युवक का कमरे में लटका मिला शव

अमृत विचार, उन्नाव : घर की ऊपरी मंजिल में बने कमरे का दरवाजा बंद कर युवक ने फंदे से लटककर जान दे दी। दरवाजा तोड़कर कमरे में पहुंची पुलिस ने शव नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम कराया।

पुरवा कोतवाली क्षेत्र के चमियानी गांव के मजरा अगनुवां खेड़ा निवासी राजेश उर्फ मटरू (42) पुत्र स्व. दुलारे मजदूरी करता था। वह शराब पीने का लती था। चर्चा रही कि इससे घर में अक्सर विवाद होता था। गुरुवार रात वह शराब पीकर घर लौटा था। इसके बाद वह घर के ऊपरी मंजिल में बने कमरे में चला गया और दरवाजा बंद कर दुपट्टे का फंदा बना कर छत के कुंडे से लटक गया। परिजनों की सूचना पर दरोगा मुस्तकीम ने जांच कर फोरेंसिक टीम बुलाई। साक्ष्य संकलन के बाद शव म्यूर्चरी भेजा गया। पति की मौत से पत्नी केशकली रो-रोकर बेहाल रही। वहीं वृद्ध मां जनाका भी बेटे की मौत से बदहवास है। चचेरे भाई राम मूरत ने बताया कि राजेश के तीन बेटियों में आंचल, काजल व अर्पिता हैं। कोतवाली प्रभारी अमरनाथ यादव ने बताया कि युवक की आत्महत्या करने की सूचना परिजनों ने दी थी। जांच कराकर शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। परिजनों का कोई आरोप नहीं है।

रन फॉर यूनिटी में खंड विकास अधिकारी दीप शिखा वर्मा के साथ खड़े कर्मचारी।

रन फॉर यूनिटी का किया गया आयोजन

अमृत विचार, उन्नाव : विकासखंड औरास व थाना परिसर में रन फॉर यूनिटी का आयोजन हुआ। इसमें थाना प्रभारी निरीक्षक ज्ञानेंद्र सिंह ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर पैदल यात्रा स्टॉफ के साथ की। बताया कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जा रहा है। इस मौके पर क्षेत्र के विभिन्न मार्गों पर रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। ब्लॉक परिसर में भी खंड विकास अधिकारी दीपसिखा वर्मा ने कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई और सरदार पटेल के योगदान को याद किया। पुलिस समेत विभागीय अधिकारियों ने व स्कूली बच्चों ने भी रन फॉर यूनिटी में बढ़-चढ़कर भाग लिया और एकता का संदेश दिया।

राहत ग्रामीणों को नहीं लगाने होंगे जिला मुख्यालय के चक्कर

अब बांगरमऊ में शुरू होगा ग्राम न्यायालय

संवाददाता, उन्नाव

एडवोकेट फारुक अहमद।

अमृत विचार : 11 साल की लंबी लड़ाई के बाद आखिर समाजसेवी फारुक अहमद की मेहनत रंग लाई। अब छोटे-छोटे मामलों को लेकर जिला मुख्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा बांगरमऊ में ग्राम न्यायालय की स्थापना करने के साथ आकांक्षा अवस्थी को न्यायाधिकारी नियुक्त कर दिया गया है।

मालूम हो कि क्षेत्र के गांव इस्माइलपुर आम्बापारा (कुर्मिनखेड़ा) निवासी हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता, यश भारती से सम्मानित फारुक अहमद ने बांगरमऊ में ग्राम न्यायालय की स्थापना किए जाने हेतु मार्च-2014 में एक जनहित याचिका उच्च न्यायालय खंडपीठ लखनऊ में दायर की थी। उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में 9 मई 2019 को उत्तर प्रदेश सरकार ने निर्णय लिया था कि बांगरमऊ में ग्राम न्यायालय की स्थापना की जाएगी। जल्द ही सिविल जज व अन्य स्टाफ के पद भी स्वीकृत कर दिए गए। 25 फरवरी 2022 को सरकार ने बांगरमऊ में ग्राम न्यायालय की स्थापना हेतु जरूरी धनराशि स्वीकृत की थी। इसके बाद सरकार ने उच्च न्यायालय को जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान बताया था कि सब कुछ तैयार हो चुका है और जल्द ही ग्राम न्यायालय की शुरुआत कर दी जाएगी। जिस पर विश्वास करते हुए 23 मार्च 2022 को उच्च न्यायालय ने फारुक अहमद एडवोकेट की जनहित याचिका को निस्तारित कर दिया था। लेकिन फिर भी बांगरमऊ में ग्राम न्यायालय संचालित नहीं हो सका। तब एडवोकेट ने 13 फरवरी 2024 को उच्च न्यायालय इलाहाबाद के मुख्य न्यायाधीश को संबोधित एक पत्र दिया था कि बांगरमऊ में जल्द ग्राम न्यायालय संचालित करया जाए। अन्यथा वह पुनः उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर करेंगे।

पत्र की प्रति उच्च न्यायालय इलाहाबाद के रजिस्टार जनरल उत्तर प्रदेश सरकार के प्रमुख सचिव विधि एवं न्याय, जिला जज उन्नाव व जिलाधिकारी उन्नाव को भी कार्यवाही हेतु प्रेषित की गई थी। पत्र को संज्ञान लेकर इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 30 अक्टूबर 2025 के जारी आदेश में ग्राम न्यायालय स्थापित करते हुए न्यायाधिकारी के रूप में आकांक्षा अवस्थी को नियुक्त किया है। इसकी सूचना मिलते ही नगर व क्षेत्र वासियों में खुशी की लहर दौड़ गई। सभी फारुक अहमद एडवोकेट को धन्यवाद दे रहे हैं।

डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, साथी घायल

अमृत विचार, हरदोई : बहनोई के ताऊ के अंतिम संस्कार से वापस लौट रहे बाइक सवार को डंपर ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई और दोस्त घायल हो गया, जिसे मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस डंपर की तलाश में जुटी है।

शाहाबाद कोतवाली के बरौनियां निवासी 35 वर्षीय जितेंद्र कुमार गुरुवार को अपने बहनोई अरुन कुमार के ताऊ का निधन होने पर उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए गांव निवासी अपने दोस्त विजय कुमार (25) के साथ कोतवाली देहात के नयागांव आया था, वहीं से शाम को बाइक से घर जा रहा था, उसी बीच हरदोई-शाहजहांपुर रोड हाई-वे पर बेहटा गोकुल थाने के यासीनपुर ईंट-भट्ठे के पास मिट्टी से लदे डंपर ने बाइक में टक्कर मार दी, जिसमें जितेंद्र की वहीं मौत हो गई और बाइक चला रहा उसका दोस्त विजय कुमार बुरी तरह से घायल हो गया। हादसा होते ही ड्राइवर डंपर लेकर भाग निकला। जितेंद्र गांव में परचून की दुकान चलाता था, उसके परिवार में पत्नी खुशबू के अलावा दो बेटे अवनीत, अमरजीत और एक बेटी अनन्या है। पुलिस डंपर की तलाश में जुटी है।

शिविर में प्रमाण पत्र के साथ रक्तदाता। ● अमृत विचार

जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

अमृत विचार, हरदोई : मिशन आत्मसंतुष्टि के संचालक, समाजसेवी राजवर्धन सिंह 'राजू' के जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर उनके समर्थकों शुक्रवार को इसे 'जनकल्याण एवं सेवा दिवस' के रूप में मनाया। इस मौके पर जिला अस्पताल में उनके सहायक आमिर मन्सूरी की अगुवाई में 'रक्तदान शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में संस्था के कार्यकर्ताओं और युवाओं ने रक्तदान किया। जन्मदिन की पूर्व संध्या पर राजवर्धन सिंह की लंबी आयु के लिए प्रार्थना की गई। इस अवसर पर मुख्य रूप से इंद्रेश सिंह, अनूप सिंह, अरविंद सिंह आर्यन अवस्थी, शिवम सिंह भोला, शिवम बाजपेई, अभिषेक तिवारी, पप्पू मौजदू रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में अधेड़ की मौत, हत्या का आरोप

अमृत विचार, हरदोई : कोतवाली क्षेत्र के पलिया गांव में दुकान बंद कर घर जा रहा बर्तन विक्रेता संदिग्ध परिस्थितियों में रास्ते में घायल पड़ा मिला। अस्पताल में उसकी मौत हो गई। कोतवाली क्षेत्र के पलिया गांव निवासी इंद्रपाल उर्फ भूरा (58) की गांव में ही पलिया चौराहे पर बर्तन की दुकान है। शुक्रवार की देर शाम दुकान बंद कर पैदल घर जा रहा था, तभी एक इंटर कॉलेज के सामने वह लहूलुहान पड़ा मिला। परिजन उसे हरपालपुर सीएचसी लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया है। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है।

न्यूज ब्रीफ

सिद्धधाम महोत्सव का आयोजन आज

मुसाफिरखाना (अमेठी): क्षेत्र के श्री सिद्धधाम हनुमानगढ़ी मंदिर तिवारीपुर कस्थुनी पूरब में 1 व 2 नवंबर को विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी श्री सिद्धधाम महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। मंदिर के महंथ गंगा प्रसाद पाण्डेय ने बताया कि शनि वार 1 नवंबर को प्रात: 7 बजे से श्री गणपति अथर्व शीर्षपाठ व यज्ञ आरंभ होगा व 2 नवंबर रविवार को पूर्णहुति होगी। इसके साथ साथ 1 व 2 नवंबर को रात्रि 7 से 11 बजे तक उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग के कलाकारों नीतीश कुमार एवं साथी के दल द्वारा सुमधुर भजन संध्या कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है। मेला व्यवस्थापक ओम प्रकाश पाण्डेय ने बताया कि इस महोत्सव में बड़ी दूर दूर से श्रद्धालु आते हैं और कार्यक्रम बड़े दिव्य एवं भव्य तरीके से मनाया जाता है। इस मौके पर संजय पाण्डेय, ज्ञान प्रकाश पाण्डेय, विजय प्रकाश पाण्डेय, मनोज पाण्डेय तथा ऋतुराज पाण्डेय सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ताओं के द्वारा कार्यक्रम संपन्न होगा।

25 फीट गहरी खाई में गिरा अनियंत्रित ट्रेलर

अमेठी: जायस–सालोन रोड पर लोहिया पुल के पास गुरुवार देर रात एक बड़ा सड़क हादसा होते–होते टल गया। सामने से आ रही गाड़ी को बचाने के प्रयास में एक अनियंत्रित ट्राला (ट्रेलर) करीब 25 फीट गहरी खाई में जा गिरा। यह घटना देर रात करीब 10 बजे हुई। ड्राइवर ने बताया कि वह खाली ट्राला लेकर घर जा रहा था। लोहिया पुल के पास अचानक मोड़ पर सामने से आती गाड़ी को बचाने के प्रयास में उसने संतुलन खो दिया और ट्रेलर सीधे खाई में गिर गया। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर राहगीरों की भारी भीड़ जमा हो गई। लोगों ने तुरंत डायल–100 पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम के मौके पर पहुंचने से पहले ही स्थानीय लोगों ने बचाव कार्य शुरू कर दिया था। पुलिस और स्थानीय लोगों के तत्काल प्रयासों की मदद से ट्रेलर में फंसे ड्राइवर और कंडक्टर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

गुण्डा एक्ट के तहत अभियुक्त जिला बदर

अमेठी: आतंक व भय फैलाने वाले अपराधियों पर अपर जिला मजिस्ट्रेट (वि/रा), अर्पित गुप्ता ने कड़ा रुख अपनाया है। गुण्डा नियंत्रण अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुए, उन्होंने एक अभियुक्त को 6 माह के लिए जनपद की सीमा से निष्कासित (जिला बदर) कर दिया है। जिला बदर किए गए अभियुक्त की पहचान फैसल खान पुत्र मो. अनीस, निवासी–सिधियांवा, थाना–जगदीशपुर के रूप में हुई है। यह आदेश 06 अक्टूबर 2025 से लागू होगा।

मारपीट में एक घायल

राही (रायबरेली)। भदोखर थाना क्षेत्र के जमालपुर नानकारी गांव में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए और लाठी डंडे चलने लगे। इससे एक युवक घायल हो गया। गांव के दयाशंकर और शिवराज का पिछले कुछ दिनों से जमीनी विवाद चल रहा था। शुक्रवार की सुबह उसी विवाद को लेकर दोनों पक्ष आमने–सामने आ गए और लाठी डंडे चलने लगे। इसमें दयाशंकर पुत्र देशराज चोटिल हो गए।

एजीएच के सदस्य ने जुर्म स्वीकारा जेल में बिताई अवधि की दी सजा

विधि संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में ब्लास्ट करने के लिए हथियार और विस्फोटक एकत्र करने के आरोपी एवं अलकायदा के सहयोगी संगठन अंसार ग़ज़वातुल हिंद (एजीएच) के सदस्य मोहम्मद मोईद को जुर्म स्वीकार करने पर एनआईए के विशेष न्यायाधीश हुसैन अहमद अंसारी ने दोषी ठहराते हुए 21 माह 13 दिन की सजा सुनाई है।

आरोपी ने गत 18 अगस्त को कोर्ट में अर्जी देकर जुर्म स्वीकार किया था की उसने एक अवैध पिस्टल व चार कारतूस मुस्तकीम को दिया था। उस पिस्टल को मुस्तकीम ने मिनहाज को दिया था। इसी पिस्टल को एटीएस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के समय 11 जुलाई 2021 को बरामद किया था। आरोपी की जुर्म स्वीकृति की अर्जी पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने आरोपी को उसकी जेल में बिताई अवधि से दंडित किया है। एनआईए के वकील एमके सिंह ने कोर्ट में बताया कि इस मामले की रिपोर्ट 11 जुलाई को एटीएस के निरीक्षक सुशील कुमार सिंह ने गोमतीनगर में दर्ज कराया था।

किशोरावस्था में किए गए अपराध से भविष्य में प्राप्त नियुक्ति बाधित नहीं

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने किशोर न्याय (बालकों की देखभाल एवं संरक्षण) अधिनियम की पृष्ठभूमि में सेवा नियमों को स्पष्ट करते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति अपराध के समय किशोर था तो उसके विरुद्ध दर्ज आपराधिक मामला या उसका प्रकटीकरण न करना सरकारी सेवा के लिए अयोग्यता का कारण नहीं बन सकता है। कोर्ट ने कहा कि किशोर से उसके अतीत का खुलासा कराना उसकी निजता और प्रतिष्ठा के अधिकार का हनन है। कोर्ट ने यह भी माना कि वर्तमान मामले में जब अधिकरण ने पहले ही याची को नाबालिग सिद्ध कर दिया था, तब पुन: जांच का निर्देश देना अनुचित था। उक्त आदेश मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेन्द्र की खंडपीठ ने नवोदय विद्यालय समिति की याचिका खारिज कर शिक्षक पुंडरीकाक्ष देव पाठक को सेवा में बहाल करने का आदेश देते हुए पारित किया। कोर्ट ने केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) के उस आदेश को भी संशोधित किया, जिसमें मामले को पुनर्विचार हेतु विभाग को लौटाया गया था।

मामला वर्ष 2011 में दर्ज एक आपराधिक मुकदमे से जुड़ा था, जो उस समय दर्ज हुआ था, जब विपक्षी शिक्षक महज 17 वर्षीय थे। चयन प्रक्रिया में इस मुकदमे का उल्लेख न करने के आधार पर उनकी सेवाएं 2021 में समाप्त कर दी गई थीं। बाद में किशोर न्याय बोर्ड ने 2024 में उन्हें किशोर घोषित किया। कोर्ट का मानना है कि जब अपराध के समय अभियुक्त किशोर था, तो उसकी ओर से किसी आपराधिक मुकदमे का खुलासा न करना उसे सेवा से अयोग्य नहीं ठहराता है। किशोर अपराध से संबंधित रिकॉर्ड को मिटा देना और उसे समाज में पुन: एकीकृत करना ही कानून का उद्देश्य है। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के अवतार सिंह बनाम भारत संघ, रमेश बिश्नोई और शिवम मौर्य मामलों का हवाला देते हुए कहा कि किशोरावस्था में दर्ज मुकदमे का उल्लेख न करना न तो सेवा में बाधक है, न ही नैतिक दोष। अंत में कोर्ट ने जवाहर नवोदय विद्यालय, गौरीगंज, अमेठी में पीजीटी (गणित) पद से बर्खास्त शिक्षक को एक माह के भीतर सेवा में पुन: बहाल कर समस्त वित्तीय और सेवा संबंधी लाभ दिए जाने का आदेश दिया।

धन दिलाने के नाम पर चार लाख की ठगी

अमृत विचार, रायबरेली: कोतवाली क्षेत्र के गोसाई का पुरवा निवासी पीड़ित नितेश को कुछ लोगों ने यह विश्वास दिलाया कि उसके घर या खेत में "गड़ा हुआ धन" दबा है, जिसे विशेष पूजा-पाठ और तंत्र-मंत्र विधि से निकाला जा सकता है। आरोप है कि दोनों व्यक्तियों ने खुद को तांत्रिक बताकर पहले उसके घर पर कई दिनों तक पूजा-पाठ कराया। इस दौरान उन्होंने पीड़ित को गड़ा धन दिखाने का झांसा देते हुए एक लोटे में सोने के सिक्के और हीरे रखने का नाटक किया। तांत्रिकों ने पीड़ित को बताया कि यह लोटा कई दिनों तक नहीं खोलना है, वरना लक्ष्मी क्रोधित हो जाएंगी और धन नष्ट हो जाएगा। पीड़ित को विश्वास दिलाने के बाद आरोपियों ने पूजा-पाठ और गड़ा धन निकालने के नाम पर उससे लगभग चार लाख रुपये ले लिए। कुछ दिनों बाद जब पीड़ित ने संदेह के चलते लोटा खोला तो उसके होश उड़ गए। लोटे में रखे गए सिक्के और हीरे नकली निकले। ठगी का एहसास होते ही उसने आरोपियों से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन दोनों मौके से फरार हो गए।

7 यात्रियों को लेकर जा रही डबल डेकर बस, नहीं मिल रहे यात्री

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- कमता से आयोध्या धाम तक चलाई जा रहीं डबल डेकर
- 245 रुपये है किराया, यात्रियों में उत्साह नहीं
- चार्जिंग को लेकर आ रहीं दिक्कतें

अमृत विचार: कमता से अयोध्या धाम तक डबल डेकर बस सेवा की शुरुआत तो कर दी गई है, लेकिन यात्रियों की संख्या बेहद कम देखने को मिल रही है। नई सुविधा के तहत दो डबल डेकर बसें कामता से अयोध्या धाम तक चलाई जा रही हैं, मगर फिलहाल बस में केवल सात से दस यात्री ही सफर कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने यात्रियों को आधुनिक और आरामदायक सफर देने के उद्देश्य से यह सेवा एक वर्ष पहले शुरु होनी थी लेकिन चार्जिंग और रूट मैप न तय होने से सड़क पर दौड़ने में इन डबल डेकर बसों को एक वर्ष का समय लग गया। बसों में ऊपरी और निचली मंजिल पर आरामदायक सीटें, मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट और अन्य सुविधाएं उपलब्ध हैं। कामता से अयोध्या धाम तक का किराया 245 रुपये निर्धारित किया गया है। इसके बावजूद यात्रियों में इस नई सेवा को लेकर उत्साह की कमी दिख रही है।

क्षेत्रीय प्रबंधक आरके त्रिपाठी ने बताया कि शुरुआती चरण में प्रचार-प्रसार की कमी और किराए को लेकर यात्रियों की हिचकिचाहट इसका प्रमुख कारण हो सकता है। वहीं, बसों की चार्जिंग को लेकर भी दिक्कतें सामने आ रही हैं। फिलहाल इन इलेक्ट्रिक डबल डेकर बसों को गोमती नगर बस चार्जिंग स्टेशन से चार्ज किया जा रहा है, जिससे संचालन समय पर असर पड़ रहा है। विभाग का कहना है कि जल्द ही बाराबंकी डिपो और अयोध्या धाम में चार्जिंग स्टेशन तैयार हो जाएंगे, ताकि बस सेवा सुचारू रूप से चल सके।

हल्का दरोगा पर साठगांठ और फर्जी जांच आख्या लगाने का आरोप, पांच पर केस

महराजगंज (रायबरेली)

अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां न्यायालय के आदेश पर एक ही परिवार के पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गई है। इसके अलावा शिकायत कर्ता का हल्का दरोगा पर साठगांठ कर फर्जी जांच आख्या लगाने का भी आरोप है।

कोतवाली क्षेत्र के सलेथू गांव के निवासी ब्रह्मदत्त द्विवेदी ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर आरोप लगाया कि हल्का दरोगा के कथित सांठगांठ से उनकी गैर-मौजूदगी में गांव के ही राहुल पुत्र संतोष कुमार ने उनकी सहन की जमीन पर बिजली के तार लगवा दिए हैं। शिकायतकर्ता का कहना है कि जब उन्होंने तार हटाने को कहा, तो उनके साथ कई बार गाली-गलौज और मारपीट की गई। मामले का कोई समाधान न होता देख, शिकायतकर्ता द्विवेदी ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई।

न्यायालय को दिए गए शिकायती पत्र में शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि हल्का दरोगा का विपक्षी राहुल के यहां अक्सर उठना-बैठना रहता है। इसी वजह से जब भी ऑनलाइन शिकायत की जाती है। दरोगा सांठगांठ करके मामले में झूठे निस्तारण की रिपोर्ट लगा देते हैं। इस झूठे निस्तारण की सूचना जब उनके मोबाइल नंबर पर आती है, तब उन्हें मामले की सही स्थिति का पता चलता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायालय ने प्रकरण का संज्ञान लिया और कोतवाली पुलिस को तत्काल केस दर्ज करने का आदेश दिया। पुलिस ने राहुल, राखी, अन्नू, निधी और राम अभिलाष सहित एक ही परिवार के पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। कोतवाल जगदीश यादव ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर केस दर्ज किया गया है। मामले की जांचकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

लूट की घटनाओं के तीन आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा, भेजा जेल

खीरों (रायबरेली) अमृत विचार। विभिन्न थाना क्षेत्रों में अलग अलग दिनों में हुई लूट की घटनाओं का खुलासा करते हुए पुलिस ने तीन आरोपियों को दबोचा है। उनके पास से लूटा गया सामान बरामद कर गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक सन्तोष कुमार सिंह ने बताया कि खीरों क्षेत्र के गांव अतरी मजरे दुकनहा निवासी देवा उर्फ देवेन्द्र पासी पुत्र देशराज पासी, विंदेश लोध पुत्र शिवलाल लोध और बंगलाहार मजरे रायपुर निवासी अजय लोध पुत्र पवन लोध एक गैंग बनाकर अपने लाभ के लिए आपराधिक घटनाएं कारित करते हैं। विगत 20 सितम्बर को शाम 7:40 बजे दुकनहा गांव से मेला देखकर साइकिल द्वारा वापस जा रहे मौलवी का पुरवा मजरे मेड़ौली निवासी विशाल पुत्र शिव बोधन का मोबाइल छीनकर तीनों आरोपी भाग गए थे। दूसरी घटना में विगत 27 सितम्बर 2024 को 11:30 बजे लालगंज क्षेत्र के गांव पिलखा निवासी राजू यादव पुत्र राम प्रसाद का भी मोबाइल इन्हीं तीनों लोगों ने छीन लिया था।

कूड़ा जलाने को लेकर उठाए सवाल

ऊंचाहार, रायबरेली, अमृत विचार। नगर क्षेत्र के रामलीला मैदान में कूड़ा जलाने को लेकर सभासद ने अधिशासी अधिकारी को पत्र लिखकर सवाल उठाते हुए इससे फैल रही बीमारी के प्रति आगाह किया है। वहीं चेयरमैन ने कूड़ा जलाने की घटना में शरारती तत्वों का हाथ होने की बात कहा है। नगर के वार्ड संख्या एक के सभासद शैलेश गुप्ता ने एक पत्र अधिशासी अधिकारी को लिखकर बताया कि रामलीला मैदान में रोज कूड़ा एकत्र किया जाता है और शाम को उसमें आग लगा दी जाती है, जिसका धुआं चारों ओर फैलता है और आसपास के रिहायशी बस्ती में रहने वालों के लिए समस्या पैदा करता है।

ट्रैक्टर की टक्कर से बुजुर्ग की मौत, युवक गंभीर

अमृत विचार, रायबरेली: खीरों-अतरहर मार्ग पर स्थित गांव हरीपुर मिर्दहा के पास एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रैक्टर ट्रॉली ने बाइक में पीछे से जोरदार टक्टर मार दिया। इससे बाइक पर सवार बुजुर्ग समेत दो लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए।

स्थानीय लोगों ने निजी वाहन की मदद से दोनों घायलों को सीएचसी खीरों पहुंचाया। डाक्टरों ने राधे पासवान को मृत घोषित कर दिया और राजकुमार उर्फ पप्पू को प्राथमिक उपचार के बाद गम्भीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इस घटना से मृतक के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। प्रभारी निरीक्षक सन्तोष कुमार सिंह ने बताया कि अज्ञात ट्रैक्टर चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर ट्रैक्टर ट्रॉली को हिरासत में ले लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

यूपीसीडा के खिलाफ आक्रोशित किसानों ने दी तहरीर

संवाददाता, कमरौली (अमेठी)

अमृत विचार। यूपीसीडा के खिलाफ आक्रोशित किसानों ने दूसरे दिन भी खोला मोर्चा और जमकर नारेबाजी करते हुए डटे रहे और थाना अध्यक्ष मुकेश पटेल को तहरीर सौंपते हुए बताया कि बिना किसी पूर्व सूचना या मुआवजे के उनकी पैतृक जमीन पर बुलडोजर चलाकर खड़ी धान की फसल और कृषि उपकरणों को नष्ट कर दिया गया। किसानों ने इस संबंध में थाना कमरौली में तहरीर देकर दोषियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है।

ग्रामीणों के अनुसार, गत 30 अक्टूबर की सुबह करीब आठ से दस बजे के बीच विभागीय

थाना अध्यक्ष को तहरीर देतीं महिला किसान यूनियन की जिला अध्यक्ष शमीमा बानो।

कार्रवाई की मांग

अधिकारियों की मौजूदगी में सैकड़ों पुलिसकर्मियों और आठ से अधिक बुलडोज़रों के साथ खेतों पर कब्ज़ा अभियान चलाया गया। इस दौरान करीब 30 से 35 एकड़ में खड़ी धान की फसल को रौंद दिया गया, साथ ही तीन ट्यूबवेल, इंजन और अन्य सिंचाई उपकरण भी नष्ट कर दिए गए। पीड़ित किसानों ने बताया कि न तो कोई नोटिस दिया गया, न ही किसी प्रकार का मुआवजा या आदेश की प्रति दिखाई गई। ग्रामीणों के विरोध करने पर उन्हें डराया-धमकाया गया और जबरन खेतों से हटा दिया गया।

आक्रोशित किसानों व महिला किसान यूनियन की जिला अध्यक्ष शमीमा बानो का कहना है कि यह कार्रवाई न केवल उनकी आजीविका पर सीधा प्रहार है, बल्कि संविधान के अनुच्छेद 300ए के तहत उनके संपत्ति के अधिकार का भी उल्लंघन है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों और बुलडोज़र चालकों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई, नुकसान की भरपाई और राजस्व विभाग से मौके की जांच की मांग की है। इस पूरे मामले में अभी तक प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

रंजिश में जमकर मारपीट, तीन घायल

अमृत विचार, रायबरेली: थाना क्षेत्र के अंतर्गत सुबंस खेड़ा मजरे इचौली गांव में शुक्रवार की सुबह पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में लाठी डंडो से जमकर मारपीट हुई। एक पक्ष से तीन लोग घायल हुए हैं, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायल सरवन देवी पत्नी रामफेर, कन्हैया लाल पुत्र रामफेर और बलराम पुत्र रामफेर अपने घर के पास अन्य पारिवारिक जनों के साथ आपस में बातचीत करते हुए कुछ कार्य कर रहे थे। आरोप है कि तभी विपक्षीगण रामसजीवन पुत्र रामसेवक, प्रदीप कुमार पुत्र राम सजीवन, लकी पुत्री रामसजीवन ने लाठी- डंडों से हमला कर दिया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस के द्वारा तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बछरावां पहुंचाया गया। चिकित्सक के द्वारा तीनों का प्राथमिक उपचार करने के पश्चात सरवन देवी की हालत को गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। थाना प्रभारी राजीव सिंह ने बताया कि घटना की तहरीर प्राप्त हुई है।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का नाम पूर्व में परी सोनवानी था। मैंने पुत्री का नाम परी सोनवानी से बदलकर पाखी पुत्री रानी सोनवानी, राजन सोनवानी रख लिया है। भविष्य में मेरी पुत्री को इसी नाम से जाना व पहचाना जाए परी सोनवानी व पाखी दोनों ही नाम मेरी पुत्री के हैं। **रानी सोनवानी पत्नी राजन सोनवानी निवासी 173/4 काकोरी कोठी बी एन वर्मा रोड अमीनाबाद लखनऊ।**

कार्यालय – खण्ड शिक्षा अधिकारी जलालपुर, जनपद– अम्बेडकरनगर

पत्रांक: एस0एस0ए0/681–82/2025–26 दिनांक: 29.10.2025

नीलामी सूचना

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, अम्बेडकरनगर के पत्रांक: एस0एस0ए0/5387–91/ 2025–26 दिनांक 11.09.2025 के क्रम में परिषदीय विद्यालयों के परिसरों में स्थित जीर्ण–शीर्ण भवनों की नीलामी एवं धवस्तीकरण कराये जाने के निर्देश दिये गये है।

उक्त के क्रम में जर्जर भवनों के ध्वस्तीकरण/नीलामी सम्बन्धित समिति/उनके प्रतिनिधि के समक्ष तृतीय बार बोली, बोली जायेगी। बोली बोलने के इच्छुक व्यक्ति/फर्म/संस्था निर्धारित तिथि व समय स्थान पर उपस्थित होकर नीलामी में भाग ले सकते हैं। नीलामी बोली की तिथि व समय निम्नवत् है–

क्रम सं0	विद्यालय का नाम एवं स्थान	भवन / कक्षा–कक्ष	नीलामी की तिथि व समय
1	प्रा0वि0 सुरहुरपुर प्रथम	अतिरिक्त कक्षा–कक्ष	03.11.2025 समय 10:00 बजे प्रात:
2	प्रा0वि0 सुरहुरपुर द्वितीय	प्रा0वि0 भवन	03.11.2025 समय 11:00 बजे अपराह्न
3	प्रा0वि0 रुधौली अदाई	अतिरिक्त कक्षा–कक्ष	03.11.2025 समय 01:00 बजे अपराह्न
4	प्रा0वि0 जलालपुर प्रथम	अतिरिक्त कक्षा–कक्ष	03.11.2025 समय 02:00 बजे अपराह्न
5	प्रा0वि0 रामपुर चाडीहां	प्रा0वि0 भवन	04.11.2025 समय 10:0 बजे प्रात:
6	कम्पो0उ0प्रा0वि0 भस्मा	प्रा0वि0 भवन	04.11.2025 समय 11:00 बजे अपराह्न
7	कम्पो0उ0प्रा0वि0 दुधई	मूल भवन	04.11.2025 समय 01:00 बजे अपराह्न
8	प्रा0वि0 नगपुर द्वितीय	अतिरिक्त कक्षा–कक्ष	04.11.2025 समय 02:00 बजे अपराह्न
9	प्रा0वि0 नेमपुर	प्रा0वि0 भवन	06.11.2025 समय 10:00 बजे प्रात:
10	प्रा0वि0 पटौहा गानेपुर	अतिरिक्त कक्षा–कक्ष	06.11.2025 समय 11:00 बजे अपराह्न
11	प्रा0वि0 सोहगूपुर	अतिरिक्त कक्षा–कक्ष	06.11.2025 समय 01:00 बजे अपराह्न

नीलामी की शर्ते पूर्ववत रहेंगी।

(मीनाक्षी सिंह)
खण्ड शिक्षा अधिकारी जलालपुर,
अम्बेडकरनगर

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत/सामान्य), पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाइन (ई-टेण्डरिंग) के माध्यम से ''एकल'' निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्रम सं.-01, निविदा सूचना संख्या: ई-निविदा-एल-31-25-26, कार्य का नाम: वाराणसी मंडल के अंतर्गत पावर कारों में लगे किर्लोस्कर (Kirloskar) निर्मित डी.ए. जनरेटर सेट्स के डीजल इंजनों और उनके विभिन्न निर्माताओं के अल्टरनेटर के "B" एवं "C" शेड्यूल अनुरक्षण हेतु 2 वर्षो की अवधि के लिये वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध। अनुमानित लागत: ₹ 1,64,12,349.11, अमानत राशि: ₹ 2,32,100/-, कार्य समापन का समय: 24 माह, निविदा समापन की तिथि एवं समय: 20-11-2025, 15:00 बजे, निविदा खोलने की तिथि एवं समय: 20-11-2025, 15:00 बजे। **क्रम सं.-02,** निविदा सूचना संख्या: ई-निविदा-एल-32-25-26, कार्य का नाम: वाराणसी मंडल के अंतर्गत पावर कारों में लगे कम्मिन्स (Cummins) निर्मित डी जनरेटर ए, सेट्स के डीजल इंजनों और उनके विभिन्न निर्माताओं के अल्टरनेटर के "B" एवं "C" शेड्यूल अनुरक्षण हेतु 2 वर्षो की अवधि के लिये वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध। अनुमानित लागत: ₹ 3,85,70,277.64, अमानत राशि: ₹ 3,42,900/-, कार्य समापन का समय: 24 माह, निविदा समापन की तिथि एवं समय: 20-11-2025, 15:00 बजे, निविदा खोलने की तिथि एवं समय: 20-11-2025, 15:00 बजे।

- उपरोक्त ई-निविदा कार्यों के पूर्ण विवरण एवं निविदाओं में प्रतिभाग करने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जायें।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/सामान्य
मुजाधि/विद्युत-174 वाराणसी

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

उप मुख्य अभियन्ता इंजीनियर/निर्माण–II, उत्तर रेलवे, वाराणसी द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रोफॉर्मा पर खुली ई–निविदाएँ दो पैकेट में आमंत्रित की जाती हैं।

1	कार्य का नाम व स्थान	उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल पर जौनपुर जंक्शन–जफराबाद दोहरीकरण के संबंध में वाराणसी–जफराबाद–जौनपुर खंड के लेवल क्रासिंग संख्या 41 पर (एंड टू एंड पहुंच मार्ग सहित) 2 लेन उपरिगामी सेतु का निर्माण कार्य
2	कार्य का पूरा करने की अवधि	15 (पंद्रह) माह
3	कार्य की अनुमानित लागत	₹ 3275.92 लाख
4	धरोहर राशि	₹ 17,88.000/- मात्र
5	ई–निविदा जमा करने की तारीख/समय एवं निविदा खुलने की तारीख	निविदाएँ दिनांक 21.11.2025 को 11:30 बजे तक आई.आर.ई.पी.एस के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड की जा सकती है तथा दिनांक 21.11.2025 को समय 11:30 बजे खोली जाएगी।
6	विस्तृत निविदा सूचना व प्रपत्र	विस्तृत निविदा सूचना व निविदा प्रपत्र दिनाँक 31.10.2025 से आई.आर.ई.पी.एस के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध रहेंगे व दिनांक 07.11.2025 से 21.11.2025 तक ई–निविदा अपलोड की जा सकती है।

संख्या 12–टेण्डर/उप मुख्य अभियन्ता इंजीनियर/निर्माण–II
दिनाँक: 30.10.2025 3387/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबन्धक (इंजी0)/वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु **आनलाईन (ई – टेन्डरिंग) के माध्यम से** ''खुली'' निविदा आमंत्रित करते है। **क्र.सं. (1)** कार्य का नाम : सीसेइ/पीवे /बलिया कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत छपरा (रहित) – फेफना (सहित) यार्डो का सुधार एवं उन्नयन कार्य। (कुल 8 यार्ड), ई–निविदा सूचना सं0: एनईआर–बीएसबी–2025–112, अनुमानित लागत (₹): 11,62,04,162/–, अमानत राशि (बिड सिक्योरिटी) (₹): 7,31,000/–, निविदा बन्द होने की तिथि : 27.11.2025, स्वीकृति पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 12 माह। **क्र.सं. (2)** कार्य का नाम : सीसेइ /पीवे/गाजीपुर सिटी कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत फेफना (सहित) – औडिहार (सहित) – यार्डो का सुधार एवं उन्नयन कार्य। (कुल 10 यार्ड), ई–निविदा सूचना सं0: एनईआर–बीएसबी–2025–113, अनुमानित लागत (₹): 11,86,12,455/–, अमानत राशि (बिड सिक्योरिटी) (₹): 7,43,100/–, निविदा बन्द होने की तिथि : 27.11.2025, स्वीकृति पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 12 माह। **क्र.सं. (3)** कार्य का नाम : छपरा – पुराने जीर्णशीर्ण आवासो के स्थान पर 16 यूनिट टाइप–II आवासो का प्रावधान।, ई–निविदा सूचना सं0: एनईआर–बीएसबी–2025–114, अनुमानित लागत (₹): 3,88,81,658/–, अमानत राशि (बिड सिक्योरिटी) (₹): 3,44,400/–, निविदा बन्द होने की तिथि : 27.11.2025, स्वीकृति पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 18 माह। **क्र.सं. (4)** कार्य का नाम : समइ/ बलिया कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत थीक वेब स्विच और डब्ल्यूसीएमएस क्रासिंग के साथ 1:12 फैनशेप्ड टर्नआउट के कर्वड स्विच और सीएसएस क्रासिंग (बीजी) का नवीनीकरण (कुल 25 सेट)।, ई–निविदा सूचना सं0: एनईआर– बीएसबी–2025–115, अनुमानित लागत (₹) : 84,60,671/–, अमानत राशि (बिड सिक्योरिटी) (₹): 1,69,200/–, निविदा बन्द होने की तिथि : 27.11.2025, स्वीकृति पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 12 माह। ● निविदा सूचना संख्या एनईआर– बीएसबी–2025–112 से एनईआर– बीएसबी–2025–115 दिनांक 27.11.2025 को 14.30 बजे तक आन लाईन जमा कर सकेंगे। ● पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। ● यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अन्तर होता है तो निविदा सूचना मे अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

मण्डल रेल प्रबन्धक/(इन्जी0),
मुजाधि/डब्ल्यू– 318 वाराणसी

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं **कृष्ण कुमार पुत्र शिव भवन निवासी ग्राम/पोस्ट, दुधवन थाना सरेनी, तहसील लालगंज, जिला रायबरेली उत्तर प्रदेश** का रहने वाला हूं। मेरे अंकतालिका में नाम कृष्ण अंकित है। जबकि समस्त अभिलेखों में कृष्ण कुमार अंकित है. जो सत्य और सही है। कृष्ण कुमार और कृष्ण दोनो नाम एक ही व्यक्ति के है

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरा नाम MOHAMMAD ZAID था जिसे बदलकर मैने MOHAMMAD JAID कर लिया है दोनो नाम एक ही व्यक्ति के हैं अत: भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जायें। **पता– हसनगंज नीम टीकर बछरावां जिला रायबरेली, मो. 9793241420**

सूचना

पहले मेरा नाम BHAGYA SHREE था से बदलकर BHAGYA SHREE BHADAURIA रख लिया है। अब इसी मुझे BHAGYA SHREE BHADAURIA के नाम से जाना व पहचाना जाये। D/0-RAVI RANJAN SINGH BHADAURIA ADD-B-116 INDIRA NAGAR PS-GHAZIPUR DIST-LUCKNOW-226016 (U.P.)

सूचना

मैं जय सिंह पुत्र बलदेव प्रसाद निवासी ग्राम बसेन हास बरौली थाना बेनीगंज तहसील व जिला हरदोई का हूँ, मेरे शैक्षिक व अन्य अभिलेख वास्तव में कही गिरकर खो गये है।

सूचना

सूचित हो कि मेरा हाई स्कूल का अंक प्रमाण पत्र वर्ष 2013 रोल नंबर 2828558 है राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय विश्वंभरपुर धानेपुर गोंडा का वास्तव में खो गया है। जिसकी द्वितीय प्रति लेनी है। **उषा गौतम पुत्री कामता प्रसाद निवासी ग्राम बुढ़वलिया थाना करनैलगंज जिला गोंडा**

सूचना

मैं **इसरार अहमद खान पुत्र मो0 निसार अहमद खान निवासी म0नं0 5921/264 रथीन्द्र नगर, तेलीबाग, लखनऊ, उ0प्र0** (226029) मेरे पुत्र का नाम मो0 अयाज़ खान है, जिसकी जन्म तिथि 11.10.2015 है। मेरे पुत्र के शैक्षणिक अभिलेखों में मेरे पुत्र का नाम हनी खान त्रुटिवश अंकित हो गया है, जबकि आधार कार्ड व अन्य अभिलेखों में मेरे पुत्र का नाम मो0 अयाज खान है, जो कि सत्य व सही है। अत: मेरे पुत्र के शैक्षणिक अभिलेखों में पुत्र का नाम नाम मो0 अयाज खान अंकित किया जाय।

सूचना

मैने अपने पुत्र सौरभ, उसकी पत्नी प्रांशी से उसके गलत क्रिया कलापों के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर लिए है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए लेनदेन व गलत कार्यों का मेरा व मेरे परिवार से कोई लेना–देना नहीं होगा। दोनों लड़ते झगड़ते, आपस में मारपीट भी करते हैं। **श्रीमती कस्तूरी पत्नी श्याम सिंह, निवासी गंगारामपुर, थाना/कस्बा मल्लावां, जिला हरदोई**

सूचना

मैं **आरती यादव पुत्री भोलानाथ यादव, निवासी– पूरे पितई हाजीपुर परसदेपुर जिला रायबरेली पिन कोड 229129 उ0प्र0,** मेरा हाई स्कूल जिसका रोल नं 1841634 व प्रमाण पत्र सं 055599 वर्ष 2018 तथा इन्टरमीडिएट रोल नं 1337406 व प्रमाण पत्र 54028983 परीक्षा वर्ष 2020 में उर्त्तीण किया है जिसका अंक पत्र/ प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गया है।

सूचना

सर्व साधारण सूचित किया जाता है कि मैं मो. इब्राहिम, MO. IBRAHIM, तेलियागढ गोशाईगंज, पोस्ट गोशाईगंज जिला– अयोध्या का निवासी हूँ। मेरे पासपोर्ट सं0–P6943001 FILE NO-LK3060575715217 में मेरा नाम मो. इब्राहिम, MO.IBRAHIM है। जो कि अंग्रेजी में MOHD IBRAHIM और हिन्दी मोहम्मद इब्राहिम लिखा है। जो कि गलत है। मेरा सही नाम MO.IBRAHIM, मो. इब्राहिम इस तरह से लिखा व पढ़ा तथा जाना जाए एवं पासपोर्ट में सही दर्ज किया जाए।

ब्रीफ न्यूज

प्रकाश पर्व मनाने के लिए पाकिस्तान जाएगा जत्था

अमृतसर। श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व को मनाने के लिए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) द्वारा पाकिस्तान के गुरुद्वारा श्री ननकाना साहिब में भेजे जाने वाले जत्थे के लिए 1796 तीर्थयात्रियों को वीज़ा प्राप्त हो गए हैं। यह जत्था चार नवंबर को एसजीपीसी मुख्यालय से पाकिस्तान भेजा जाएगा। तीर्थयात्रियों को पासपोर्ट वितरण के अवसर पर, एसजीपीसी के सचिव प्रताप सिंह ने शुक्रवार को बताया कि 1802 तीर्थयात्रियों के पासपोर्ट दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग को भेजे गए थे, जिनमें से दूतावास ने 1796 तीर्थयात्रियों को वीज़ा जारी कर दिए हैं।

संजय भल्ला को मिली पूर्वी नौसेना की कमान

विशाखापत्तनम। वाइस एडमिरल संजय भल्ला ने शुक्रवार को भारतीय नौसेना की पूर्वी कमान के नए फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में पदभार ग्रहण किया। भल्ला ने वाइस एडमिरल राजेश पेंढारकर का स्थान लिया, जो आज ही सेवानिवृत्त हुए। पूर्वी नौसेना कमान के बयान में कहा गया कि वाइस एडमिरल राजेश पेंढारकर के सेवानिवृत्त होने पर, वाइस एडमिरल संजय भल्ला ने पूर्वी कमान के कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में पदभार ग्रहण किया।

मानसा गोलीबारी में शामिल दो गिरफ्तार

मानसा। पंजाब के मानसा में पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए मानसा में हुई गोलीबारी की घटना में शामिल दो आरोपियों को संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि ये दोनों आरोपी 28 अक्टूबर को मानसा में एक कीटनाशक की दुकान पर की गयी गोलीबारी के लिए ज़िम्मेदार थे, जहां मोटरसाइकिल सवार दो हमलावरों ने दुकान पर गोलीबारी की थी। पुलिस ने उनके पास से दो पिस्तौल, नौ कारतूस और छह खाली खोल बरामद किये हैं।

स्वास्थ्य केंद्र के खाते से 1.16 लाख निकाले

बीड। महाराष्ट्र के बीड जिले में एक स्वास्थ्य केंद्र के लिए आवंटित 1.16 लाख रुपये की कथित तौर पर निकासी के आरोप में तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। यह धनराशि इशतल उप-स्वास्थ्य केंद्र के बैंक खाते में जमा की गई थी। बाद में, पता चला कि एक स्वास्थ्यकर्मी ने बिना उचित अनुमति के धनराशि निकाल ली। जांच के बाद, स्वास्थ्य विभाग ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

अब लाल सलाम नहीं, जय श्रीराम

बिहार पहुंचकर मुख्यमंत्री योगी ने विपक्ष को ललकारा, कीं चुनावी जनसभाएं

बिहार विस चुनाव

सीवान/वैशाली

अमृत विचार नेटवर्क: बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा व राजग प्रत्याशियों के समर्थन में शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तीन रैली व जनसभा कर विपक्ष को ललकारा। मुख्यमंत्री ने महागठबंधन पर तंज कसते हुए कहा कि बिहार चुनाव में राहुल गांधी की एंट्री हो चुकी है, यही हमारे प्रत्याशियों की जीत की गारंटी है। योगी ने पहली रैली सीवान में एनडीए प्रत्याशी मंगल पांडेय, दरौंदा से कर्णजीत सिंह और बड़हरिया से इंद्रदेव सिंह पटेल के समर्थन में की। वहीं दूसरी जनसभा योगी ने वैशाली की लालगंज विधानसभा से बीजेपी प्रत्याशी संजय कुमार सिंह के समर्थन में की। जबकि तीसरी सभा भोजपुर के अगिआंव विधान सभा क्षेत्र में एनडीए प्रत्याशी महेश पासवान के पक्ष में की। योगी ने कम्युनिस्टों पर भी तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि जैसे गधे के सिर से सींग गायब हो गये, वैसे ही भारत ही नहीं दुनिया से कम्युनिस्टों का पत्ता साफ हो गया।

उन्होंने कम्युनिस्टों पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि जिस बिहार ने देश को स्वर्णयुग दिया, वहां अब लाल सलाम नहीं बल्कि जय श्रीराम का नारा गूंजेगा। योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों आरजेडी, कांग्रेस और भाकपा माले पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे सब गरीबों के राशन पर डकैती डालने का प्रयास कर रहे हैं।

बिहार में आयोजित चुनावी जनसभा के मंच से उपस्थित जनसमूह का अभिवादन करते मुख्यमंत्री योगी, साथ में पार्टी प्रत्याशी व अन्य।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आरजेडी, माले, कांग्रेस ये सब एक ही थाली के चट्टे बट्टे हैं। ये सब भारत की विरासत का विरोध करते हैं। गुलामी की मानसिकता का समर्थन करते हैं। आक्रांताओं को आमंत्रित करते हैं। अयोध्या में राममंदिर का विरोध करते हैं। सीतामढ़ी में सीता मइया के मंदिर का विरोध करते हैं। भारत के नागरिकों को लड़ाने का काम करते हैं। पर्व त्योहार के पहले दंगा कराने की कोशिश करते हैं। मगर, यूपी में आप सबने देखा होगा, वहां अब दंगा नहीं, बल्कि सब चंगा है।

जो राम का नहीं वो हमारे किसी काम का नहीं

मुख्यमंत्री बोले, कांग्रेस कहती थी कि राम हुए ही नहीं। आरजेडी राम मंदिर का रथ रोकते थे। सपा वाले रामभक्तों पर गोलियां चलाते थे और कम्युनिस्ट तो किसी दूसरे लोक के बारे में ही सोचते हैं। उन्होंने कहा कि जो राम का नहीं वो हमारे किसी काम का नहीं। जो राम का विरोध कर रहा है वो राष्ट्र का विरोध कर रहा है। जो राष्ट्र का विरोध कर रहा है वो हमारे किसी काम का नहीं, उसे राष्ट्र से बाहर का रास्ता दिखाना है।

राहुल गांधी की एंट्री हमारी जीत की गारंटी

बिहार चुनावी दौरे में योगी आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि राहुल गांधी जब भी प्रचार करने आते हैं, एनडीए की जीत तय हो जाती है। वे बीजेपी और एनडीए की जीत की सबसे बड़ी गारंटी हैं।

पॉलिटिक्स में उतरे तमाम पुलिस वाले

पटना, एजेंसी

खाकी वर्दी पहनने वाले तमाम पुलिस अधिकारी इस बार विधानसभा चुनाव में खादी का रौब पाने के लिए बेताब नजर आ रहे हैं। सभी दलों ने उन्हें टिकट देकर अपना प्रत्याशी बनाने में दरियादिली दिखाई है। इनमें सर्वाधिक संख्या पूर्व आईपीएस अधिकारियों की है।

बिहार में पुलिस अधिकारियों के राजनेता बनने का सिलसिला वैसे तो काफी पुराना है। कई खाकीधारी जनप्रतिनिधि बनने में कामयाब भी रहे हैं। इस बार वर्ष 2025 के चुनावी रण में भी कई खाकीधारी चुनावी रण में कूदे हैं और पूरी शिद्दत से अपना चुनाव प्रचार कर रहे हैं।

पूर्व आईपीएस अधिकारी और बिहार के सुपर कॉप कहे जाने वाले शिवदीप लांडे जमालपुर और अररिया विधानसभा से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। बक्सर विधानसभा सीट पर इस बार भाजपा के टिकट पर एनकाउंटर स्पेशलिस्ट और असम के सिंघम के नाम से मशहूर पूर्व आईपीएस अधिकारी आनंद मिश्रा चुनावी अखाड़े में उतरे हैं। महाकवि आरसी प्रसाद सिंह ,उदयनाचार्य, पंडित सुरेंद्र झा सुमन जैसे दार्शनिकों और साहित्यकारों की धरती रोसड़ा (सुरक्षित) सीट से तमिलनाडु के पूर्व पुलिस महानिदेशक वीके रवि को कांग्रेस ने टिकट दिया है।

छपरा विधानसभा क्षेत्र से हिमाचल प्रदेश कैडर पूर्व आईपीएस अधिकारी जय प्रकाश सिंह भाग्य आजमां रहे हैं। दरभंगा से जमशेदपुर के पूर्व पुलिस अधीक्षक और बिहार के पूर्व महानिदेशक (होमगार्ड) राकेश कुमार मिश्रा खादी का रुतबा हासिल करने के लिए चुनाव प्रचार में धूल फांक रहे हैं। भोरे (सुरक्षित) सीट से पूर्व मंत्री चंद्रिका राम के पुत्र और पूर्व आईपीएस अधिकारी और विधायक सुनील कुमार जदयू के टिकट पर दूसरी बार यहांजीत का परचम लहराने के लिए बेताब हैं। नोखा से सेवानिवृत्त पुलिस उपाधीक्षक नसरुल्ला खां जनसुराज के उम्मीदवार हैं।

सिर्फ 26 सेकेंड में घोषणापत्र, नीतीश भी मौन

पटना। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने शुक्रवार को राजग पर तीखा हमला बोलते हुए बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जारी उनके संकल्प पत्र को को झूठ का पुलिंदा बताया। गहलोत एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राजग का संकल्प पत्र 2025 केवल 26 सेकंड में जारी कर दिया गया। उन्होंने कहा कि उनकी जानकारी में यह मीडियाकर्मियों के जीवन का सबसे छोटा संवाददाता सम्मेलन था। कांग्रेस नेता ने घोषणापत्र जारी होने के समय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की औपचारिक उपस्थिति पर सवाल उठाए और कहा कि अगर नीतीश कुमार बिहार में राजग का नेतृत्व कर रहे हैं तो उन्होंने खुद घोषणापत्र क्यों नहीं जारी किया। क्या वह लोगों का सामना करने या सवालों के जवाब देने की स्थिति में नहीं हैं।

● गहलोत ने राजग के घोषणापत्र को बताया झूठ का पुलिंदा

स्वास्थ्य मंत्रालय ने हासिल किए तीन गिनीज विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी

● स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत बने रिकॉर्ड

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राष्ट्रव्यापी स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत तीन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स खिताब हासिल किए हैं, जो निवारक और महिला-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को मान्यता देता है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि एक महीने में स्वास्थ्य प्लेटफॉर्म पर सबसे अधिक 3.21 करोड़ लोगों का पंजीकरण, एक सप्ताह में ऑनलाइन ब्रेस्ट कैंसर जांच के लिए सबसे अधिक 9.94 लाख लोगों का पंजीकरण और एक सप्ताह में राज्य स्तर पर ऑनलाइन वाइटल साइन जांच के लिए सबसे अधिक 1.25 लाख लोगों का पंजीकरण किया गया, जिससे यह तीन गिनीज रिकार्ड बने। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 27 सितंबर से दो अक्टूबर 2025 तक देशभर में 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान की शुरुआत की थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, हमारी माताएं, बहनें और हमारी नारी शक्ति ही राष्ट्र की प्रगति की नींव हैं। अगर मां स्वस्थ रहती है, तो पूरा परिवार स्वस्थ रहता है। ''स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान'' महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के स्वास्थ्य सुधार पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य बिमारी की शुरुआत में ही पहचान को सुदृढ़ करना, आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करना है।

डीआईजी भुल्लर की 14 दिन बढ़ी न्यायिक हिरासत

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की एक अदालत ने रिश्वत के मामले में गिरफ्तार पंजाब के निलंबित पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) हरचरण सिंह भुल्लर की न्यायिक हिरासत शुक्रवार को 14 दिन के लिए बढ़ा दी। बुड़ैल जेल में बंद भुल्लर को दो हफ्ते की न्यायिक हिरासत समाप्त होने के बाद वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये अदालत में पेश किया गया। भुल्लर के वकील ने बताया, सीबीआई ने न्यायिक हिरासत की अवधि 14 दिनों के लिए बढ़ाने का आग्रह किया था और अदालत ने इसे बढ़ाकर 14 नवंबर तक कर दिया। भुल्लर को 16 अक्टूबर को आठ लाख रुपये की रिश्वत से जुड़े मामले में एक अन्य व्यक्ति के साथ गिरफ्तार किया गया था।

जुबिन की फिल्म देखने असम में उमड़ी भीड़

गुवाहाटी, एजेंसी

दिवंगत गायक और अभिनेता जुबीन गर्ग की फिल्म देखने के बाद भावुक महिला प्रशंसक।

दिवंगत गायक एवं जुबीन गर्ग की आखिरी फिल्म आखिरी फिल्म, रोई रोई बिनाले को देखने के लिए असम के सिनेमा घरों में शुक्रवार को भारी भीड़ उमड़ पड़ी और लोग तड़के 03:30 बजे से ही सिनेमाघरों के सामने कतारों में खड़े होने लगे थे। जुबीन गर्ग की आखिरी फिल्म, रोई रोई बिनाले आज देश भर में रिलीज हो गयी। असम के अधिकांश सिनेमाघरों ने आज सुबह 4:25 बजे ही पहला शो आयोजित किया, जिसमें हाउसफुल रिकॉर्ड दर्ज किया गया। अधिकांश सिनेमाघरों ने अगले दो हफ्तों के लिए अग्रिम बुकिंग दर्ज की है। यह फिल्म भारत के 46 शहरों के सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इनमें पूर्वोत्तर में 91 स्क्रीन शामिल हैं जिनमें से 85 असम में हैं। अगले सात दिनों के लिए 585 से अधिक दैनिक शो निर्धारित हैं।

राष्ट्रव्यापी यह 150 से अधिक दैनिक शो के साथ 92 स्क्रीन पर चल रही है। राज्य भर के कई सिनेमाघरों में पहले दिन के शो के लिए टिकट पहले से बुक कराने वाले दर्शक अपने दिल की धड़कन को रूपहले पर्दे पर देखने के लिए सुबह लगभग साढ़े तीन बजे सिनेमाघरों के सामने कतार में लग गए थे। ज़्यादातर सिनेमाघरों ने जुबीन की तस्वीरें लगाकर और दीप जलाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। गौरतलब है कि 19 सितंबर को सिंगापुर में रहस्यमय परिस्थितियों में जुबिन गर्ग का निधन हो गया था।

जस्टिस फॉर जुबीन की भी गूंज

जॉय जुबीन दा और जस्टिस फॉर जुबीन गर्ग के कोरस सिनेमा हॉल में गूंज रहे थे और दर्शकों ने नम आंखों से सिनेमा का आनंद लिया। तमाम दर्शक फिल्म के दौरान रोते रहे। प्रतिक्रिया से अभिभूत फिल्म के निर्देशक राजेश भुयान ने कहा कि सुबह 4:30 बजे लोगों को इकट्ठा होते देखना दिल को छू लेने वाला है। हमारे लिए, दर्शकों का प्यार ही सबसे बड़ा इनाम है। रोई रोई बिनाले अब हमारी नहीं, बल्कि जनता की है। उन्होंने कहा कि पहली बार, लखनऊ, पुणे, देहरादून, जमशेदपुर, पटना, धनबाद, झाँसी, कटक, भुवनेश्वर, कोच्चि, जयपुर, गोवा और इंदौर जैसे शहरों में एक असमिया फिल्म दिखाई जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पटेल के सपने को किया साकार

नई दिल्ली, एजेंसी

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर रन फॉर यूनिटी की शुरुआत करते केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री मनसुख एल. मंडाविया, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता।

● सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर केंद्रीय गृहमंत्री ने रन फॉर यूनिटी को दिखाई हरी झंडी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ही जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद-370 को हटाकर सरदार वल्लभभाई पटेल के एकीकृत भारत के सपने को साकार किया। देश के पहले गृह मंत्री सरदार पटेल की 150वीं जयंती के मौके पर यहां मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में 'रन फॉर यूनिटी' को हरी झंडी दिखाते हुए शाह ने कहा कि भारत की आजादी के बाद अंग्रेजों ने देश को 562 रियासतों में बांटकर छोड़ने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि उस समय पूरी दुनिया को लगा कि इन 562 रियासतों को एक राष्ट्र में मिलाना असंभव होगा लेकिन सरदार पटेल ने बहुत कम समय में इन सभी रियासतों का एकीकरण कर दिखाया। आज हम जिस आधुनिक भारत का नक्शा देखते हैं, वह उनकी दूरदर्शिता और अथक प्रयासों का परिणाम है।

शाह ने कहा कि काठियावाड़, भोपाल, जूनागढ़, जोधपुर, त्रावणकोर और हैदराबाद जैसे क्षेत्रों ने अलग रहने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रयास किए, लेकिन सरदार पटेल की दृढ़ इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प ने उन सभी को एकजुट कर एक अखंड भारत का निर्माण किया। शाह ने कहा कि अनुच्छेद 370 के कारण जम्मू कश्मीर भारत का पूर्ण रूप से हिस्सा नहीं बन सका था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अनुच्छेद 370 को हटाकर सरदार पटेल के अधूरे कार्य को पूरा किया और आज हमारे पास 'अखंड भारत' है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकारों ने सरदार पटेल को वह सम्मान नहीं दिया जिसके वह हकदार थे। उन्होंने कहा कि देश के एकीकरण के निर्माता को भारत रत्न देने में भी 41 साल की देरी हुई। शाह ने कहा कि कांग्रेस शासन में न तो उनके नाम पर कोई भव्य स्मारक बना और न ही कोई स्मृति स्थल। जब नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री बने तभी उन्होंने सरदार पटेल की स्मृति में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का विचार रखा और एक भव्य स्मारक बनाया। इस प्रतिमा की नींव 31 अक्टूबर 2013 को रखी गई थी।'' शाह ने कहा कि सरदार पटेल के नेतृत्व गुण 1928 के बारदोली सत्याग्रह के दौरान स्पष्ट रूप से दिखाई दिए, जो किसानों पर हुए अन्याय के खिलाफ शुरू किया गया था। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के नेतृत्व में किसानों ने अपना आंदोलन शुरू किया और एक छोटे से शहर से शुरू हुआ आंदोलन जल्द ही देशव्यापी किसान आंदोलन में बदल गया, जिससे अंग्रेजों को उनकी मांगें स्वीकार करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

राष्ट्रीय एकता-अखंडता के प्रतीक थे पटेल

इससे पहले, शाह ने यहां पटेल चौक पर सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में लौह पुरुष' सरदार पटेल को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें राष्ट्रीय एकता, अखंडता और किसानों के सशक्तीकरण का प्रतीक बताया। उन्होंने लिखा कि सरदार साहब ने रियासतों का विलय कर देश की एकता और सुरक्षा को मजबूत किया और किसानों, पिछड़े वर्गों तथा वंचितों को सहकारिता से जोड़कर आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन की दिशा में अग्रसर किया। शाह ने कहा कि सरदार पटेल का दृढ़ विश्वास था कि भारत के विकास की धुरी किसानों की समृद्धि में निहित है।

मेरा व्यक्तिगत विचार है कि आरएसएस पर प्रतिबंध लगे: खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर फिर से प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए क्योंकि देश में कानून व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं के लिए यही संगठन जिम्मेदार है।

उन्होंने यह भी कहा कि यह उनका व्यक्तिगत विचार है। खरगे ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के एक बयान से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए संवाददाताओं से कहा, मेरा व्यक्तिगत विचार है और खुलकर बोलूंगा कि आरएसएस पर प्रतिबंध लगना चाहिए। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने जो चीजें आरएसएस को लेकर हमारे सामने रखी हैं, अगर उसकी मर्यादा प्रधानमंत्री और गृह मंत्री रखते हैं तो यह प्रतिबंध होना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, आज देश में जो गड़बड़ियां हो रही हैं और कानून-व्यवस्था की समस्यां पैदा हो रही हैं, ये सब भाजपा और आरएसएस की वजह से हैं।

एसपी की मंजूरी के बिना वकीलों को तलब नहीं कर सकेंगे जांच अधिकारी

सर्वोच्च न्यायालय ने खारिज किए अब तक भेजे गए समन

नई दिल्ली, एजेंसी

वकील-मुवक्किल विशेषाधिकार की रक्षा के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को जांच एजेंसियों को मुवक्किलों को सलाह देने के वास्ते वकीलों को मनमाने ढंग से तलब करने पर रोक लगाने के लिए कई निर्देश जारी किए और कहा कि जांच अधिकारी उन्हें तब तक नहीं बुला सकते जब तक कि पुलिस अधीक्षक की मंजूरी न हो।

ईडी की ओर से वकीलों को भेजे गए समन को खारिज करते हुए पीठ ने कहा कि यह उन आरोपियों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है जिन्होंने वकीलों को पैरवी के लिए चुना था। पीठ ने कहा कि उसने वकीलों की सुरक्षा के लिए नियम में छूट को सुसंगत बनाने का अनुरोध किया है और जांच एजेंसियों के अनुचित दबाव से कानूनी पेशे की रक्षा के लिए नए निर्देश जारी किए हैं।

ईडी ने भेजे थे समन

सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन तथा न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने ईडी की ओर से धन शोधन जांच के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार और प्रताप वेणुगोपाल को तलब किए जाने के बाद स्वत: संज्ञान मामले में यह फैसला सुनाया।

दिल्ली दंगों से मेरे संबंध का कोई सबूत नहीं: खालिद

नई दिल्ली। दिल्ली में फरवरी 2020 में हुए दंगों से जुड़े यूएपीए मामले में जमानत का आग्रह करते हुए कार्यकर्ता उमर खालिद ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा कि हिंसा से उसके संबंध का कोई सबूत नहीं है तथा उसके खिलाफ लगाए गए साजिश के आरोप गलत हैं। खालिद की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ को बताया कि दिल्ली दंगों से उसे जोड़ने वाले धन, हथियार या किसी भी भौतिक साक्ष्य की कोई बरामदगी नहीं हुई है। उन्होंने कहा, 751 प्राथमिकी हैं, एक में मुझ पर आरोप लगाया गया है, और अगर यह एक साजिश है, तो यह आश्चर्यजनक है। जिन तारीखों को दंगे हुए, वह दिल्ली में नहीं था। उसके खिलाफ कोई साक्ष्य अभी तक नहीं मिला है।

सीएपीएफ : केंद्र की पुनर्विचार याचिका खारिज

नई दिल्ली। केंद्र को झटका देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उस फैसले पर पुनर्विचार की याचिका खारिज कर दी है जिसमें निर्देश दिया गया था कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में आईपीएस अफसरों की प्रतिनियुक्ति कम कर छह महीने में कैडर समीक्षा की जाए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ केंद्र की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें सुप्रीम कोर्ट के 23 मई के फैसले की समीक्षा का आग्रह किया गया था।

पिकअप के पीछे से घुसी कार, बरेली के दो कपड़ा कारोबारियों की मौत

संवाददाता, गजरौला/बरेली

जाहिद सलमान (फाइल)

● अमरोहा के गजरौला में हादसा अवैध कट बना हादसे का कारण

● हरियाणा से लौट रहे थे सीबीगंज के कपड़ा कारोबारी, दो गंभीर घायल

अमृत विचार : हरियाणा से कारचोवी का तैयार कपड़ा बेच कर अर्टिगा कार से अपने घर लौट रहे कपड़ा व्यापारियों की अमरोहा के गजरौला में हाईवे पर बने अवैध कट के कारण कार सीधा पिकअप के पीछे जा घुसी। हादसे में दो कारोबारियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार में सवार दो अन्य कपड़ा कारोबारी गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान सीबीगंज के गांव तिलियापुर निवासी जाहिद खान (35) और सलमान खान (28) के रूप में हुई। सीबीगंज के गांव तिलियापुर निवासी आसिम खान, सलमान, जाहिद और अनीस आपस में दोस्त हैं। चारों कपड़ा कारोबारी हैं। कुछ दिन पहले चारों दोस्त कपड़ा बेचने हरियाणा गए थे। वह गुरुवार की रात में बरेली के लिए वापस लौट रहे थे। चारों एक कार में सवार थे। अनीस कार चला रहा था, जबकि, तीनों दोस्त कार में बैठे थे। शुक्रवार सुबह जब उनकी कार गजरौला से निकली तो रेस्टोरेंट के सामने हाईवे पर बने अवैध कट पर पिकअप चालक ने बिना इंडिकेटर दिए अचानक अपनी गाड़ी को मोड़ दिया, जिससे पीछे से आ रही कार सीधा उसमें जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार आगे से पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

मिलावटी घी बनाने वाली फैक्टरी का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। बवाना औद्योगिक क्षेत्र में मिलावटी घी बनाने वाली एक अवैध फैक्टरी चलाने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि छापेमारी के दौरान पुलिस टीम ने 3,700 लीटर से अधिक नकली घी, बड़ी मात्रा में कच्चा माल, पैक करने वाली सामग्री और इसे बनाने में प्रयुक्त मशीनरी भी जब्त की। आरोपियों की पहचान हरियाणा निवासी सतेंद्र और परवीन के रूप में हुई है। सूचना मिली थी कि औद्योगिक क्षेत्र में लोकप्रिय ब्रांड के लेबल लगाकर मिलावटी घी बनाया जा रहा है।

दिल्ली : 2023 में वायु प्रदूषण की वजह से हुई 15% मौतें

नई दिल्ली, एजेंसी

● ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज संस्था ने किया आंकड़ों का विश्लेषण

वायु प्रदूषण दिल्ली के लोगों के लिए सबसे बड़ा स्वास्थ्य जोखिम बना हुआ है जो वर्ष 2023 में मौत के सभी मामलों में से लगभग 15 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार है। नवीनतम 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज' (जीबीडी) के आंकड़ों के विश्लेषण से यह जानकारी सामने आई है।

इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन (आईएचएमई) ने इस महीने की शुरुआत में जारी जीबीडी 2023 के आंकड़ों के विश्लेषण में पाया कि आसपास के परिवेश में मौजूद प्रदूषण कणों के संपर्क में आने से 2023 में दिल्ली में 17,188 लोगों की मौत होने का अनुमान है। इसका मतलब है कि दिल्ली में हर सात में से एक व्यक्ति की मौत प्रदूषित हवा से जुड़ी थी। हालांकि, केंद्र सरकार का कहना है कि वायु प्रदूषण और मौत के मामलों के बीच सीधा संबंध स्थापित करने के लिए कोई निर्णायक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है।

रिपोर्ट के मुताबिक वायु प्रदूषण के बाद वर्ष 2023 में दिल्ली में होने वाले मौत के अन्य प्रमुख जोखिम वाले कारकों में उच्च सिस्टोलिक रक्तचाप (14,874 लोगों की मौत या 12.5%), लंबी अवधि तक बिना खाए रहने से जुड़ी शर्करा या मधुमेह की स्थिति (10,653 लोगों मौत या नौ%), उच्च कोलेस्ट्रॉल (7,267 लोगों की मौत या छह%) और उच्च बॉडी-मास इंडेक्स (6,698 लोगों की मौत या 5.6%) शामिल थे। 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर' (सीआरईए) के शोधकर्ताओं ने हालिया जीबीडी आंकड़े का विश्लेषण किया।

सीआरईए ने कहा कि साल-दर-साल उतार-चढ़ाव के बावजूद प्रदूषक कणों के कारण होने वाली मौत लगातार अत्यधिक बनी हुई है जो अक्सर उच्च रक्तचाप या मधुमेह से जुड़ी मौत से अधिक होती हैं।

वायु प्रदूषण सिर्फ एक पर्यावरणीय समस्या नहीं है, यह जन स्वास्थ्य संकट है जिसके लिए प्रदूषणकारी क्षेत्रों में विज्ञान आधारित कार्रवाई की जरूरत है ताकि वास्तविक और मापने योग्य प्रदूषण में कमी लाई जा सके। - सीआरईए के विश्लेषक मनोज कुमार

वायु प्रदूषण श्वसन संबंधी बीमारियों को प्रभावित करने वाले कारकों में से एक है और निश्चित रूप से चिंता का विषय है लेकिन इसे मृत्यु दर का एकमात्र कारण मानना वैज्ञानिक रूप से सटीक नहीं है। - केंद्रीय मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह राज्यसभा में

जीबीडी अध्ययन दुनिया की सबसे व्यापक शोध परियोजनाओं में एक है जो सभी देशों में आकलन करता है कि लोगों की मृत्यु कैसे होती है और किन कारणों से वे बीमार पड़ते हैं।

अमृत विचार

शनिवार, 1 नवंबर 2025

झूठे ज्ञान से खबरदार रहिए, यह अज्ञान से भी ज्यादा खतरनाक है।
–**जार्ज बर्नाड शॉ**, आइरिश नाटककार

विश्व वर्चस्व की दहलीज

भारतीय महिला क्रिकेट टीम द्वारा सात बार की विश्व चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया को हराना महज एक मैच की जीत नहीं, बल्कि अपने क्षेत्र में युगांतरकारी घटना है। कौशल तथा तकनीकी दृष्टि से कठिन यह मुकाबला हार की हैट्रिक लगा कर आ रही भारतीय टीम की मानसिक मजबूती और उसके समन्वय का कड़ा इम्तिहान था। यह मैच फाइनल से भी ज्यादा चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि पिछले दस वर्षों में खेले गए अंतर्राष्ट्रीय मुकाबलों में 75 प्रतिशत से अधिक जीत प्रतिशत बनाए रखने वाली ऑस्ट्रेलिया को हराना, महिला क्रिकेट में लगभग 'असंभव' माना जाता है। हालांकि यह भारत ही है, जिसने उसे कई बार टक्कर दी है और विश्व कप के सेमीफाइनल में पहले भी हराया है।

2022 के कॉमनवेल्थ गेम्स के फाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को अंतिम ओवर तक चुनौती दी थी, जबकि 2023 की बाइलैटरल सीरीज में भारत ने उन्हें सुपर ओवर में हराकर इतिहास रचा था। इस विजय से साफ है कि भारतीय महिला क्रिकेट ने खुद को दुनिया की शीर्ष चार टीमों, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की कतार में दृढ़ता से स्थापित कर लिया है। भारतीय टीम केवल प्रतिस्पर्धी नहीं, विजेता मानसिकता वाली टीम बन चुकी है। भारत ने पिछले पांच वर्षों में टी-20 और वनडे दोनों प्रारूपों में लगभग 63 प्रतिशत मुकाबले जीते हैं। यह किसी भी उभरती क्रिकेट शक्ति के लिए शानदार रिकॉर्ड है। बल्लेबाजी में निरंतर सुधार इसका सबसे बड़ा आधार है। नमूने के बतौर स्मृति मंधाना ने पिछले 24 महीनों में 42.7 के औसत से रन बनाए हैं और स्ट्राइक रेट 130 से ऊपर रखा है। हरमनप्रीत महिला क्रिकेट इतिहास की सर्वश्रेष्ठ बैटर में शुमार हैं। जेमिमा ने अभी शानदार शतक बनाया, तो शेफाली वर्मा और रिचा घोष जैसी निरंतर आक्रामकता महिला क्रिकेट में दुर्लभ है। गेंदबाजी में भी भारत ने प्रभावी प्रगति की है। रेनुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा ने इस क्षेत्र में कई कीर्तिमानी कारनामे अंजाम दिए हैं, हालांकि 'डेथ ओवर्स' की गेंदबाजी और स्पिन विकल्पों में और गहराई लाने की ज़रूरत है।

कई बार शुरुआती सफलता को हमारे गेंदबाजों ने अपने भोथरे आक्रमण से गंवा दिया है। फिलहाल टीम की सबसे बड़ी चुनौती निचले क्रम की बैटिंग और फील्डिंग है। निचले क्रम की बैटर्स का औसत सिर्फ 11.2 रन प्रति खिलाड़ी है, जो ऑस्ट्रेलिया की 17.6 और इंग्लैंड की 15.8 से बहुत पीछे है। हमारा कैच ड्रॉप प्रतिशत 12 के आसपास है। संसार की ऊपरी पायदान वाली टीमों में सबसे अधिक। इन दोनों क्षेत्रों में सुधार अत्यंत आवश्यक है, हालांकि इधर यह टीम न केवल खेल तकनीकी बल्कि मानसिक दृढ़ता में भी मजबूत हुई है। यह वही आत्मविश्वास है, जिसने ऑस्ट्रेलिया जैसी अजेय टीम को किस्मत से नहीं बाकायदा अपने खेल से मात दी। इसे देख लगता है भारतीय महिला टीम क्रिकेट के स्वर्ण युग की दहलीज पर है। बल्लेबाजी की निरंतरता, गेंदबाजी की धार और फील्डिंग की सटीकता को संयम और समन्वय के साथ बरकरार रखा गया, तो वह निकट भविष्य में ऐसी टीम बन सकती है, जिसे क्रिकेट के तीनों प्रारूपों- टेस्ट, वनडे और टी-20 में हराना लगभग असंभव होगा।

प्रसंगवश

हलाल सर्टिफिकेशन का समाजशास्त्र

उत्तर प्रदेश में हलाल सर्टिफिकेशन एक बार फिर चर्चा में है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में हलाल-प्रमाणित उत्पादों की बिक्री और खरीद पर हाल ही में लगे प्रतिबंध का पुरजोर बचाव किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे प्रमाणन से जुटाई गई राशि का आतंकवाद, लव जिहाद और धर्मांतरण के लिए दुरुपयोग किया जा रहा था। आरएसएस शताब्दी समारोह में बोलते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि हलाल प्रमाणन सरकारी नियंत्रण से बाहर एक समानांतर, अनियंत्रित प्रणाली बन गई थी। यूपी में हलाल सर्टिफिकेशन को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। मुख्यमंत्री के बयान के बाद हलाला सर्टिफिकेट पर राजनीति गरमा गई है।

रोहित माहेश्वरी
स्वतंत्र पत्रकार

ज्ञात हो कि नवंबर 2023 में उत्तर प्रदेश सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर हलाल प्रमाणन वाले खाद्य उत्पादों के उत्पादन, भंडारण, वितरण और बिक्री पर रोक लगा दी थी, जबकि निर्यात के लिए निर्मित उत्पादों को छूट दी गई थी। हलाल सर्टिफिकेशन के खिलाफ लखनऊ में देश का पहला केस दर्ज किया गया था। इसमें चार के खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल की गई थी। हलाल एक अरबी शब्द है, जिसका अर्थ होता है वैध या अनुमति प्राप्त। आमतौर पर यह शब्द मांस के संदर्भ में प्रयोग किया जाता है। इस्लामिक मान्यताओं के अनुसार, हलाल तरीके से मांस तैयार करने में जानवर को झटके से नहीं काटा जाता, बल्कि धीरे-धीरे उसकी गर्दन से खून निकाला जाता है। इससे शरीर में ब्लड क्लॉटिंग नहीं होती और पूरा खून बाहर निकल जाता है।

ऐसे मांस को इस्लाम में 'जिबह' करना कहा जाता है और इसी मांस को खाना जायज माना गया है, हालांकि अब हलाल शब्द सिर्फ मांस तक सीमित नहीं रहा। आजकल खाने-पीने, कॉस्मेटिक और दवाओं तक में यह सर्टिफिकेशन दिया जाता है, ताकि यह साबित हो सके कि उनमें कोई हराम तत्व (वर्जित चीज) नहीं है। यानी कि हलाल सर्टिफिकेशन एक तरह का 'पवित्रता प्रमाणपत्र' है, जो बताता है कि उत्पाद इस्लामिक मान्यताओं के अनुरूप है और सभी धर्मों के लोग इसे बेझिझक इस्तेमाल कर सकते हैं। मुस्लिम धर्म गुरुओं के अनुसार, हलाल सर्टिफिकेशन सिर्फ मांस ही नहीं, बल्कि खाने-पीने, दवाओं और कॉस्मेटिक उत्पादों से भी जुड़ा है।

भारत में हलाल सर्टिफिकेशन अनिवार्य नहीं है, बल्कि यह एक स्वैच्छिक प्रक्रिया है। यानी खाद्य निर्माता को इसे लेना आवश्यक नहीं है। भारत में हलाल सर्टिफिकेशन को सरकार द्वारा राष्ट्रीय मानक के रूप में नियंत्रित नहीं किया गया है। भारत में हलाल सर्टिफिकेट जारी करने का कोई सरकारी तंत्र नहीं है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) केवल खाद्य सुरक्षा से संबंधित मानक तय करता है, लेकिन हलाल सर्टिफिकेट नहीं देता। देश में 'हलाल सर्टिफिकेशन' की सिर्फ चार संस्थाएं हैं। चारों इस्लामी हैं। भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय ने ही इन निजी संस्थाओं को 'हलाल सर्टिफिकेशन' के लिए अधिकृत किया है।

आरोप है कि कई कंपनियां बिना जांच के पैसे देकर सर्टिफिकेट हासिल कर लेती हैं। उत्तर प्रदेश में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां फर्जी हलाल सर्टिफिकेशन के जरिए लोगों को गुमराह किया गया। सरकार ने इस पर सख्त रुख अपनाते हुए इसे प्रतिबंधित करने का निर्णय लिया। इस सर्टिफिकेशन का चलन 1974 में मांस के लिए ही हुआ था, लेकिन 1993 में अन्य उत्पादों पर भी लागू कर दिया गया। अब दूध, दही, पनीर जैसे डेयरी उत्पाद, बिस्कुट, चिप्स, कोल्ड ड्रिंक, मसाले, तेल सरीखे शाकाहारी उत्पाद, फलियां, मेवे, अनाज और चीनी आदि भी 'हलाल सर्टिफिकेशन' के दायरे में हैं।

सांसों पर छाई सर्दियों की जहरीली चादर

राजेश श्रीनेत
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में सर्दियों का मौसम भले ही राहत और ठंडक लेकर आता हो, पर यही मौसम हमारे शहरों की हवा को सबसे ज़्यादा जहरीला बना देता है। दिसंबर और जनवरी के महीनों में दिल्ली, लखनऊ, पटना, कानपुर और कोलकाता जैसे शहरों का आसमान धुंध और धुएं से ढक जाता है। सुबह की ठंडी हवा अब ताजगी नहीं देती, बल्कि गले में जलन और आंखों में चुभन छोड़ती है। लोग जब मास्क लगाकर सड़क पर निकलते हैं, तो यह सिर्फ संक्रमण से बचाव के लिए नहीं, बल्कि सांस लेने लायक हवा की कमी से बचने का प्रयास भी है। सवाल यह है कि आखिर सर्दियों में हवा इतनी खराब क्यों हो जाती है और इसे कैसे समझा जाए।

हाल ही में वैज्ञानिकों ने भारत की सर्दियों की वायु गुणवत्ता को गहराई से समझने की कोशिश की। उन्होंने एक उन्नत वायुमंडलीय मॉडल का प्रयोग किया, जो हवा में मौजूद गैसों और कणों की गति, मिश्रण और रासायनिक बदलावों को समझने में मदद करता है। इस अध्ययन में पूरे भारतीय उपमहाद्वीप को बारह गुणा बारह किलोमीटर के छोटे हिस्सों में बांटकर यह देखा गया कि प्रदूषक किस तरह फैलते हैं और किस इलाके में जमा हो जाते हैं। अध्ययन 2015-16 की सर्दियों में किया गया, जब कई हिस्सों में वायु प्रदूषण चरम पर था।

वैज्ञानिकों ने गैसों और धूल-कणों की रासायनिक प्रक्रिया को समझने के लिए विशेष गणनाएं कीं। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध आंकड़ों को भारत की स्थिति के अनुसार बदला, ताकि परिणाम यथार्थ के करीब हों। अध्ययन से यह पता चला कि सर्दियों में महीन कणों, कालिख, नाइट्रोजन यौगिकों, गंधक और अन्य गैसों का उत्सर्जन कई गुना बढ़ जाता है। ठंडी और स्थिर हवा इन प्रदूषकों को ऊपर उठने नहीं देती, इसलिए वे जमीन के पास फंसे रहते हैं और हवा को दूषित करते हैं।

अध्ययन में दिल्ली, अहमदाबाद, बेंगलूरु, चेन्नई, आगरा, लखनऊ, पटना, मुंबई, कोलकाता और हैदराबाद जैसे दस प्रमुख शहरों के निगरानी आंकड़ों की तुलना मॉडल के परिणामों से की गई। नतीजे बताते हैं कि वैज्ञानिक मॉडल ने महीन कणों की मात्रा का अनुमान काफी सटीक लगाया। नाइट्रोजन डाईऑक्साइड की सांद्रता भी ठीक तरह से आंकी गई। कार्बन मोनोऑक्साइड का अनुमान थोड़ा कम रहा, पर अंतर बहुत अधिक नहीं था। ओजोन के स्तर को दिल्ली में मॉडल ने ठीक दिखाया, लेकिन दूसरे शहरों में दिन के समय यह वास्तविक मापों से अधिक निकला। इन नतीजों से यह स्पष्ट हुआ कि उत्तर और पूर्व भारत के शहर, विशेषकर गंगा के मैदानी इलाकों वाले शहर सर्दियों में सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं।

इस क्षेत्र में खेती के बाद पराली जलाना, डीजल वाहनों का उत्सर्जन, औद्योगिक धुआं और ठंडी हवा- सभी मिलकर प्रदूषण का बोझ बढ़ाते हैं। तापमान कम होने से हवा का प्रवाह धीमा हो जाता है और प्रदूषक हवा में मिल नहीं पाते। परिणामस्वरूप पूरा क्षेत्र धुएं की परत से ढक जाता है। अध्ययन ने यह भी दिखाया कि दिन और रात के दौरान प्रदूषण के उतार-चढ़ाव का पैटर्न वास्तविक मापों के समान था। यानी, मॉडल हवा में मौजूद कणों और गैसों के व्यवहार को सही तरह समझ पा रहा था। यह सकारात्मक संकेत है कि भारत में ऐसे वैज्ञानिक उपकरण अब उपलब्ध हैं, जो वायु गुणवत्ता की सटीक भविष्यवाणी कर सकते हैं।

फिर भी अध्ययन ने कुछ कमियां भी उजागर कीं। सबसे पहले, भारत में अभी तक स्थानीय स्तर पर उत्सर्जन के ताजा और नियमित आंकड़े नहीं जुटाए जाते। अधिकतर आंकड़े सालाना औसत पर आधारित हैं, जबकि वास्तविकता में प्रदूषण हर दिन बदलता है। किसी दिन ट्रैफिक ज्यादा होता है, किसी दिन पराली जलाने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। अगर रोजाना का उत्सर्जन डेटा तैयार हो, तो हवा की गुणवत्ता का अनुमान और सटीक लगाया जा सकता है।

दूसरी जरूरत है कि देश के पास एक राष्ट्रीय उत्सर्जन सूची हो, जिसमें हाल के वर्षों के आंकड़े और स्थानीय गतिविधियों का असर शामिल किया जाए। तीसरी बड़ी जरूरत है कि वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र केवल बड़े शहरों तक सीमित न रहें। आज भी भारत के अधिकतर ग्रामीण इलाकों में हवा की गुणवत्ता का कोई मापन नहीं होता, जबकि गांवों में भी अब पराली जलाने, ईंधन के धुएं और सड़क निर्माण जैसी गतिविधियों से प्रदूषण बढ़ रहा है।

यदि इन सुधारों को लागू किया जाए तो वैज्ञानिक मॉडल न केवल अधिक सटीक होंगे, बल्कि सरकारों और नीति-निर्माताओं को भी ठोस निर्णय लेने में सहायता मिलेगी। उदाहरण के लिए, अगर किसी शहर या राज्य के पास यह जानकारी हो कि किस दिन और किस स्रोत से कितना प्रदूषण हुआ, तो नीति बनाना और नियंत्रण करना आसान हो जाएगा। यह चेतावनी प्रणाली बनाने में भी मदद करेगा ताकि लोगों को पहले से बताया जा सके कि आने वाले दिनों में हवा कितनी खराब होगी।

यह अध्ययन हमें एक गहरी सीख देता है कि सर्दियों में बढ़ता प्रदूषण केवल मानवीय गलती का नतीजा नहीं है। यह मौसम, भूगोल, औद्योगिक गतिविधियों और हमारी जीवनशैली का संयुक्त प्रभाव है। जब तक हम इसे समझकर स्थानीय स्तर पर उपाय नहीं करेंगे, तब तक यह संकट हर साल और गहराता जाएगा। साफ हवा किसी विलासिता की चीज नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक का बुनियादी अधिकार है। विज्ञान, समाज और शासन- तीनों को मिलाकर इस अधिकार की रक्षा करनी होगी। जब तक हम अपने शहरों और गांवों की हवा के प्रति उतने ही जागरूक नहीं होंगे, जितने हम अपनी राजनीति या अर्थव्यवस्था को लेकर हैं, तब तक सर्दियों की यह धुंध हमारी सांसों को रोकती रहेगी। साफ हवा का सपना तभी पूरा होगा, जब विकास के हर कदम के साथ पर्यावरण का संतुलन भी हमारे विचारों का हिस्सा बनेगा।

वैज्ञानिक अध्ययन से पता चला है कि सर्दियों में महीन कणों, कालिख, नाइट्रोजन यौगिकों, गंधक और अन्य गैसों का उत्सर्जन कई गुना बढ़ जाता है। वे जमीन के पास फंसे रहते हैं और सांस लेने वाली हवा को दूषित करते हैं।

आमने

मेरी एक इच्छा है, वो ये कि हिंदू धर्म में पली-बढ़ी पत्नी उषा वेंस एक दिन कैथोलिक चर्च से प्रभावित होंगी और ईसाई धर्म अपना लेंगी, लेकिन अगर वो ऐसा नहीं करतीं, तो ईश्वर ने कहा है कि हर किसी को आजादी है, इसलिए यह मेरे लिए कोई समस्या नहीं है।
–**जेडी वेंस**, अमेरिकी उपराष्ट्रपति

सामने

अमेरिका के उपराष्ट्रपति ने कहा कि वो हिंदू परंपराएं, जिन्हें उनकी पत्नी और लाखों अमेरिकी मानते हैं, पर्याप्त अच्छी नहीं हैं। किसी ऐसे व्यक्ति के लिए, जो सभी अमेरिकियों का राष्ट्रपति बनना चाहता है, इस तरह का कमेंट, यह कोई जीतने वाली रणनीति नहीं है।
–**सुहाग शुक्ला**, हिंदू-अमेरिकन फाउंडेशन की निदेशक

भारत का मजबूत उपभोग तंत्र और चुनौतियां

प्रो. एचसी पुरोहित
डीन, दून यूनिवर्सिटी

जीएसटी 2.0 के अमल में आने से उपभोक्ता वस्तुओं पर अब 5 और 18 प्रतिशत की दर से कर लग रहा है, जिसके कारण अधिकांश उपभोक्ता वस्तुएं सस्ते दामों पर मिल रही हैं। सितंबर माह के आखिरी सप्ताह के बाद के आंकड़े आर्थिक विचारकों और नीति-निर्माताओं के लिए उत्साहवर्धक हैं। नवरात्रि से ही दुपहिया वाहनों सहित सभी प्रकार के ऑटोमोबाइल उत्पादों की रिकॉर्ड तोड़ बिक्री ने यह उम्मीद जगा दी है कि भारत का मजबूत उपभोग तंत्र किसी भी प्रकार की चुनौती या झटके का सामना करने में सक्षम है। इसका प्रमुख कारण जीएसटी दरों में बदलाव और आयकर स्लैब में मिली राहत से मध्य वर्ग की बढ़ी क्रय-शक्ति मानी जा सकती है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि इस वर्ष सितंबर में भारत के आठ प्रमुख उद्योगों की वृद्धि दर पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में तीन प्रतिशत अधिक रही। इस दौरान इस्पात और सीमेंट सेक्टर का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा है, जिसका मुख्य कारण सरकार द्वारा संचालित बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की बढ़ती मांग है। इससे इस्पात की मांग भी बढ़ी, जो पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में 14.1 प्रतिशत की दर से बढ़ी है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के आंकड़े बताते हैं कि सितंबर माह में औद्योगिक उत्पादन चार प्रतिशत की दर से बढ़ा है, जिसका प्रमुख कारण विनिर्माण क्षेत्र की 4.8 प्रतिशत की वृद्धि दर है। देश में विनिर्माण क्षेत्र की लगातार हो रही वृद्धि निवेशकों को आकर्षित कर रही है, जिससे प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हर वर्ष बढ़ रहा है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश अप्रैल से जुलाई के मध्य 208.57 प्रतिशत बढ़कर 10.8 अरब डॉलर पहुंच गया, जो एक सुखद संकेत है। वर्ष 2023-2024 में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 61.88 लाख करोड़ था, जो वर्ष 2024-2025 में बढ़कर 68.75 लाख करोड़ हो गया है। आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, सर्वाधिक 20 प्रतिशत एफडीआई में अमेरिका की हिस्सेदारी है और सिंगापुर 14.3 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर है। विनिर्माण के क्षेत्र में सर्वाधिक एफडीआई 48.4 प्रतिशत है, जो अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शाता है। लगातार बढ़ रहा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से रोजगार सृजन एवं आर्थिक विकास की गति को बढ़ाने में सहायक होगा।

कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के आंकड़े बताते हैं कि नवरात्रि से दीपावली तक कुल 6.05 लाख करोड़ का कारोबार हुआ, जिसमें 5.40 लाख करोड़ वस्तुओं की बिक्री से संबंधित है तथा 65,000 करोड़ रुपये सेवाओं से, जिसमें पैकेजिंग, यात्रा, ट्रांसपोर्ट इत्यादि शामिल हैं। ई-कॉमर्स के लिए भी यह सीजन काफी शानदार रहा, जिसमें क्विक कॉमर्स ऑर्डर्स में 120 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट से स्पष्ट है कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक आर्थिक नरमी के बावजूद मजबूत सरकारी खर्च, बढ़ती घरेलू मांग और निर्यात में वृद्धि के कारण तेजी से बढ़ रही है।

डिलॉयट इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का सकल घरेलू उत्पाद चालू वित्त वर्ष में 6.7 से 6.9 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत अन्य देशों की तुलना में मजबूती से उभरती हुई एक आर्थिक शक्ति है। व्यापार और निवेश की अनिश्चितताओं के कारण वृद्धि का सटीक आकलन थोड़ा मुश्किल अवश्य है, परंतु कर सुधार और त्योहारी सीजन में उपभोक्ता वस्तुओं की बढ़ती मांग से निजी निवेश के बढ़ने की प्रबल संभावना है, जिससे बढ़ी हुई उपभोक्ता मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। डिजिटल भुगतान प्रकिया के अमल में आने से व्यापारिक गतिविधियां आसान एवं पारदर्शी हुई हैं, जिससे आम व्यक्ति का भरोसा बढ़ा है।

आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 के दौरान डिजिटल ट्रांजेक्शन मात्रा की दृष्टि से 99.7 प्रतिशत रहा है, जबकि मूल्य के हिसाब से यह 97.5 प्रतिशत है। इतनी बड़ी मात्रा में डिजिटल ट्रांजेक्शन का होना भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली एवं डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की मजबूती को दर्शाता है, जिसके अंतर्गत क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, आरटीजीएस, यूपीआई आदि शामिल हैं। लगातार बढ़ रहे डिजिटल ट्रांजेक्शन से लेनदेन व भुगतान प्रक्रिया सुचारु होने के साथ ही पारदर्शिता भी बढ़ी है।

देश का मजबूत उपभोग तंत्र और औद्योगिकीकरण की बढ़ती गति का प्रमुख कारण तेजी से सुदृढ़ होता ढांचागत स्वरूप, लगातार सुधरता लॉजिस्टिक तंत्र एवं पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था है, जो वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद अर्थव्यवस्था की विकास दर को बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रही है। समावेशी विकास के लिए गुणवत्तायुक्त शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार सुदूर ग्रामीण अंचलों तक करना आवश्यक है। साथ ही, क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करने एवं ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन रोकने के लिए ग्रामीण, कृषि, औद्यानिकी एवं वानिकी आधारित उद्यमिता विकास को प्रोत्साहित करना होगा। लगातार बढ़ती जनसंख्या से उत्पन्न जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों और प्राकृतिक आपदाओं से बाधित होती विकास की गति को बनाए रखने के लिए दीर्घकालीन समाधान के उपायों पर कार्य करना भी बड़ी चुनौती है।

कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के आंकड़े बताते हैं कि नवरात्रि से दीपावली तक कुल 6.05 लाख करोड़ का कारोबार हुआ, जिसमें 5.40 लाख करोड़ वस्तुओं की बिक्री से संबंधित है।

सोशल फोरम

साहित्यकार आंद्रे जीड व दोस्तोएव्स्की का 'संवाद'

रात की ठंडी हवा में पेरिस की गलियों पर एक आदमी टहल रहा है। उसके चेहरे पर थकान है, पर आंखों में एक अजीब चमक। यह आंद्रे जीड हैं, अपने समय के सबसे बेचैन और खोजी साहित्यकार।

डॉ. सत्यजीत साहू
ब्लॉगर

वह बुदबुदाते हैं, "क्या कोई लेखक इतना गहरा हो सकता है कि हमें हमारी अपनी परछाइयों से मिला दे?" यह प्रश्न उन्हें बार-बार उसी ओर ले जाता है- फ़्योदोर दोस्तोएव्स्की।

किसी कैफे की मेज पर जीड बैठे हैं। सामने किताबों का ढेर, क्राइम एंड पनिशमेंट, द ब्रदर्स करमझोव, द इडियट। कॉफी का प्याला ठंडा हो चुका है, पर वह पन्नों में डूबे हैं।

"आंद्रे, तुम बार-बार इन रूसी किताबों में क्यों खो जाते हो? यूरोप में और भी महान लेखक हैं, शेक्सपियर, गेटे, पास्काल।"

"क्योंकि यहां, इन पन्नों में, मैं इंसान को उसकी पूरी सच्चाई में देखता हूं, उसकी कमजोरियों, उसके अपराधों, उसके भगवान और शैतान के बीच फंसे अस्तित्व को।"

जीड लिखते हैं, "पश्चिम में हमने साहित्य को अक्सर सजावट की कला बना दिया है। पर दोस्तोएव्स्की के यहां साहित्य चाकू की धार है। वह इंसान की हकीकत को परतों को काटता है, रक्त बहाता है और फिर घाव पर प्रकाश डालता है।"

वे मानते हैं कि दोस्तोएव्स्की को पढ़ना आसान नहीं है। यह ऐसा है मानो कोई आपको अंधेरे कमरे में धकेल दे और कहे, "अब देखो, यह तुम हो।"

एक रात जीड अपने कमरे में अकेले हैं। वे अपनी नोटबुक में दोस्तोएव्स्की से संवाद करते हैं।

जीडः "फ़्योदोर, तुम क्यों इतने क्रूर हो अपने पात्रों के साथ?"

दोस्तोएव्स्की (कल्पना में): "क्योंकि पीड़ा ही सत्य का रास्ता है। बिना पीड़ा के इंसान केवल मुखौटा है।"

जीडः "पर तुम्हारे पात्र टूटते-फूटते क्यों हैं?"

दोस्तोएव्स्कीः "टूटने में ही ईश्वर से मिलने की संभावना है। पूर्णता केवल ईश्वर में है, मनुष्य में नहीं।"

आंद्रे जीड अंततः लिखते हैं, 'दोस्तोएव्स्की ने मुझे यह सिखाया कि साहित्य केवल शब्दों का खेल नहीं, बल्कि जिंदगी का दार्शनिक सफर है और इस सफर में लेखक और पाठक दोनों को साहस चाहिए।'
-फेसबुक वाल से

सामयिकी

बिहार चुनावः मुद्दे से ज्यादा जातीय समीकरण हावी

इस समय बिहार में विधानसभा का चुनाव प्रचार अपनी चरम सीमा पर है। बिहार में छः और 11 नवंबर को दो चरणों में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए सभी दलों ने चुनाव प्रचार में अपनी पूरी ताकत झोंक रखी है। बिहार में इस चुनाव में मुख्य मुकाबला दो गठबंधनों के बीच में है। एनडीए और महागठबंधन। एनडीए का नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नितीश कुमार कर रहे हैं, जबकि महागठबंधन की बागडोर लालू यादव और तेजस्वी यादव के हाथों में है। प्रशांत किशोर की जन स्वराज पार्टी भी बिहार में दो सौ से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

बिहार चुनाव में विभिन्न दलों द्वारा बहुत सारे लोक लुभावन वादे किए जा रहे हैं और बहुत सारे मुद्दे जोर-शोर से उठाए जा रहे हैं,

सुरेश बाबू मिश्रा
लेखक

मगर चुनाव में जातिवाद का मुद्दा इन सभी मुद्दों पर भारी पड़ता नजर आ रहा है। सभी दलों का मुख्य फोकस जातीय समीकरणों को अपने पक्ष में साधने पर है। महागठबंधन की नजर जहां यादव, अल्पसंख्यक एवं अति पिछड़ा वर्ग के वोटरों पर है, तो वहीं एनडीए सामान्य जाति, कुर्मी, जनजाति एवं अति पिछड़ी जातियों के मतदाताओं को अपने पाले में लाकर एक बार फिर सरकार बनाने की जुगत में है।

बिहार जाति जनगणना 2023 के अनुसार बिहार में यादव सबसे बड़ी जाति है। बिहार की कुल आबादी का लगभग 14.27% आबादी यादवों की है। इसके बाद अत्यंत पिछड़ा वर्ग 36 प्रतिशत, अनुसूचित जाति 6 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति 1.68 प्रतिशत हैं। अन्य प्रमुख जातियों में ब्राह्मण 3.65 प्रतिशत राजपूत 3.45 प्रतिशत भूमिहारों की 2.86 प्रतिशत आबादी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त लगभग 18 प्रतिशत आबादी अल्पसंख्यक समुदाय की है।

यदि हम बिहार की आबादी का धार्मिक विश्लेषण देखें, तो हम पाएंगे कि बिहार में लगभग 81 प्रतिशत आबादी बहुसंख्यक हिंदू समाज की है। अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय की भागीदारी लगभग 18 प्रतिशत है। शेष एक प्रतिशत आबादी अन्य अल्पसंख्यक जैसे ईसाई, जैन और बौद्ध समुदाय के लोगों की है। बिहार में सत्ता का ऊंट किस करवट बैठेगा, यह तो आने वाला समय ही बताएगा, मगर सभी राजनीतिक दलों के बीच बड़ा दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल रहा है। वर्तमान चुनावी परिप्रेक्ष्य में हमारा लोकतंत्र जातिगत समीकरणों के इर्द-गिर्द घूमता नजर आ रहा है। आज हर राजनीतिक दल का फोकस जातिगत समीकरण साधने पर है, इसलिए चुनाव में भी जातियों का वर्चस्व आज भी बना हुआ है। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि आजादी के 79 वर्ष बाद भी हमारा लोकतंत्र जातिगत समीकरणों के दंश से नहीं उबर पाया है।

सभी राजनीतिक पार्टियां अपनी चुनावी रणनीति जातीय समीकरणों को ध्यान में रखकर बनाती हैं। राजनीतिक दलों के विकास के तमाम दावे उस समय खोखले साबित हो जाते हैं, जब वे चुनाव में प्रत्याशियों की सूची जारी करते हैं। अधिकांश प्रत्याशी उसी जाति से होते हैं, जिस जाति के वोट उस विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक होते हैं। इन उलझे हुए जातिगत समीकरणों के कारण ही कोई भी राजनीतिक दल चुनाव में प्रत्याशी घोषित करते समय कोई रिस्क नहीं लेना चाहता है और जातिगत समीकरणों के आधार पर ही प्रत्याशी घोषित करता है। जाति विशेष का होना प्रत्याशी की सबसे बड़ी विशेषता बन जाती है और ऐसे में कर्मठ, योग्य और जुझारू नेताओं पर जाति विशेष के प्रत्याशी को वरीयता दी जाती है। हम भले ही आधुनिकता और प्रगतिशीलता का कितना भी ढिंढोरा क्यों न पीट लें, मगर हमारा लोकतंत्र आज भी जातिगत समीकरणों के भंवर में उलझा हुआ है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

मोबाइल की लत से अराजक होता बचपन

अत्याधुनिक तकनीक से जहां दुनिया करीब आई है, वहीं बच्चों में मोबाइल गेम्स की लत वर्तमान में एक गंभीर मानसिक स्वास्थ्य संकट बनती जा रही है। अत्यधिक या अनुचित उपयोग बच्चों में कई नकारात्मक घटनाओं का कारण बन सकता है। फ्री फायर जैसे हिंसात्मक या फाइटिंग गेम्स खेलने से बच्चों में आक्रामकता, चिड़चिड़ापन और गुस्सा बढ़ रहा है। सोशल इंटरेक्शन की कमी के कारण सामाजिक व्यवहार में बदलाव आता है। छोटे बच्चे वाले अधिकांश घरों में स्थिति एक जैसी है, अभिवावक सबकुछ समझते हुए अनजान बने हुए हैं, मगर हाल की कुछ घटनाएं और ओपीडी में बढ़ने वाली बच्चों की संख्या से, एक बार फिर मोबाइल गेम्स की लत और उसके गंभीर दुष्प्रभावों पर चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

-पद्माकर पाण्डेय, लखनऊ

गेम की लत बना रही बच्चों को चिड़चिड़ा

मोबाइल गेम्स की लत बच्चों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल रही है। हालांकि किसी विशेष मामले में बिना पूरी जानकारी के सटीक टिप्पणी करना संभव नहीं है, लेकिन सामान्य तौर पर देखा गया है कि लगातार मोबाइल पर गेम खेलने वाले बच्चों में नकारात्मकता, चिड़चिड़ापन और आक्रामकता जैसे लक्षण तेजी से उभरते हैं। ऐसे बच्चे अक्सर इंपल्सिव यानी बिना सोचे-समझे निर्णय लेने वाले हो जाते हैं। उनके भीतर गुस्सा, धैर्य की कमी, और याददाश्त में कमी जैसे मानसिक बदलाव दिखाई देते हैं। साथ ही पढ़ाई में मन न लगना, एक आम समस्या बनती जा रही है। अभिभावकों को यह ध्यान रखना चाहिए कि बच्चा दिनभर में कितनी देर मोबाइल इस्तेमाल कर रहा है। सलाह दी कि बच्चों को अलग से मोबाइल फोन नहीं देना चाहिए। यदि पढ़ाई के लिए मोबाइल की आवश्यकता हो, तो वह परिवार का साझा मोबाइल होना चाहिए, जिसे बच्चा अकेले कमरे में ले जाकर उपयोग न कर सके। मोबाइल का इस्तेमाल ऐसे माहौल में होना चाहिए, जहां अन्य सदस्य भी मौजूद हों। सही मार्गदर्शन से ही बच्चों को इस डिजिटल लत से बचाया जा सकता है।

-डॉ. आदर्श त्रिपाठी, बाल मानसिक रोग विशेषज्ञ, केजीएमयू

मोबाइल बन रहे बच्चों के लिए नशा, बढ़ रही समस्याएं

जैसे शराब और सिगरेट का नशा धीरे-धीरे बढ़ता है, वैसे ही मोबाइल गेमिंग की लत भी बच्चों में गहराती जाती है। शुरुआत में बच्चा 10 मिनट गेम खेलकर जितना संतुष्ट होता है, कुछ समय बाद वही संतुष्टि पाने के लिए उसे आधा घंटा, फिर कई घंटे तक खेलना पड़ता है। यह एक प्रकार का नशा है, जो मानसिक और शारीरिक दोनों रूपों में बच्चों को प्रभावित करता है। इनमें हिंसा, गोलीबारी और अत्यधिक उत्तेजना वाले कई लेवल होते हैं, जिससे खेलने के दौरान बच्चे में अचानक उत्तेजना बढ़ जाती है, हृदय गति तेज हो जाती है और गंभीर स्थिति में हृदयाघात (हार्ट फेल) तक हो सकता है। इसलिए उन्होंने अभिवावकों को चेताया कि यदि बच्चा पढ़ाई से दूरी बना रहा हो, मोबाइल पर ज्यादा समय बिता रहा हो और परिवार या दोस्तों से बातचीत कम कर रहा हो, तो यह संकेत हो सकते हैं कि वह अवसाद या गेमिंग डिस्आर्डर का शिकार हो रहा है। इस स्थिति में अभिभावकों को चाहिए कि बच्चे के साथ अधिक समय बिताएं, उसकी दिनचर्या पर नजर रखें और आवश्यकता पड़ने पर मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लें।

-डॉ. दीप्ती सिंह, मनोचिकित्सक, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल

मोबाइल गेम्स से पड़ने वाले दुष्प्रभाव

- गेम्स ऐप पर्चेज करने को बच्चे माता-पिता की अनुमति के बिना भी पैसे खर्च कर देते हैं।
- ऑनलाइन फ्रॉड का शिकार होकर बच्चों ने माता-पिता के बैंक अकाउंट तक खाली कर दिए।
- फ्री फायर व पब जैसे गेम्स खेलने से रोके जाने पर बच्चों में बढ़ती है आत्महत्या की प्रवृत्ति।
- मोबाइल गेम्स खेलने से मना किए जाने पर हमला करने पर भी उतारू हो जाते हैं बच्चे।

मोबाइल की लत के लिए अभिभावक भी जिम्मेदार

आधुनिक परिवेश में बच्चों को खेलने की बजाय मोबाइल पकड़ा देना एक आम प्रवृत्ति बन चुकी है, जो भविष्य में गंभीर मानसिक और सामाजिक समस्याओं का कारण बनती जा रही है। आजकल मोबाइल देखकर खाना खाते हैं, दूध-पानी पिलाया जाता है, यानी बच्चे मोबाइल लेकर ही बड़े हो रहे हैं। बच्चा शुरुआत से ही गैजेट के प्रति आकर्षित हो रहा है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि यह नशा माता-पिता खुद ही बच्चों में डाल रहे हैं। अभिभावकों को खुद पर नियंत्रण रखना होगा। यदि किसी कारणवश बच्चे को घर पर अकेला छोड़ना पड़े, तो बेहतर होगा कि घर में इंटरनेट की सुविधा सीमित कर दी जाए। इसके लिए वाई-फाई का पासवर्ड बदलना या स्पीड कम करने जैसे तकनीकी उपाय किए जा सकते हैं। साथ ही माता-पिता को चाहिए कि बच्चों की आदतों और दिनचर्या पर नजर रखें। यदि बच्चा लगातार मोबाइल में ही व्यस्त रहता है, तो यह चिंता का विषय हो सकता है। इसकी जगह उन्हें मैदान में खेलने और लोगों के संपर्क में रहने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए, जिससे वे सामाजिक रूप से सक्रिय रहें और अवसाद से दूर रहें।

-डॉ. देवाशीष शुक्ल, बलरामपुर अस्पताल, चिकित्सा अधीक्षक एवं मानसिक रोग विशेषज्ञ

बम से ज्यादा धमक पिता जी की आंखों में थी

पलछिन

बात उन दिनों की है, जब हमारी उम्र यही कुछ 10-12 वर्ष की रही होगी। घर में सात भाई बहन हैं। जाहिर है कि खूब धमाचौकड़ी होती थी। त्योहारों पर तो स्कूलों की छुट्टियां हो जाती थीं और दिन भर सिर्फ खेलना व मस्ती करना होता था। दीपावली पर स्कूल की छुट्टियां हो गईं। वैसे तो पिता जी (शिवनाथ सक्सेना) मना करते थे कि घर पर कोई पटाखा नहीं जलाएगा, लेकिन हम बच्चे कहां मानने वाले। उन दिनों बच्चे चटाई, लक्ष्मी बम और सुतली बम के दीवाने होते थे। हम भाई बहन भी सुतली बम खरीद लाए। सुतली बम बड़ा धमाका करता था। इस बम की एक धमक से घर तो घर, मोहल्ले के घरों के बर्तन गिर जाते थे। पिता जी दफ्तर गए और हमने दिन में पटाखे चलाना शुरू कर दिए। घर के आंगन में ही पटाखा बजा रहे थे। मां जी डांटती थीं लेकिन बच्चों की खुशी देखकर वह भी धमाके में बच्चों की हंसी-खुशी का आनंद लेती थीं। पटाखे चलाते-चलाते शाम के साढ़े पांच बज चुके थे और हमें ध्यान नहीं रहा कि पिता जी का दफ्तर से आने का समय हो गया। हम घर के घेर (आंगन) में पटाखे जला रहे थे कि दरवाजे की कुंडी बजी और पिता जी घर में घुस गए। बड़े भाई-बहन तो कुंडी की खटखट से भांप गए और कमरे में भाग गए और किताबें खोलकर पढ़ने लगे। हम पटाखे जलाने में इतना डूबे हुए थे कि पता ही नहीं चला कब पिता जी घेर में हमारे पीछे आकर खड़े हुए। जैसे ही हमने उनकी आंखों में देखा तो बम के धमाके से ज्यादा धमक पिता जी आंखों में थी। अब समझ नहीं आया क्या करें, पटाखे नाली में फेंके और खुद भी गिर गए और पिता जी को देखते हुए कमरे में भागे और बस्ता निकाल कर किताबें खोलकर पढ़ना शुरू कर दिया। इस बार दिवाली पर जब घर गए तो मोहल्ले में बच्चों के सुतली बमों ने पिता जी की याद दिला दी।

डॉ. अतुल सक्सेना
वरिष्ठ चिकित्सक
राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी

लव बड्र्स

मोहब्बत जो वक्त से जीत गई

कहते हैं, कुछ कहानियां वक्त नहीं, एहसास लिखते हैं। ऐसी ही एक कहानी है शिवेंद्र और दिव्या की, जिसमें न सिर्फ प्यार है, बल्कि संघर्ष, जिद्द और उस मुस्कुराहट की मिठास भी है, जो हर रिश्ते को जिंदा रखती है। शिवेंद्र और दिव्या की मुलाकात किसी फिल्मी अंदाज में नहीं हुई थी, पर जो हुआ वो दिल के इतने करीब था कि याद बन गया। कॉलेज के दिनों में जब शिवेंद्र ने पहली बार दिव्या को देखा, तो बस एक पल को लगा, "यही है वो", लेकिन उस 'एक पल' को रिश्ते में बदलने के लिए उन्हें वक्त, हिम्मत और बहुत सारी कोशिशें करनी पड़ीं। दिव्या का सादापन और उसकी मुस्कान, दोनों में एक सुकून था। वहीं शिवेंद्र की बातों में वो अपनापन था, जो किसी को भी खींच ले। दोनों की दोस्ती धीरे-धीरे बातों, मुलाकातों और इंतजारों में बदलती चली गई। हर दिन एक नया बहाना ढूंढना, हर बार एक नया कारण बनाना कि कहीं न कहीं मिल सकें। यही उनका रोजमर्रा का रोमांच बन गया था।

रूठने-मनाने का सिलसिला तो जैसे इनकी कहानी की धड़कन थी। दिव्या की नाराजगी अक्सर बेवजह होती, पर शिवेंद्र को उसे मनाने का हर बहाना अच्छा लगता था। कभी एक छोटी-सी चॉकलेट, कभी एक नोटबुक के बीच रखा खत, तो कभी बस एक चुप्पी में भरा माफीनामा- यही था उनका प्रेम का तरीका, लेकिन जब बात शादी तक पहुंची, तब जिंदगी ने उनकी परीक्षा ली। घरवालों को मनाना, समाज की नजरों से लड़ना, अपने सपनों को संभालते हुए रिश्ते को बचाना- दोनों के लिए आसान नहीं था। दिव्या के घर में हजार सवाल और शिवेंद्र के मन में सिर्फ एक जवाब- "वो मेरी जिंदगी है।" कई रातें बेचैनी में गुजरीं, कई दिन उम्मीद में। कभी सब ठीक लगता, तो कभी सब बिखरता नजर आता, लेकिन दोनों ने तय कर लिया था कि हार नहीं माननी। शादी की तारीख तय होने तक दोनों के दिलों में जैसे तूफान था- कहीं कुछ रुक न जाए, कहीं ये सफर अधूरा न रह जाए। फेरों के दिन जब शिवेंद्र ने दिव्या की आंखों में देखा, तो वहां सिर्फ आंसू नहीं थे- वहां सालों की जद्दोजहद, इंतजार और जीत की चमक थी।

जब पंडित ने कहा "सप्तपदी पूर्ण हुई", तो ऐसा लगा जैसे वक्त ठहर गया हो। हर धड़कन ने कहा- "अब सब ठीक है।" आज सालों बाद भी जब शिवेंद्र और दिव्या अपनी पुरानी तस्वीरें देखते हैं, तो चेहरे पर वही मुस्कान लौट आती है। वो कहते हैं- "प्यार वही सच्चा है, जो वक्त से डरता नहीं और रिश्ते वही मुकम्मल हैं, जो रूठने-मनाने में टूटते नहीं।" उनकी कहानी इस बात का सबूत है कि मोहब्बत अगर सच्ची हो, तो मंजिल देर से सही, पर मिलती जरूर है। फोटो चाहे पुरानी हो या नई, पर उनकी कहानी हर फ्रेम में मुस्कुरा रही है। क्योंकि शिवेंद्र और दिव्या ने सिर्फ एक-दूसरे से नहीं, जिंदगी से भी मोहब्बत की है।

-शिवेंद्र और दिव्या
कानपुर

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	83,938.71	25,722.10
गिरावट	465.75	155.75
प्रतिशत में	0.55	0.60

सोना 1,25,600 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,53,000 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 1 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

व्यवसाय तीन साल से लंबित जीएसटी रिटर्न नहीं भर पाएंगे

नई दिल्ली। जीएसटी नेटवर्क (जीएसटीएन) ने कहा कि व्यवसाय नवंबर कर अवधि से तीन साल या उससे अधिक समय के लिए देय जीएसटी रिटर्न दाखिल नहीं कर पाएंगे। जीएसटीएन ने कहा कि सभी जीएसटी-पंजीकृत व्यवसायों के लिए मासिक, त्रैमासिक और वार्षिक रिटर्न नियत तिथि से तीन साल की समाप्ति के बाद दाखिल करने पर रोक लगा दी जाएगी। यह प्रतिबंध जीएसटी मंच पर नवंबर 2025 कर अवधि से लागू किया जाएगा, जिसका मतलब है कि कोई भी रिटर्न जिसकी देय तिथि तीन साल या उससे अधिक पहले थी और नवंबर कर अवधि तक दाखिल नहीं किया गया है, उसे दाखिल करने से रोक दिया जाएगा।

स्थानीय निकायों को भी रेरा के दायरे में लाया जाए

नई दिल्ली। रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (रेरा) के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के अध्यक्ष आनंद कुमार ने रेरा को ज्यादा शक्तियां देने की वकालत करते हुए शुक्रवार को कहा कि उसके पास स्थानीय निकायों को भी निर्देश देने का अधिकार होना चाहिये। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा भारतीय रियल एस्टेट के विकास पर आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि रेरा बनने के बाद रियल एस्टेट सेक्टर पर काफी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है, लेकिन इसमें अब भी कुछ कमियां हैं, जिन्हें दूर किया जाना चाहिए।

एप्पल ने भारत में सर्वकालिक अधिकतम राजस्व किया दर्ज

नई दिल्ली। आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल ने जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान भारत में अब तक का रिकॉर्ड राजस्व कमाया है। यह दुनिया के दूसरे सबसे बड़े स्मार्टफोन बाजार में मजबूत वृद्धि का संकेत है, जहां प्रौद्योगिकी दिग्गज खुदरा उपस्थिति एवं स्थानीय विनिर्माण को बढ़ा रहा है। कंपनी ने बयान में कहा कि एप्पल ने इस तिमाही में सालाना आधार पर आठ प्रतिशत अधिक कुल 102.5 अरब अमेरिकी डॉलर का राजस्व दर्ज किया।

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता जारी रखे भारत

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के चेयरमैन ने दिया सुझाव, निर्यात में भी विविधता लाने पर जोर

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन एस महेंद्र देव ने शुक्रवार को कहा कि भारत को निर्यात में विविधता लानी चाहिए और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत तेज करनी चाहिए। साथ ही अमेरिका के साथ प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को अंतिम रूप देने के लिए उसके साथ बातचीत जारी रखनी चाहिए।

देव ने 'प्रथम आईएसआईडी@40 विशिष्ट व्यक्ति व्याख्यान' को संबोधित करते हुए कहा कि सुरक्षा नीतियों एवं अंतरराष्ट्रीय व्यापार में कमी के बावजूद भारत के लिए विश्व वस्तु व्यापार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए कई अवसर हैं। उन्होंने कहा, जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है विनिर्माण के लिए भारत की व्यापार नीति एशिया, लैटिन अमेरिका, अफ्रीका, कुछ विकसित देशों में निर्यात में विविधता लाने, एफटीए को तेज करने और अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखने की होनी चाहिए। प्रख्यात अर्थशास्त्री ने कहा कि नियम-आधारित विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) सदैव संरक्षणवाद से बेहतर है।

उनकी यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका, भारत पर रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद करने का दबाव बना रहा है। अमेरिका ने 22 अक्टूबर को रूस की दो सबसे बड़ी कच्चा तेल उत्पादक कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगा दिए थे। साथ ही सभी अमेरिकी संस्थाओं और लोगों को इन कंपनियों के साथ व्यापार करने पर रोक दिया गया है। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने पर भारत पर 25 प्रतिशत का जुर्माना लगाया है। यह अमेरिकी बाजारों में प्रवेश करने वाले भारतीय सामानों पर 25 प्रतिशत के जवाबी शुल्क के अतिरिक्त है। कुल मिलाकर भारतीय सामानों पर अमेरिका में 50 प्रतिशत का अतिरिक्त आयात शुल्क लग रहा है। भारत ने इन शुल्कों को अनुचित और अविवेकपूर्ण बताया है।

उन्होंने कहा कि भारत जैसे आकार का कोई भी उभरता हुआ बाजार मजबूत निर्यात वृद्धि के बिना एक दशक या उससे अधिक समय तक सात या आठ प्रतिशत की दर से नहीं बढ़ा है। देव ने कहा, 1700 में विश्व सकल घरेलू उत्पाद में भारत की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत थी। कुछ अनुमानों से पता चलता है कि 2043 तक विश्व सकल घरेलू उत्पाद में भारत की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत हो जाने की संभावना है। सुधार के बाद के पिछले तीन दशकों में भारत की औसत वृद्धि दर छह से 6.5 प्रतिशत प्रति वर्ष रही है।

निवेश दर वृद्धि की चालक, 35% होनी चाहिए

एस महेंद्र देव ने निवेश दर को वृद्धि का चालक बताते हुए कहा, भारत को सात प्रतिशत वृद्धि दर प्राप्त करने के लिए निवेश दर को वर्तमान 31-32 प्रतिशत से बढ़ाकर 34-35 प्रतिशत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र को भारत में अधिक निवेश करना चाहिए क्योंकि अब दोहरे बही-खाते की कोई समस्या नहीं है। देव ने कहा, सरकारी पूंजीगत व्यय बढ़ रहा है। इसका कई गुना प्रभाव पड़ेगा।'' उन्होंने कहा कि ग्रामीण और शहरी मांग बढ़ने से निजी निवेश में वृद्धि होगी।

> भारत में 200 से 500 कर्मचारियों वाली कई और मध्यम स्तर की विनिर्माण इकाइयां होनी चाहिए। विनिर्माण क्षेत्र में अन्य बातों के अलावा, बड़ी समस्या यह है कि अधिकतर कंपनियां 10 से कम श्रमिकों के साथ काम कर रही हैं और उनका आकार छोटा है। - एस महेंद्र देव

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में तीन महीने की सबसे बड़ी गिरावट

मुंबई, एजेंसी

- 6.925 अरब डॉलर घटकर 695.355 डॉलर रह गया

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 24 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 6.92 अरब डॉलर घटकर 695.35 अरब डॉलर रह गया। इसके एक सप्ताह पहले देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.49 अरब डॉलर बढ़कर 702.28 अरब डॉलर हो गया था।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, 24 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.86 अरब डॉलर घटकर 566.54 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों के मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है। आरबीआई ने कहा कि आलोच्य सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 3.01 अरब डॉलर घटकर 105.536 अरब डॉलर रह गया।

इस दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 5.8 करोड़ डॉलर घटकर 18.66 अरब डॉलर रह गए। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत का आरक्षित भंडार 60 लाख डॉलर बढ़कर 4.608 अरब डॉलर हो गया।

पहली छमाही में केंद्र का राजकोषीय घाटा बढ़ा

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही के अंत में केंद्र का राजकोषीय घाटा समूचे वित्त वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य का 36.5 प्रतिशत रहा। लेखा महानियंत्रक (सीजीए) के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में राजकोषीय घाटा 2024-25 के बजट अनुमान का 29 प्रतिशत था। मौजूदा कीमतों पर 2025-26 की अप्रैल-सितंबर अवधि में केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा 5,73,123 करोड़ रुपये रहा। केंद्र का अनुमान है कि 2025-26 के दौरान राजकोषीय घाटा देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.4 प्रतिशत यानी 15.69 लाख करोड़ रुपये रहेगा।

फोर्ड चेन्नई संयंत्र में 3,250 करोड़ रुपये का करेगी निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी

- नए निवेश के बाद 2.35 लाख होगी प्लांट की वार्षिक क्षमता

अमेरिकी वाहन विनिर्माता कंपनी फोर्ड ने नई पीढ़ी के इंजन बनाने के लिए अपने चेन्नई संयंत्र में 3,250 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी की ओर से शुक्रवार को इस संबंध में घोषणा की गई। इसके बाद संयंत्र की वार्षिक क्षमता 2.35 लाख इंजन हो जाएगी।

मोटर वाहन विनिर्माता ने कहा कि उसने तमिलनाडु सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं जिसमें रणनीतिक दिशा को रेखांकित किया गया है जो फोर्ड+ योजना के तहत भारत की विनिर्माण विशेषज्ञता का लाभ उठाती है। इससे पहले कंपनी 2021 में भारतीय बाजार से बाहर निकल गई थी। फोर्ड ने बयान में कहा कि इस वर्ष के अंत में शुरू होने वाली परियोजना में तैयारी और निवेश के बाद चेन्नई संयंत्र की वार्षिक क्षमता 2.35 लाख इंजन होगी।

इसमें 2029 में उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। बयान में कहा गया, 3,250 करोड़ रुपये के प्रारंभिक अपेक्षित निवेश के साथ इस परियोजना से 600 से अधिक नौकरियों के साथ-साथ पूरे उद्योग में अप्रत्यक्ष नौकरियों के सृजन की उम्मीद है। फोर्ड मोटर कंपनी के अध्यक्ष (अंतरराष्ट्रीय बाजार समूह) जेफ मैरेंटिक ने कहा, हमें अपनी योजनाओं को आगे बढ़ाने और फोर्ड के विनिर्माण नेटवर्क में चेन्नई संयंत्र की महत्वपूर्ण भूमिका की पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है।

शेयरों की बिकवाली से सेंसेक्स में 466 अंकों की गिरावट

मुंबई। निजी बैंकों के शेयरों में बिकवाली और वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बीच शुक्रवार को स्थानीय बाजार लगातार दूसरे दिन नुकसान में रहे। सेंसेक्स लगभग 466 अंक गिर गया जबकि निफ्टी में 156 अंकों की गिरावट रही।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 465.75 अंक यानी 0.55 प्रतिशत टूटकर 83,938.71 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 498.8 अंक गिरकर 83,905.66 अंक तक आ गया था। एनएसई का 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 155.75 अंक या 0.60 प्रतिशत गिरकर 25,722.10 पर आ गया। विश्लेषकों के मुताबिक, विदेशी निवेशकों की बिकवाली, कंपनियों के मिलेजुले नतीजे और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों पर स्पष्टता की कमी ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया।

सेबी:110 वरिष्ठ पदों के लिए आवेदन मांगे

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 110 वरिष्ठ पदों के लिए आवेदन मांगे हैं। ये पद सामान्य, विधि, सूचना प्रौद्योगिकी, अनुसंधान, आधिकारिक भाषा और इंजीनियरिंग के लिए ग्रेड ए अधिकारी के हैं। सामान्य वर्ग में 56 पद, सूचना प्रौद्योगिकी के लिए 22, विधि के लिए 20, अनुसंधान के लिए चार, राजभाषा के लिए तीन, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के लिए दो और इंजीनियरिंग (सिविल) के लिए तीन पद हैं। अभ्यर्थी 28 नवंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

प्रदूषण से मौतें कम करने के लिए स्वच्छ ऊर्जा अपनाए भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

- लैंसेट काउंटडाउन ने कहा- बढ़ती अर्थव्यवस्था होने से ये आसान

भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था और प्रौद्योगिकी क्षमताएं उसे कोयले से स्वच्छ नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ने का अनूठा अवसर देती हैं। लैंसेट काउंटडाउन की एक शीर्ष अधिकारी ने यह उम्मीद जताते हुए नवीकरणीय ऊर्जा में अधिक सरकारी निवेश का आग्रह किया ताकि भारत में प्रदूषण से होने वाली मौतों को कम किया जा सके।

लैंसेट काउंटडाउन की कार्यकारी निदेशक मेरीना बेलेन रोमानेलो ने एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में काम करने की काफी गुंजाइश है। उन्होंने जोर दिया कि इन उपायों से नागरिकों को महत्वपूर्ण स्वास्थ्य लाभ होंगे। रोमानेलो ने कहा, भारत एक प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में उभर रहा है और स्थानीय इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी नवाचार में इसकी उन्नत क्षमताएं इस बदलाव का नेतृत्व करने के लिए अच्छी स्थिति में है। कोयले महंगा और अत्यधिक प्रदूषणकारी है, और इससे स्वच्छ, नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ने के लिए पर्याप्त निवेश और मजबूत सरकारी समर्थन की जरूरत होगी।

उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा तक पहुंच बढ़ाने के लिए भारत सरकार के प्रयास महत्वपूर्ण हैं, लेकिन पूरी क्षमता हासिल करने के लिए इसे और मजबूत करना चाहिए। 'द लैंसेट' पत्रिका की एक वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार मानव-जनित पीएम2.5 प्रदूषण के कारण 2022 में भारत में 17 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई। यह आंकड़ा 2010 से 38% अधिक है। जीवाश्म ईंधन के उपयोग से 44% मौतें हुईं। मृत्यु दर की गणना का तरीका पूछने पर रोमानेलो ने बताया कि ये पद्धतियां आंकड़ों को जोड़ती हैं जो बताती हैं कि दुनिया के हिस्सों में कितना प्रदूषण पाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आंकड़े भले ही अनुमान पर आधारित हैं, लेकिन वैज्ञानिक विधियों के आधार पर वायु प्रदूषण से जुड़े स्वास्थ्य संबंधी समझ का प्रतिनिधित्व करते हैं।

जीएसटी में कटौती होने के बाद छोटी कारों की मांग में आई तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी

- मारुति सुजूकी चेयरमैन ने कहा- छोटी कारों की मांग घटने का दावा गलत

अग्रणी वाहन विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आरसी भार्गव ने शुक्रवार को कहा कि जीएसटी दरों में कटौती से छोटी कारों की मांग में आई तेजी दर्शाती है कि भारतीय उपभोक्ताओं के अब छोटी कारों की जगह बड़े आकार वाले वाहनों को प्राथमिकता देने की धारणा गलत है।

भार्गव ने कहा कि बदले हुए हालात में कुछ कार विनिर्माता कंपनियां अपने उत्पादों की पेशकश में संशोधन कर सकती हैं। भार्गव ने कंपनी के तिमाही नतीजों पर चर्चा के दौरान संवाददाताओं से कहा कि मारुति सुजुकी अपनी पांचवें विनिर्माण संयंत्र की स्थापना का फैसला करने के करीब है और अगले कुछ महीनों में इसकी घोषणा की जा सकती है। जीएसटी दरों में कमी के समग्र वाहन बिक्री पर पड़े प्रभावों पर उन्होंने कहा कि मारुति सुजुकी 2030-31 के लिए अपने उत्पादन और बिक्री अनुमान में संशोधन करने पर विचार कर रही है।

उन्होंने कहा, त्योहारों के दौरान हमारी खुदरा बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर रही, जिसमें छोटी कारों की बिक्री का प्रमुख योगदान रहा। बड़ी कारें भी बिक रही हैं, लेकिन उतनी ज्यादा नहीं।

होंडा भारत में 10 नए मॉडल करेगी पेश

टोक्यो। जापान की वाहन विनिर्माता कंपनी होंडा 2030 तक भारतीय बाजार में सात एसयूवी समेत 10 नए मॉडल पेश करेगी। कंपनी का लक्ष्य तेजी से बढ़ते भारतीय यात्री वाहन बाजार में बिक्री और बाजार हिस्सेदारी बढ़ाना है।

होंडा मोटर कंपनी लिमिटेड के निदेशक, अध्यक्ष एवं प्रतिनिधि तोशीहिरो मिबे ने कहा कि वाहन विनिर्माता चीन स्थित मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) के उदय के साथ वैश्विक बाजारों में बदलाव के बीच भारतीय बाजार के लिए रणनीतियों को अंतिम रूप दे रहा है। कंपनी उत्तरी अमेरिका, जापान और भारत को अपने प्रमुख बाजारों के रूप में देखती है।

किसानों की मेहनत हुई बर्बाद कचरे की तरह फेंके गए टमाटर

कर्नाटक के चिकमगलूर में शुक्रवार को ट्रैक्टर से टमाटर फेंकते हुए किसान। दरअसल यहां किसानों पर बारिश से फसल खराब होने के साथ कीमतों में भारी गिरावट की भी मार पड़ी है।

मौद्रिक नीति पर सुझाव के लिए तीन प्रमुख सर्वेक्षण

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को तीन प्रमुख सर्वेक्षणों का अगले दौर शुरू करने की घोषणा की जिनमें मुद्रास्फीति के अनुमानों पर एक सर्वेक्षण भी शामिल है। इन सर्वेक्षणों का इस्तेमाल केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति के लिए उपयोगी सुझावों के रूप में किया जाता है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की पहल

नवंबर 2025 में होने वाले परिवारों के मुद्रास्फीति प्रत्याशा सर्वेक्षण का उद्देश्य 19 शहरों में उनकी व्यक्तिगत उपभोग श्रेणियों के आधार पर कीमतों में बदलाव और मुद्रास्फीति पर व्यक्तिपरक आकलन का पता करना है। शहरी उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण सामान्य आर्थिक स्थिति, रोजगार परिदृश्य, मूल्य स्तर, आय और व्यय पर परिवारों से गुणात्मक प्रतिक्रियाएं हासिल करेगा। ग्रामीण उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण का उद्देश्य ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में आर्थिक स्थिति, रोजगार परिदृश्य, समग्र मूल्य स्थिति, आय-व्यय के बारे में उनकी वर्तमान धारणाओं का पता लगाना है।

अधिकारियों ने किया 31.95 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का भंडाफोड़

नई दिल्ली। जीएसटी अधिकारियों ने 31.95 करोड़ रुपये की कर चोरी से जुड़े धोखाधड़ीपूर्ण इनपुट टैक्स क्रेडिट के मामले का खुलासा कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक सीजीएसटी दिल्ली दक्षिण आयुक्तालय की कर चोरी रोधी शाखा की जांच में पता चला कि कंपनी बिना किसी माल या सेवा की वास्तविक आपूर्ति के केवल चालानों के आधार पर धोखाधड़ीपूर्ण इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ उठा रही थी। वित्त मंत्रालय के बयान में कहा गया, सीजीएसटी दिल्ली दक्षिण आयुक्तालय की कर चोरी रोधी शाखा ने बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी से आईटीसी का लाभ उठाने का मामला उजागर किया है।

डीप टेक स्टार्टअप और वेंचर कैपिटल ने नियामक स्पष्टता की मांग की

नई दिल्ली। कई डीप टेक और सेमीकंडक्टर स्टार्टअप, वेंचर कैपिटल फर्मों ने बृहस्पतिवार को वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ वार्ता की। इस दौरान कर प्रोत्साहन और विस्तारित स्टार्टअप इंडिया लाभों सहित नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा हुई। वार्ता में 35 से अधिक डीपटेक और सेमीकंडक्टर स्टार्टअप और 30 से अधिक अग्रणी वेंचर कैपिटल फर्म शामिल थीं। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, डीपटेक उद्यमों के लिए स्टार्टअप इंडिया मान्यता लाभों को 10 साल की सीमा से आगे बढ़ाने, अनुदान लेखांकन और अनुसंधान एवं विकास निधि के लिए विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम संबंधी नियमों में स्पष्टता लाने और नवाचार में निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए लक्षित कर प्रोत्साहन देने पर चर्चा हुई।

पतंजलि फूड्स का दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 67% बढ़कर 516.69 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। प्रमुख खाद्य तेल एवं एफएमसीजी कंपनी पतंजलि फूड्स लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 67 प्रतिशत बढ़कर 516.69 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 308.58 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। पतंजलि फूड्स लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 9,850.06 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 8,132.76 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में 1,300.7 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया था।

सेबी प्रमुख ने की घोषणा, एनएसई का आईपीओ जल्द ही पेश होगा

मुंबई। पूंजी बाजार नियामक सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने शुक्रवार को कहा कि लंबे समय से लंबित एनएसई का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) जल्द ही आएगा। पांडेय ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि उनकी पूर्ववर्ती माधवी पुरी बुच के जाने के बाद सेबी ने हितों के टकराव के खुलासे से संबंधित एक व्यवस्था बनाने के लिए एक समिति का गठन किया था। यह समिति 10 नवंबर तक अपने सुझाव दे सकती है। एनएसई के आईपीओ को लेकर पूछे गए एक सवाल पर पांडेय ने कहा, यह जल्द ही आएगा। उन्होंने इस पर कोई विस्तृत जानकारी या समयसीमा नहीं बताई। म्यूचुअल फंड उद्योग के लिए व्यय अनुपात से जुड़ी चिंताओं पर पांडेय ने कहा कि शुल्क संरचनाओं पर सेबी का हालिया मसौदा स्पष्टता प्रदान करने और किसी भी विसंगति को दूर करने के लिए लाया गया है।

सीआईआई ने दिया बजट में समयबद्ध विवाद समाधान व्यवस्था का सुझाव

नई दिल्ली। उद्योग मंडल सीआईआई ने आगामी आम बजट में 100 करोड़ रुपये से अधिक के सभी उच्च मांग वाले कर मामलों को एक साल के भीतर निपटाने के लिए तेज कार्रवाई और टीडीएस व्यवस्था को युक्तिसंगत बनाने का सुझाव दिया है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के प्रतिनिधियों ने शुक्रवार को राजस्व सचिव अरविंद श्रीवास्तव से मुलाकात की और प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों के लिए सुझावों का विवरण देते हुए ज्ञापन दिया। इन प्रस्तावों का मकसद राजकोषीय लाभ को एकीकृत करना, मुकदमेबाजी कम करना और देश के कर ढांचे को 'विकसित भारत 2047' विजन के तहत विकसित अर्थव्यवस्था बनने की महत्वाकांक्षा के साथ जोड़ना है। सीआईआई ने कहा कि जीएसटी 2.0 की सफलता, राजस्व वृद्धि और राजकोषीय मजबूती की राह की विश्वसनीयता ने साबित किया है कि विवेकपूर्ण राजकोषीय नीति और प्रगति एक साथ आगे बढ़ सकते हैं।

उद्योगों को बैंक ऋण की वृद्धि दर सितंबर में घटी, 7.3 प्रतिशत रही

मुंबई, एजेंसी

- रिजर्व बैंक इंडिया ने जारी किए आंकड़े व्यक्तिगत ऋण क्षेत्र में 11.7% वृद्धि

सितंबर में उद्योगों को दिए जाने वाले बैंक ऋण की वृद्धि घटकर 7.3 प्रतिशत रह गई, जो पिछले साल इसी अवधि में 8.9 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

आरबीआई ने कहा कि सालाना आधार पर 19 सितंबर, 2025 को समाप्त पखवाड़े तक गैर-खाद्य बैंक ऋण में 10.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिछले साल के इसी पखवाड़े (20 सितंबर, 2024) के दौरान यह 13 प्रतिशत थी। केंद्रीय बैंक ने सितंबर के लिए बैंक ऋण के क्षेत्रीय आवंटन पर आंकड़े जारी किए हैं, जो 41 चुनिंदा वाणिज्यिक बैंकों से जमा किए हैं। ये ऋण सभी बैंकों के कुल गैर-खाद्य ऋण का लगभग 95 प्रतिशत हैं।

सितंबर महीने में बैंक ऋण के क्षेत्रवार आवंटन पर जारी रिपोर्ट के मुताबिक, उद्योगों को दिए गए ऋण में पिछले साल के इसी पखवाड़े में 8.9 प्रतिशत की तुलना में 7.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को दिए गए ऋण में दहाई अंकों में वृद्धि जारी रही। प्रमुख उद्योगों में इंजीनियरिंग, बुनियादी ढांचा, वस्त्र, और वाहन को दिए गए ऋण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इसके अलावा कृषि और संबद्ध गतिविधियों को दिए गए ऋण में सालाना आधार पर नौ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह आंकड़ा पिछले वर्ष के इसी पखवाड़े में 16.4 प्रतिशत था। आंकड़ों से पता चला कि सेवा क्षेत्र को दिए गए अग्रिमों में सालाना आधार पर 10.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को दिए जाने वाले ऋण में वृद्धि धीमी रही। दूसरी ओर पर्यटन, होटल और रेस्तरां, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और वाणिज्यिक अचल संपत्ति जैसे क्षेत्रों में अच्छी वृद्धि देखी गई। आरबीआई ने कहा कि व्यक्तिगत ऋण क्षेत्र में सालाना 11.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि एक साल पहले यह 13.4 प्रतिशत थी।

गैरअमेरिकी बाजारों में बढ़ा रत्न-वस्त्र और समुद्री निर्यात

भारतीय आयात पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने वाले अमेरिका पर कम हुई निर्भरता

नई दिल्ली, एजेंसी

- एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया के बाजारों में बढ़ी मांग

जनवरी-सितंबर 2025 के दौरान कई गैर-अमेरिकी बाजारों में भारत के वस्त्र, रत्न एवं आभूषण, और समुद्री उत्पादों के निर्यात में मजबूत वृद्धि हुई है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई है।

एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया में बढ़ती मांग के कारण इन क्षेत्रों के संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), वियतनाम, बेल्जियम और सऊदी अरब जैसे गंतव्यों को निर्यात में तेज वृद्धि दर्ज की गई। आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी-सितंबर के दौरान भारत का समुद्री निर्यात सालाना आधार पर 15.6 प्रतिशत बढ़कर 4.83 अरब डॉलर हो गया। ऐसा मुख्य रूप से कई गैर-अमेरिकी गंतव्यों में बढ़ती मांग के कारण हुआ।

अमेरिका 1.44 अरब डॉलर के साथ भारत का शीर्ष निर्यात गंतव्य बना हुआ है, जबकि तेजी से वृद्धि के लिहाज से वियतनाम (100.4 प्रतिशत), बेल्जियम (73.0 प्रतिशत) और थाईलैंड (54.4 प्रतिशत) प्रमुख देश रहे। इससे एशिया और यूरोप में भारत के समुद्री खाद्य व्यापार के बढ़ते विविधीकरण का पता चलता है। इसके अलावा चीन (9.8 प्रतिशत), मलेशिया (64.2 प्रतिशत) और जापान (10.9 प्रतिशत) में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई।

मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, निर्यात विविधीकरण का एक स्पष्ट रुझान दिखाई दे रहा है, जिसमें वियतनाम और बेल्जियम जैसे उभरते गंतव्य बाजार हिस्सेदारी हासिल कर रहे हैं। थाईलैंड, मलेशिया और चीन जैसे स्थापित एशियाई साझेदारों ने अपने आयात की मात्रा बढ़ा दी है। अधिकारी ने कहा कि निर्यात विविधीकरण अमेरिकी बाजार पर भारत की अत्यधिक निर्भरता को कम करता है, जहां भारतीय निर्यातकों को 50 प्रतिशत के भारी शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिकी निर्यात में कमी की आशंका भी जताई जा रही है।

वर्ल्ड ब्रीफ

वित्तमंत्री सीतारमण की भूटान यात्रा रद्द

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की भूटान की आधिकारिक यात्रा मौसम खराब होने के कारण रद्द कर दी गई है। सीतारमण पड़ोसी देश के साथ साझेदारी को मजबूत करने के लिए भूटान की चार दिनों की आधिकारिक यात्रा पर गुरुवार को रवाना हुई थीं। वह वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रही थीं। वित्त मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि भूटान के पारो में खराब मौसम के कारण आधिकारिक यात्रा रद्द कर दी गई है।

30 फलस्तीनियों के शव इजराइल ने सौंपे

यरुशलम। इजराइल ने 30 फलस्तीनियों के शव सौंप दिए हैं। गाजा स्थित एक अस्पताल के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गाजा में फलस्तीनी चरमपंथियों द्वारा दो बंधकों के अवशेष इजराइल को सौंपे जाने के एक दिन बाद इन शवों को सौंपा गया है। अवशेषों की यह अदला-बदली युद्धविराम के बाद हुई है। इजराइल की सेना ने गुरुवार को कहा कि फलस्तीनी चरमपंथियों ने दो और बंधकों के अवशेष सौंप दिए हैं।

शंघाई-दिल्ली के बीच बढ़ेगी उड़ान संख्या

नई दिल्ली। चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस अगले साल 02 जनवरी से दिल्ली और शंघाई के बीच उड़ानों की संख्या बढ़ाकर सप्ताह में पांच करेगी। एयरलाइंस ने इससे पहले 09 नवंबर 2025 से दोनों शहरों के बीच सप्ताह में तीन उड़ानों की घोषणा की थी जिसके लिए बुकिंग शुरू हो गयी है। चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस की शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि भविष्य में उसकी योजना चीन के कुनमिंग से कोलकाता और शंघाई पुर्डोंग से मुंबई के लिए उड़ानें शुरू करने की है। उल्लेखनीय है कि कोविड-19 के समय साल 2020 में भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानें बंद हो गई थीं। पांच साल बाद एक बार फिर दोनों देशों के बीच उड़ानों का परिचालन शुरू हुआ है।

विमान की आपात लैंडिंग, कई घायल

टाम्पा (अमेरिका)। मेक्सिको से आ रही विमानन कंपनी 'जेटब्लू' की एक उड़ान की ऊंचाई अचानक कम हो जाने के कारण उसे फ्लोरिडा में आपात स्थिति में उतारना पड़ा और घायल हुए कई यात्रियों को अस्पताल ले जाया गया। कैनकन से न्यू जर्सी के नेवार्क जा रही उड़ान की ऊंचाई अचानक कम हो गई। संघीय उड्डयन प्रशासन जांच कर रहा है। एफएए के अनुसार, एयरबस ए320 को अपराह्न करीब दो बजे टाम्पा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए मोड़ दिया गया। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि कितने लोग घायल हुए हैं या उनकी चोटें कितनी गंभीर हैं।

ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू से वापस ली गईं सभी शाही उपाधियां

टूवूम्बा (ऑस्ट्रेलिया), एजेंसी

- ज्यूफ्रे की आत्मकथा के बाद किंग चार्ल्स ने उठाया कदम

ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स ने अपने भाई प्रिंस एंड्रयू से सभी शाही उपाधियां और सम्मान वापस लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बकिंघम पैलेस ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि अब उन्हें केवल एंड्रयू माउंटबैटन विंडसर के नाम से जाना जाएगा। यह कदम वर्जीनिया ज्यूफ्रे की मरणोपरांत प्रकाशित आत्मकथा 'नोबॉडीज़ गर्ल' के जारी होने के बाद उठाया गया है।

इस पुस्तक में ज्यूफ्रे ने जेफ्री एप्सटीन और गिसलेन मैक्सवेल के लिए दो वर्ष तक यौन दास के रूप में बिताए अपने जीवन का विस्तृत विवरण दिया है। 41 वर्षीय ज्यूफ्रे ने इस वर्ष अप्रैल में पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के अपने फार्महाउस में आत्महत्या कर ली थी। महाराजा चार्ल्स के आदेश के तहत, एंड्रयू को रॉयल लॉज आवास खाली कर निजी आवास में स्थानांतरित होना होगा। बकिंघम पैलेस ने कहा कि यह निर्णय राजघराने की गरिमा के लिए लिया गया है। ज्यूफ्रे के परिवार ने कहा कि वह सच्चाई और अद्भुत साहस के साथ एक ब्रिटिश राजकुमार को गिराने में सफल रही।

क्लाउड सीडिंग

प्रदूषण नियंत्रण में कितनी कारगर है यह तकनीक

कृत्रिम बारिश या क्लाउड सीडिंग एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है जिसमें वायुमंडल में बारिश कराने के लिए सिल्वर आयोडाइड नैनोकणों, आयोडीन युक्त नमक और सूखी बर्फ जैसे रसायनों का इस्तेमाल किया जाता है। यह तकनीक प्रदूषण कम करने में कारगर साबित हो सकती है, लेकिन यह एक स्थायी समाधान नहीं है। इसके लिए हमें प्रदूषण के मूल कारणों पर काम करना होगा और स्थायी समाधान ढूंढने होंगे आइए जानते हैं कि यह तकनीक कैसे काम करती है और कहां-कहां हुआ है इसका प्रयोग...।

क्लाउड सीडिंग कैसे काम करती है?

क्लाउड सीडिंग में रसायनों को विमान या जमीन पर लगे उपकरणों के माध्यम से बादलों में छिड़का जाता है, जिससे बादलों में मौजूद जलवाष्प संघनित होकर बारिश के रूप में गिरता है। यह प्रक्रिया वायुमंडल में मौजूद प्रदूषकों को भी हटा सकती है।

प्रदूषण कम करने में मददगार : कृत्रिम बारिश प्रदूषण कम करने में कारगर साबित हो सकती है, लेकिन यह एक अल्पकालिक समाधान है। दिल्ली में हुए एक प्रयोग में क्लाउड सीडिंग के बाद प्रदूषण के स्तर में कमी देखी गई, लेकिन बारिश नहीं हुई।

सफलता के कई कारक : क्लाउड सीडिंग की सफलता के लिए कई कारकों का ध्यान रखना जरूरी है। मौसम की स्थिति का अनुकूल होना जरूरी है। क्लाउड की गुणवत्ता का अच्छा होना जरूरी है, उपयोग किए जाने वाले रसायनों की मात्रा का सही होना जरूरी है।

चुनौतियां और अनिश्चितताएं

क्लाउड सीडिंग के परिणाम अनिश्चित हो सकते हैं और इसके लिए कई कारकों का ध्यान रखना जरूरी है। पर्यावरणीय प्रभावों के बारे में चिंताएं हो सकती हैं, जैसे कि जल चक्र पर इसका प्रभाव। क्लाउड सीडिंग के नैतिक मुद्दे भी हो सकते हैं, जैसे कि इसके उपयोग के अधिकार और इसके प्रभावों की जिम्मेदारी।

अब तक कहां-कहां हुआ प्रयोग

- चीन : चीन हर साल बड़े पैमाने पर क्लाउड सीडिंग करता है, जिसमें बीजिंग ओलंपिक 2008 से पहले इसका उपयोग किया गया था।
- संयुक्त अरब अमीरात : यूएई नियमित रूप से रेगिस्तानी इलाकों में इस तकनीक का इस्तेमाल करता है ताकि बारिश और नमी बनी रहे।
- अमेरिका : अमेरिका ने जल संकट वाले क्षेत्रों में क्लाउड सीडिंग का उपयोग किया है।
- भारत : भारत में 1980 के दशक में तमिलनाडु, महाराष्ट्र और कर्नाटक में क्लाउड सीडिंग के प्रयोग किए गए थे, लेकिन सीमित सफलता मिली।
- पाकिस्तान : पाकिस्तान ने भी क्लाउड सीडिंग का प्रयोग किया है, जिसमें लाहौर में प्रदूषण कम करने के लिए इसका उपयोग किया गया था।

भविष्य के लिए एक संभावित उपाय

- जल संसाधन प्रबंधन : क्लाउड सीडिंग जल संसाधनों को बढ़ाने और सूखे की स्थिति से निपटने में मदद कर सकती है।
- कृषि : क्लाउड सीडिंग कृषि के लिए फायदेमंद हो सकती है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां बारिश की कमी होती है।
- प्रदूषण नियंत्रण : क्लाउड सीडिंग प्रदूषण के स्तर को कम करने में मदद कर सकती है, खासकर शहरी क्षेत्रों में।
- मौसम नियंत्रण : क्लाउड सीडिंग मौसम को नियंत्रित करने में मदद कर सकती है, तूफान या ओलावृष्टि को कम करने में।

भारत में क्लाउड सीडिंग के प्रयोग

- तमिलनाडु सरकार ने 2003 में क्लाउड सीडिंग का प्रयोग किया था ताकि सूखे की स्थिति से निपटा जा सके। महाराष्ट्र सरकार ने भी क्लाउड सीडिंग के प्रयोग किए हैं। हिमाचल प्रदेश सरकार ने भी क्लाउड सीडिंग का प्रयोग किया है ताकि बर्फबारी को बढ़ाया जा सके। दिल्ली में भी क्लाउड सीडिंग के प्रयोग किए गए हैं ताकि प्रदूषण के स्तर को कम किया जा सके।

अमेरिका का परमाणु परीक्षण शुरू करना मानवता के लिए खतरनाक

परमाणु शक्ति संपन्न अन्य देशों की ओर से भी जवाबी कार्रवाई की आशंका

शुरू हो सकती है नई होड़

मेलबर्न, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पेंटागन को अन्य देशों के समान आधार पर परमाणु हथियार परीक्षण तुरंत फिर से शुरू करने का निर्देश दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह आदेश वास्तविक विस्फोटक परमाणु परीक्षणों से संबंधित है, तो यह अमेरिका का अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक कदम होगा।

विश्लेषकों के अनुसार, इस तरह के किसी भी कदम से रूस और चीन सहित अन्य परमाणु संपन्न देशों की ओर से भी जवाबी कार्रवाई की घोषणाएं होने की आशंका है, जिससे परमाणु हथियारों की नई होड़ शुरू हो सकती है और पूरी मानवता गंभीर खतरे में पड़ सकती है। परमाणु परीक्षणों से रेडियोधर्मी उत्सर्जन का वैश्विक खतरा भी बढ़ेगा। भले ही परीक्षण भूमिगत किए जाएं, लेकिन रेडियोधर्मी पदार्थों के रिसाव और भूजल प्रदूषण का जोखिम बना रहेगा। परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि का उल्लंघन

समग्र परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी) पर 187 देशों ने हस्ताक्षर किए हैं, जो विश्व की सबसे व्यापक रूप से समर्थित निरस्त्रीकरण संधियों में से एक है। अमेरिका ने भी इस पर दशकों पहले हस्ताक्षर किए थे, लेकिन अब तक इसका अनुमोदन नहीं किया है। इसके बावजूद, एक हस्ताक्षरकर्ता देश होने के नाते, वह संधि की भावना और उद्देश्य का उल्लंघन नहीं कर सकता।

नौ परमाणु संपन्न देश बढ़ा रहे भंडार

अमेरिका, चीन, रूस, फ्रांस, ब्रिटेन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इज़राइल — अपने हथियार भंडार को और उन्नत, सटीक और तेज बना रहे हैं। इससे परमाणु हथियारों के उपयोग की संभावना बढ़ रही है और यह परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) के तहत उनके निरस्त्रीकरण दायित्वों के विपरीत है। रूस और इज़राइल जैसे देशों द्वारा हालिया संघर्षों में दिए गए परमाणु धमकी भरे बयान इस खतरे को और बढ़ाते हैं। खबरों के अनुसार, दुनिया भर में सक्रिय परमाणु हथियारों की संख्या फिर से बढ़ने लगी है, जिसमें वे हथियार भी शामिल हैं जो कुछ ही मिनटों में प्रक्षेपित किए जा सकते हैं।

1960 के दशक में पर्यावरणीय दुष्परिणामों से रोके गए थे परीक्षण

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद परमाणु परीक्षणों का मुख्य उद्देश्य हथियारों के प्रभाव और उनके विनाशकारी दायरे को समझना था। लेकिन 1960 के दशक में पर्यावरणीय और स्वास्थ्य दुष्परिणामों के कारण देशों ने वातावरण में परमाणु परीक्षणों पर रोक लगाने पर सहमति बनाई। 1963 की आंशिक परीक्षण प्रतिबंध संधि के बाद केवल भूमिगत परीक्षणों की अनुमति थी। अमेरिका ने 1992 में, फ्रांस ने 1996 में परीक्षण बंद किए, जबकि रूस और चीन ने भी 1990 के दशक के बाद कोई परीक्षण नहीं किया। इस सदी में केवल उत्तर कोरिया ने 2017 में परमाणु परीक्षण किया है। तकनीकी क्षमताओं के विकसित होने के बाद परमाणु शक्तियों को नए हथियारों के डिज़ाइन का परीक्षण वास्तविक विस्फोट के बिना संभव हो गया, इसलिए भौतिक परीक्षणों की आवश्यकता नहीं रही।

एकमात्र शेष संधि भी संकट में

शीत युद्ध के बाद बनी अधिकतर प्रमुख हथियार नियंत्रण संधियां अब समाप्त हो चुकी हैं। अमेरिका और रूस के बीच न्यू एसटीएआरटी (स्ट्रैटेजिक आर्म्स रिडक्शन ट्रीटी) ही ऐसी आखिरी संधि है जो दोनों देशों के 90 प्रतिशत परमाणु हथियारों को सीमित करती है। यह संधि अगले वर्ष फरवरी में समाप्त होने वाली है और इसके नवीनीकरण को लेकर अभी तक औपचारिक वार्ता शुरू नहीं हुई है। इन सभी घटनाक्रमों के चलते विशेषज्ञों का कहना है कि मानवता के अस्तित्व पर मंडराते खतरों का प्रतीक डूम्सडे क्लॉक अब पहले से कहीं अधिक आगे बढ़ गई है। यह अत्यंत खतरनाक समय है और यदि अमेरिका ने वास्तव में परमाणु परीक्षण फिर शुरू किया तो यह पूरे विश्व के लिए एक भयावह मोड़ साबित हो सकता है।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान फिर वार्ता करने पर सहमत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने शुक्रवार को सीमा पर संघर्ष विराम कायम रखने और इस सप्ताह असफल रही शांति वार्ता को फिर से शुरू करने के लिए बातचीत करने पर सहमति जताई है। पाकिस्तान और अफगान तालिबान के प्रतिनिधिमंडलों के बीच दूसरे दौर की चर्चा शनिवार को इस्तांबुल में शुरू हुई थी लेकिन यह विफल हो गई क्योंकि पाकिस्तान ने तालिबान पर सीमा पार हमलों को रोकने का आश्वासन देने में अनिच्छा दिखाने का आरोप लगाया।

डॉन अखबार की शुक्रवार की रिपोर्ट के अनुसार, नवीनतम दौर की वार्ता के मेजबान तुर्किये द्वारा शुक्रवार को जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया है कि छह नवंबर को इस्तांबुल में एक प्रमुख-स्तरीय बैठक के दौरान कार्यान्वयन के आगे के तौर-तरीकों पर चर्चा की जाएगी और निर्णय लिया जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि प्रमुख वार्ताकार कौन होंगे।

एआई युग से जुड़ेंगी गढ़वाली कुमाऊनी व जौनसारी भाषाएं

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- विदेश से ऐतिहासिक पहल, भाषा डेटा कलेक्शन पोर्टल का शुभारंभ

अमृत विचार : उत्तराखंड की लोकभाषाओं-गढ़वाली, कुमाऊनी और जौनसारी को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जोड़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। इस अवसर पर भाषा डेटा कलेक्शन पोर्टल का शुभारंभ अमेरिका के सिएटल और कनाडा के सरे-वैंकूवर में किया गया।

यह ऐतिहासिक लॉन्चिंग मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के वीडियो संदेश से हुई। मुख्यमंत्री ने इस पहल को उत्तराखंड की सांस्कृतिक अस्मिता को डिजिटल युग से जोड़ने वाला युगांतकारी प्रयास बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि, जब तक हमारी भाषा जीवित है, हमारी संस्कृति जीवित है। उत्तराखंड सरकार सदैव अपनी मातृभाषाओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए तत्पर है। यह पहल बल्कि अपनी पहचान और लोक विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का एक जन आंदोलन है।

इस पोर्टल के माध्यम से गढ़वाली, कुमाऊंनी और जौनसारी भाषाओं के लगभग 10 लाख (1 मिलियन) शब्द, वाक्य, कहावतें और कहानियां एकत्र की जाएंगी, ताकि एआई प्लेटफॉर्म इनसे सीखकर भविष्य में हमारी भाषाओं में संवाद कर सकें। यह ऐतिहासिक लॉन्चिंग देवभूमि उत्तराखंड कल्चरल सोसाइटी कनाडा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हुई, जिसमें 4000 से अधिक प्रवासी उत्तराखंडी उपस्थित रहे। लॉन्चिंग में विशेष रूप से पद्मश्री प्रीतम भरतवाण (लोकगायक, जागर एवं ढोल सागर अकादमी), सच्चिदानंद सेमवाल (एआई आर्किटेक्ट, अमेरिका), अमित कुमार, सोसाइटी के अध्यक्ष बिशन खंडूरी, टोरंटो से मुरारीलाल थपलियाल एवं भारतीय दूतावास के प्रतिनिधि शामिल रहे।

मादक पदार्थ नौकाओं पर अमेरिकी हमले अस्वीकार्य

जिनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख ने कहा है कि दक्षिण अमेरिका से कथित तौर पर अवैध मादक पदार्थ ले जाने वाली नौकाओं पर अमेरिकी सैन्य हमले अस्वीकार्य हैं और इन्हें रोका जाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र के किसी संगठन ने संभवतः पहली बार इन घटनाओं की निंदा की है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नौकाओं पर हमलों को अमेरिका में मादक पदार्थों के प्रवाह को रोकने के लिए एक आवश्यक कार्रवाई बताते हुए उचित ठहराते हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की प्रवक्ता रवीना शमदसानी ने बताया कि मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर टर्क ने हमलों की जांच की मांग की है और कहा है कि सितंबर के शुरू से अब तक नौकाओं पर हुए हमलों में 60 से अधिक लोग मारे गए हैं।

- संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख बोले-इन्हें रोका जाना चाहिए

भारतीय कलाकृतियों की नीलामी में बना रिकॉर्ड

लंदन, एजेंसी

- टीपू की पैस्तौलों और रणजीत सिंह की पेंटिंग के मिले अधिक दाम

टीपू सुल्तान के लिए बनाई गई दो पिस्तौल और महाराजा रणजीत सिंह की एक बारीक चित्रकला ने इस सप्ताह लंदन में हुई नीलामी में नए कीर्तिमान स्थापित किए। आर्ट्स ऑफ द इस्लामिक वर्ल्ड एंड इंडिया शीर्षक से बुधवार को हुई इस नीलामी में कुल एक करोड़ पाउंड से अधिक की राशि प्राप्त हुई।

इनमें ऐतिहासिक भारतीय कलाकृतियों ने अनुमानित मूल्य से कहीं अधिक दाम हासिल किए। मैसूर के शासक रहे टीपू सुल्तान के लिए विशेष रूप से तैयार की गई चांदी जड़ी फ्लिंटलॉक पिस्तौलों की जोड़ी 11 लाख पाउंड में एक निजी संग्रहकर्ता को बेची गई, जो अनुमानित मूल्य का लगभग 14 गुना है। उन्नीसवीं सदी के सिख सम्राट महाराजा रणजीत सिंह की एक पेंटिंग 9 लाख 52 हजार 500 पाउंड (952,500 पाउंड) में बिकी।

यह सिख कला के क्षेत्र में अब तक का नया रिकॉर्ड है और इसे एक संस्थान ने खरीदा। पेंटिंग में कलाकार बिशन सिंह ने उन्हें लाहौर के एक बाजार से जुलूस में जाते हुए दर्शाया है। संग्रहकर्ता संस्था 'सोथबी' के कैटलॉग में इस पेंटिंग के बारे में कहा गया है कि यह सुंदर और बारीकी से बनी झांकी महाराजा रणजीत सिंह को हाथी पर सवार होकर लाहौर के बाजार से गुजरते हुए दिखाती है। उनके साथ उनका भव्य दरबार, चंवर और छत्र धारी सेवक, बाज़ पालक तथा घोड़े और ऊंटों द्वारा खींची जाने वाली सवारियां हैं जिनमें उनका पुत्र शेर सिंह, एक गणिका और उनके धार्मिक व राजनीतिक सलाहकार भाई राम सिंह तथा राजा गुलाब सिंह सम्मिलित हैं। चित्र के अग्रभाग में संन्यासी और सड़क कलाकार महाराजा का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि पृष्ठभूमि में शिल्पकार, पतंग बनाने वाले और दुकानदार अपने काम में व्यस्त दिखते हैं।

टीपू सुल्तान की यह पिस्तौलें 1799 में ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा श्रीरंगपट्टनम की घेराबंदी के दौरान उनके खजाने से मिली थीं।

पापुआ न्यू गिनी में भूस्खलन से 21 मरे

मेलबर्न। पापुआ न्यू गिनी के पहाड़ी इलाकों में बृहस्पतिवार देर रात हुए भूस्खलन के कारण 21 लोगों की मौत हो गई। ऑस्ट्रेलियाई ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (एबीसी) ने पुलिस के हवाले से बताया कि देर रात करीब दो बजे हुए भूस्खलन के कारण एंगा प्रांत के कुकास गांव में कई घर तबाह हो गए। एंगा प्रांत के गवर्नर पीटर इपातास ने एबीसी को बताया कि स्थानीय लोगों के अनुसार करीब 30 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से 18 शव बरामद किए जा चुके हैं। वहीं, पुलिस का कहना है कि अब तक 21 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। एपी का शुक्रवार को इपातास और एंगा के वाबैग थाने से संपर्क नहीं हो सका।

वैश्विक मुक्त व्यापार की रक्षा में मदद करेगा चीन

ग्योंगजू (दक्षिण कोरिया), एजेंसी

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शुक्रवार को एशिया-प्रशांत क्षेत्र के नेताओं से कहा कि उनका देश वार्षिक आर्थिक क्षेत्रीय मंच पर वैश्विक मुक्त व्यापार की रक्षा में मदद करेगा जिसकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अनदेखी की। जिनपिंग ने शुक्रवार को दक्षिण कोरियाई शहर ग्योंगजू में शुरू हुए एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन में प्रमुख मंच संभाला जबकि ट्रंप बढ़ते व्यापार युद्ध को कम करने के लिए एक दिन पहले ही चीनी राष्ट्रपति के साथ समझौते करने के बाद देश से चले गए थे।

इस वर्ष दो दिवसीय एपेक शिखर सम्मेलन पर ट्रंप-शी बैठक का प्रभाव काफी अधिक रहा, जो सम्मेलन से इतर आयोजित की गई थी। ट्रंप ने जिनपिंग के साथ गुरुवार को हुई अपनी बैठक को एक शानदार सफलता बताया और कहा कि वह चीन पर शुल्क में कटौती करेंगे, जबकि बीजिंग दुर्लभ खनिजों के निर्यात की अनुमति देने और अमेरिकी सोयाबीन खरीदने पर सहमत हो गया है। उनके ये समझौते विश्व की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार तनाव से जूझ रही विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राहत की बात है। ट्रंप का एपेक से दूर रहने का निर्णय बड़े और बहुराष्ट्रीय मंचों का

मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से हाथ मिलाते जिनपिंग।।

- एपेक शिखर सम्मेलन में बोले राष्ट्रपति शी जिनपिंग

उनके द्वारा बार-बार तिरस्कार किए जाने को दर्शाता है। लेकिन उनके द्वारा एपेक की अनदेखी किए जाने से अमेरिका की प्रतिष्ठा के उस मंच पर खराब होने का खतरा है, जो विश्व की लगभग 40 प्रतिशत आबादी और वैश्विक वस्तु व्यापार के आधे से अधिक का प्रतिनिधित्व करता है। चिनफिंग ने एपेक के उद्घाटन सत्र के दौरान कहा कि समय जितना अशांत होगा, हमें उतना ही अधिक एकजुट होकर काम करना होगा। दुनिया तेज़ी से बदलाव के दौर से गुज़र रही है और अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियां लगातार जटिल एवं अस्थिर होती जा रही हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 1 नवंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, दशमी 09 .11 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

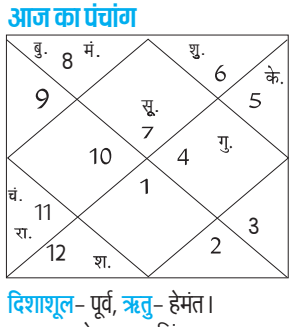

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुम्भ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- शतभिषा 06 .20 तक तत्पश्चात पूर्व भाद्रपद।

मेष — आज कार्यक्षेत्र में आपको अत्यधिक व्यस्त रहना पड़ेगा। आप अपनी स्किल्स बढ़ाने का प्रयास करेंगे। विवाह योग्य संतान का विवाह तय हो सकता है। विवादों को सुलझाने में सफलता मिलेगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। प्रेमी जन को प्रपोज कर सकते हैं।

वृष — आज आपके जनसंपर्क का दायरा बढ़ेगा। जल्दबाजी में किए गए कार्यों का यथोचित परिणाम मिलने में समस्या होगी। पारिवारिक सदस्यों के बीच सौहाद्र का भाव बढ़ेगा। परिस्थितियां आपके पक्ष में रहने वाली हैं, इसीलिए समय का सदुपयोग करें।

मिथुन — आज छात्रों को अपने सहपाठियों और शिक्षकों से सहायता मिलेगी। प्रेमी जन के साथ अच्छा समय बितायेंगे। सोशल मीडिया पर आपकी सक्रियता बढ़ेगी। आपके उदार स्वभाव की लोग प्रशंसा करेंगे। पिता की सेहत का ध्यान रखें।

कर्क — आज कोई महत्वपूर्ण कार्य आरम्भ न करें। करियर में अनेक अवरोधों का सामना करना पड़ेगा। घरेलू समस्याओं को बाहर के लोगों से शेयर न करें। स्वास्थ्य की अनदेखी करना उचित नहीं है। आपके खर्चे अचानक बढ़ सकते हैं।

सिंह — आज आपके सभी काम समय पर और निर्बाध होंगे। किसी परिजन के विवाह को लेकर चर्चा हो सकती है। जीवनसाथी के साथ काफी अच्छा समय बितायेंगे। कारोबार में महत्वपूर्ण डील होने की संभावना है। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा।

कन्या — आज नौकरीपेशा लोगों को बोनस मिल सकता है। सुबह शुभ समाचार मिल सकते हैं। साइटिका के रोगियों की समस्या बढ़ सकती है। अधूरे पड़े सरकारी कार्यों को पूरा करने में सफलता मिलेगी। व्यवसाय में मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

तुला — आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। छात्रों को पढ़ाई में बड़ी सफलता मिल सकती है। महिला वर्ग अपने करियर को लेकर अत्यंत सक्रिय रहेंगे। पुराने संबंधों से आपको लाभ प्राप्त होगा। जीवनसाथी से अपने मन की बातें शेयर कर सकते हैं।

वृश्चिक — आज पैतृक संपदा की प्राप्ति हो सकती है। लेकिन रियल एस्टेट कारोबारियों के लिए दिन अच्छा नहीं है। फूड इण्डस्ट्री से जुड़े लोगों के कारोबार में वृद्धि होगी। बच्चों के भविष्य की चिंता रहेगी। घर के सदस्यों के साथ अपने संबंध अच्छे रखें।

धनु — आज नया प्रोजेक्ट शुरू कर सकते हैं जिनमें आपको बड़ी सफलता मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। अपने लक्ष्य को लेकर आप पूरे जुनून से काम करेंगे। किसी समारोह के लिए निमंत्रण प्राप्त होगा। नई जॉब को लेकर इन्टरव्यू दे रहे हैं तो परिणाम आपके पक्ष में आ सकते हैं।

मकर — आज कारोबार में मित्रों का सहयोग ले सकते हैं। करियर में आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त होंगे। अनुसंधान और शोध कार्यों में सफलता मिल सकती है। दिखावे की प्रवृत्ति से बचें। गुप्त शत्रुओं के कारण नुकसान हो सकता है। बच्चे पिता के साथ अच्छा समय बितायेंगे।

कुंभ — आज आप अत्यंत सकारात्मक महसूस करेंगे। दिन की शुरूआत बहुत खुशनुमा रहने वाली है। आप अपने लक्ष्य को सरलता से प्राप्त कर लेंगे। आपको दांपत्य संबंधों को पर्याप्त समय देना चाहिए। आपका मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

मीन — आज जीवनसाथी के साथ संवादहीनता परेशानी का कारण बनेगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। अपने खानपान और दवाइयों का ध्यान रखें। जॉब कर रहे लोगों के लिए दिन अच्छा नहीं है। धन के लेन-देन में चूक हो सकती है।

सुडोकू-147

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1			2		3			
						4		3
		6	7					
3			6		1			
4	2							1
			4		8			
				7	9	2		
8		3						
			8		5			

सुडोकू - 146 का हल

8	9	7	1	4	5	2	6	3
1	2	6	7	9	3	8	5	4
3	5	4	2	8	6	1	9	7
9	6	3	4	2	8	5	7	1
5	7	8	3	6	1	9	4	2
2	4	1	5	7	9	6	3	8
6	3	2	8	5	7	4	1	9
4	1	5	9	3	2	7	8	6
7	8	9	6	1	4	3	2	5

ऑस्ट्रेलिया जैसे दमदार विरोधी के खिलाफ हमारी टीम की शानदार जीत। जेमिमा का बड़े मैच में शानदार प्रदर्शन। दृढ़ता, विश्वास और जुनून का असल प्रदर्शन। शानदार टीम इंडिया। हमारी लड़कियों ने असली धमाका किया। क्या खेल दिखाया। महिला टीम पर गर्व है।

– विराट कोहली

स्टेडियम

लखनऊ, शनिवार 1 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

डब्ल्यूटीए चेन्नई ओपन 2025 में रूस की अरीना रोडियोनोवा के खिलाफ महिला एकल क्वार्टर फाइनल जीतने के बाद जश्न मनातीं ताइवान की जोआना गारलैंड। चेन्नई के एसडीएटी टेनिस स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले में उन्होंने 6-2, 7-6 से जीत दर्ज की। एजेंसी

एशिया कप ट्रॉफी का मुद्दा फिर उठेगा

मुंबई : भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को उम्मीद है कि एशिया कप विजेता ट्रॉफी एक या दो दिन में मुंबई स्थित उसके मुख्यालय पहुंच जाएगी, लेकिन अगर हालात में कोई प्रगति नहीं होती है तो भारतीय बोर्ड चार नवंबर को इस मामले को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के समक्ष उठाएगा।

ओलंपिक पदक विजेता हॉकी खिलाड़ी का निधन

कन्नूर/बेंगलुरु/ नई दिल्ली : भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पूर्व गोलकीपर और म्युनिख ओलंपिक 1972 की कांस्य पदक विजेता टीम के सदस्य मैनुअल फ्रेडरिक का शुक्रवार को सुबह बेंगलुरु के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 78 वर्ष के थे और उनके परिवार में दो बेटियां हैं। वह दस महीने से प्रोस्टेट कैंसर से जूझ रहे थे।

हेजलवुड एंड कंपनी ने भारतीय बल्लेबाजी को ध्वस्त किया

अभिषेक शर्मा का अर्धशतक हुआ व्यर्थ, दूसरा टी-20 ऑस्ट्रेलिया ने चार विकेट से जीता

मेलबर्न, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड (13 रन देकर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद कप्तान मिचेल मार्श की 26 गेंद में 46 रन की पारी से शुक्रवार को यहां भारत के खिलाफ दूसरे टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में 40 गेंद रहते चार विकेट से जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलिया ने इस तरह पांच मैच की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। कैनबरा में पहला मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था। तीसरा मैच रविवार को होबार्ट में खेला जाएगा।

भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 37 गेंद में 68 रन की जुझारू अर्धशतकीय पारी खेली लेकिन हेजलवुड की अगुआई में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों ने शीर्ष क्रम को झकझोरते हुए मेहमान टीम को 125 रन पर समेट दिया। ऑस्ट्रेलिया ने यह लक्ष्य 13.2 ओवर में छह विकेट गंवाकर हासिल किया। कप्तान मार्श ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए दो चौके और चार छक्के जड़ित पारी से तेज शुरूआत कराई। मार्श और ट्रेविस हेड (28 रन) ने पहले विकेट के लिए 51 रन जोड़ दिए।

मिस्ट्री लेग स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने पांचवें ओवर में हेड को तिलक वर्मा के हाथों कैच कराकर दोनों के बीच 28 गेंद की भागीदारी को खत्म किया। मार्श ने तेजी से खेलना जारी रखा लेकिन कुलदीप यादव की गुगली पर अभिषेक के हाथों कैच आउट हो गए जिससे ऑस्ट्रेलिया को आठवें ओवर में दूसरा झटका लगा। वरुण ने अगले ही ओवर में टिम डेविड को अपनी ही गेंद पर कैच आउट किया। लक्ष्य इतना कम था कि कसी गेंदबाजी के बावजूद इसे आसानी से हासिल किया जा सकता था।

इससे पहले अभिषेक ने अपनी पारी के दौरान ऑफ-साइड में कुछ बेहतरीन शॉट खेले जिसमें स्लैश, चेक ड्राइव और उठा कर लगाए गए स्ट्रोक शामिल थे। उन्होंने इस प्रतिष्ठित मैदान पर अपने पहले मैच में 23 गेंद में अर्धशतक जड़ दिया लेकिन अन्य बल्लेबाज कोई भागीदारी नहीं निभा सके और पवेलियन लौट गए। इससे टीम आठ गेंद रहते सिमट गई। अभिषेक ने अपनी पारी में आठ चौके और दो छक्के जड़े थे। सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे ऑलराउंडर हर्षित राणा ने 33 गेंद में 35 रन की पारी खेली और अभिषेक के साथ छठे विकेट के लिए 56 रन जोड़कर भारत को 100 रन का आंकड़ा पार करने में मदद की।

ऑस्ट्रेलिया के लिए तेज गेंदबाज हेजलवुड के अलावा जेवियर बार्टलेट और नाथन एलिस ने दो दो विकेट झटके। अभिषेक ने क्रीज का अच्छा इस्तेमाल किया और उछाल का भी अच्छी तरह सामना किया। लेकिन निचले मध्यक्रम के बल्लेबाजों के स्ट्राइक रोटेट नहीं कर पाने से वह निराश दिखे। उन्हें लगभग पांच ओवर तक स्ट्राइक नहीं मिली क्योंकि इस दौरान राणा ने ज्यादातर गेंदें खेलीं।

इसके बाद शिवम दुबे और कुलदीप यादव ने भी कई गेंदें खेलीं। भारत का स्कोर आठ विकेट पर 110 रन था तब अभिषेक ने बार्टलेट पर चौका और फिर छक्का जड़ा जिससे स्कोर 125 तक पहुंचा।

शुभमन गिल के खिलाफ अपील करते हुएजोश हेजलवुड। एजेंसी

भारत

125/10 (18.4 ओवर)

शुभमन गिल का मार्श बो हेजलवुड	05
अभिषेक शर्मा पगबाधा बो एलिस	68
संजू सैमसन पगबाधा बो एलिस	02
सूर्यकुमार का इंग्लिस बो हेजलवुड	01
तिलक का इंग्लिस बो हेजलवुड	00
अक्षर पटेल रन आउट	07
हर्षित राणा का डेविड बो बार्टलेट	35
शिवम दुबे का इंग्लिस बो बार्टलेट	04
कुलदीप का सब बो स्टोइनिस	00
वरुण चक्रवर्ती नाबाद	00
जसप्रीत बुमराह रन आउट	00

गेंदबाजी : हेजलवुड 4-0-13-3, बार्टलेट 4-0-39-2, एलिस 3.4-0-21-2, स्टोइनिस 4-0-24-1, ओवेन 1-0-13-0, कुहनेमैन 2-0-14-0

ऑस्ट्रेलिया

126/6 (13.2 ओवर)

मिचेल मार्श का अभिषेक बो कुलदीप	46
ट्रेविस हेड का तिलक बो वरुण	28
जोश इंग्लिस पगबाधा बो कुलदीप	20
टिम डेविड का एवं बो वरुण	01
ओवेन का सैमसन बो बुमराह	14
मार्कस स्टोइनिस नाबाद	06
मैथ्यू शॉर्ट बो बुमराह	00
जेवियर बार्टलेट नाबाद	00

गेंदबाजी : जसप्रीत बुमराह 4-0-26-2, हर्षित राणा 2-0-27-0, वरुण चक्रवर्ती 4-0-23-2, कुलदीप यादव 3.2-0-45-2

अभिषेक शर्मा।

थकान के कारण एकाग्रता टूट रही थी : जेमिमा

नवी मुंबई, एजेंसी

- सेमीफाइनल में शानदार पारी खेलने वाली जेमिमा रॉड्रिग्स ने अपनी भावनाओं को व्यक्त किया
- बोलीं-हरमनप्रीत के आउट होने के बाद उन्हें फिर से फोकस करने में मदद मिली

अपने नाबाद शतक से भारत को वनडे विश्व कप फाइनल में ले जाने के बाद भावनाओं पर काबू पाने की कोशिश करते हुए जेमिमा रॉड्रिग्स ने कहा कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में हरमनप्रीत कौर के आउट होने के बाद उन्हें फिर से फोकस करने में मदद मिली। दबाव में बेहतरीन पारी खेलते हुए जेमिमा ने 134 गेंद में नाबाद 127 रन बनाए जिसकी मदद से भारत ने रिकॉर्ड 339 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आस्ट्रेलिया को हराया। अब फाइनल में सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा। जेमिमा ने मीडिया से कहा मैं हैरी दी से कह रही थी कि हम दोनों को जीत तक ले जाना है।

उन्होंने कहा जब वह आउट हुई तो मुझे फिर से फोकस करने में मदद मिली क्योंकि थकान के कारण मेरी एकाग्रता टूट रही थी। हरमन के आउट होने के बाद मुझे लगा कि अतिरिक्त जिम्मेदारी से खेलना होगा। मैंने खुद से कहा कि वह आउट हो गई है तो उसके लिए मैं ही रन बनाऊंगी, मुझे टिककर खेलना है। जेमिमा ने कहा इससे मेरा फोकस फिर बना और मैं समझदारी से खेलने लगी। प्रेस कांफ्रेंस में बार-बार रो पड़ी जेमिमा ने कहा कि भगवान पर अटूट आस्था से उन्हें बेचैनी से उबरने में मदद मिली। उन्होंने कहा मैं प्रार्थना कर रही थी। मैं खुद से बात कर रही थी क्योंकि काफी ऊर्जा खत्म हो चुकी थी। मैं थक गई थी और इसकी वजह से कुछ पेचीदा शॉट खेले। मैं सोच रही थी कि कैसे खेलूं। आक्रामक रहूं या अंत तक टिकी रहूं और मैंने सीखा कि अंत तक डटकर खेलना जरूरी था। उन्होंने कहा मैं खुदा से बात कर रही थी क्योंकि मेरा मानना है कि मेरा उनसे निजी रिश्ता है और जब मैं खुद नहीं कर पाती तो वह मेरे लिए कर देते हैं।

इस पारी से पहले जेमिमा कठिन दौर से गुजर रही थी और टीम से बाहर भी हुई लेकिन उसके साथी खिलाड़ी उसके साथ डटे रहे। उन्होंने कहा कोई अपनी कमजोरियों के बारे में बात नहीं करना चाहता।

टूर्नामेंट की शुरुआत में काफी बैचेनी से गुजर रही थी। अपनी मां को फोन करके पूरा समय रोती रहती थी, क्योंकि जब आप इन हालात से गुजर रहे होते हैं तो कुछ सूझ नहीं पड़ता। उन्होंने कहा समझ में नहीं आता कि क्या करें। ऐसे समय में मेरे माता-पिता ने मेरा खूब साथ दिया। अरूंधति रेड्डी से मैं रोज बात करती थी और उसके सामने रोती थी। स्मृति (मंधाना) ने मेरी काफी मदद की। उसे पता था कि मैं क्या महसूस कर रही हूं। कुछ नेट सत्रों में वह खड़ी रही, कुछ कहा नहीं लेकिन उसे पता था कि उसकी मौजूदगी मेरे लिए अहम है। राधा यादव ने मेरा बहुत ख्याल रखा। जेमिमा ने मैच के बारे में कहा डी वाई पाटिल स्टेडियम पर कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। मैं यही सोच रही थी कि टिके रहना है तो रन खुद ब खुद मिलेंगे।

जेमिमा रॉड्रिग्स ने दर्शकों का अनोखे अंदाज में आभार व्यक्त किया। एजेंसी

हमने ऑस्ट्रेलिया की तरह नहीं खेला : कप्तान हीली

नवी मुंबई : ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली ने भारतीय स्टार जेमिमा रॉड्रिग्स की बेमिसाल मानसिक दृढ़ता की तारीफ की और कहा कि महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में उनकी टीम आस्ट्रेलियाई तेवरों के साथ नहीं खेल सकी।

हीली ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा हम चार या पांच ओवर बाकी रहते मैच में थे, लेकिन क्रिकेट में मजेदार चीजें होती रहती है। अगर आप विरोधी टीम पर पर्याप्त दबाव नहीं बना सकते तो ऐसा होता है। जेमिमा ने शानदार पारी खेली। उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलियाई टीम ने कई गलतियां की जो आम तौर पर टीम नहीं करती है। उन्होंने कहा हमने कई बार जरूरत से ज्यादा खराब गेंदें फेंकी और शायद हमने जो मौके बनाए, उनका फायदा नहीं उठा पाये। हम आम तौर पर जितने आक्रामक होते हैं, उतने आक्रामक नहीं थे।

तेंदुलकर समेत खेल जगत ने महिला क्रिकेट टीम की तारीफों के पुल बांधे

नवी मुंबई, एजेंसी

सचिन तेंदुलकर की अगुवाई में देश के समूचे खेल जगत ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की जमकर तारीफ की। तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा शानदार जीत। शानदार प्रदर्शन जेमिमा रॉड्रिग्स और हरमनप्रीत कौर। श्री चरणी और दीप्ति शर्मा ने गेंदबाजी से मैच को जीवंत बनाए रखा। तिरंगे का परचम लहराते रहो।

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने लिखा आस्ट्रेलिया सोच रही थी कि एक और सेमीफाइनल है, आराम से जीतो और पहुंचों फाइनल, लेकिन भारतीय टीम ने कमाल कर दिया।

भारत के पूर्व कोच और महान लेग स्पिनर अनिल कुंबले ने लिखा आस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की बेहतरीन जीत। जेमिमा रौड्रिग्स का संयम और ताकत से भरा जबर्दस्त प्रदर्शन। यह पारी परिपक्वता और आत्मविश्वास की बानगी देती है।

युवराज सिंह ने लिखा कुछ जीत स्कोरबोर्ड के आंकड़ों से भी ऊपर होती है और यह उनमे से एक है। जब पूरी दुनिया देख रही थी और काफी दबाव था, ऐसे में हरमनप्रीत कौर ने असल कप्तान की तरह संयम और दृढ़ता से भरी पारी खेली। वहीं जेमिमा ने कैरियर की सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक खेली। अपने खेल पर और एक दूसरे पर भरोसे के दम पर यह साझेदारी बनी। सेमीफाइनल में ऐतिहासिक जीत और अब फाइनल पर नजरें। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने लिखा शानदार मैच। फाइनल में पहुंचने पर हमारी भारतीय महिला टीम को बधाई।

दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने लिखा टीम इंडिया ने रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करके आस्ट्रेलिया को बाहर किया और उनके जीत के अभियान पर रोक लगाई। सबसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ शानदार प्रदर्शन।

मेरा एक ही संदेश था कि अच्छे से फिनिश करना : कोच मजूमदार

नवी मुंबई : घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बावजूद कभी भारत के लिए नहीं खेल सके भारतीय महिला टीम के कोच अमोल मजूमदार ने कहा कि सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में अपनी टीम को उनका एक ही संदेश था कि अच्छे से फिनिश करना है और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम ने वही किया। मजूमदार ने जीत के बाद कहा कोई बड़ा संदेश नहीं था। हम हमेशा एक दूसरे से कहते रहते हैं कि फिनिश अच्छे से करना है। हम आमतौर पर शुरुआत अच्छी करते हैं, लेकिन फिनिशिंग पर काम करने की जरूरत रहती है। ग्रुप चरण में आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद टीम के प्रदर्शन पर ऊंगलियां उठी थी लेकिन मजूमदार अपने लक्ष्य को लेकर स्पष्ट थे। आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल से पहले उन्होंने व्हाइटबोर्ड पर एक ही बात लिखी हमें फाइनल में पहुंचने के लिये बस एक रन अधिक बनाना है। क्रांति गौड़ व श्री चरणी पर भरोसा काम आया।

दबंग दिल्ली ने प्रो कबड्डी लीग के 12वें सत्र का खिताब जीता

नई दिल्ली, एजेंसी

- फाइनल में पुनेरी पल्टन को 31-28 से हराया

दबंग दिल्ली ने शुक्रवार को यहां खचाखच भरे घरेलू दर्शकों के सामने पुणेरी पल्टन पर 31-28 से रोमांचक जीत के साथ प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सत्र का खिताब जीत लिया। यह उनका दूसरा पीकेएल खिताब था। इससे पहले आठवें सत्र में भी उन्होंने खिताब जीता था जब वर्तमान मुख्य कोच जोगिंदर नरवाल उनके कप्तान थे। दबंग दिल्ली इस तरह दूसरे सत्र (में यू मुम्बा के अपने घर पर ट्रॉफी जीतने) के बाद अपने ही घर में ट्रॉफी जीतने वाली पहली टीम बन गई। इस बीच फजल अत्राचली भी पीकेएल के इतिहास में सबसे सफल विदेशी खिलाड़ी बन गए। नीरज नरवाल और अजिंक्य पवार ने क्रमशः आठ और छह अंकों के साथ रेडिंग इकाई का नेतृत्व किया। पुणेरी पल्टन के लिए आदित्य शिंदे ने एक सुपर 10 और अभिनेश नादराजन ने चार टैकल पॉइंट बनाए जो बेकार चले गए। दिल्ली ने इस तरह अपने ही घर में दूसरी ट्रॉफी जीत ली।

कप्तान ऋषभ पंत 17 रनों पर आउट

बेंगलुरु : भारत ए टीम दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ चार दिवसीय क्रिकेट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को 234 रनों पर आउट हो गई, जिसमें ऋषभ पंत 17 रन का ही योगदान दे सके। दक्षिण अफ्रीका ए ने कल के स्कोर नौ विकेट पर 299 रन से आगे खेलना शुरू किया, लेकिन पहले ही सत्र में 309 रन पर आउट हो गई।

भारत ए का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा और आफ स्पिनर प्रेनेलन सुब्रायेन ने 61 रन देकर पांच विकेट चटकाये जिससे दक्षिण अफ्रीका ए को 75 रन की बढत मिल गई। युवा आयुष म्हात्रे ही टिककर खेल सके जिन्होंने 76 गेंद में 65 रन जोड़े। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने पर दक्षिण अफ्रीका ए ने बिना किसी नुकसान के 30 रन बना लिए थे और अब उसके पास 105 रन की बढ़त हो गई है। जोर्डन 12 और लेसेगो नौ रन बनाकर खेल रहे हैं।

फिडे विश्व कप | आज से शुरू हो रहे मुकाबले में भारत की उम्मीदें अर्जुन और डी गुकेश से भी

ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानानंदा दोहराना चाहेंगे श्रेष्ठ प्रदर्शन

पणजी (गोवा), एजेंसी

ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा शनिवार से शुरू हो रहे फिडे विश्व कप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दोहराने की कोशिश करेंगे। जिसमें दुनिया की शीर्ष तीन रैंकिंग में काबिज खिलाड़ी अनुपस्थित रहेंगे। नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन के अलावा अमेरिका के हिकारू नाकामुरा और फैबियानो कारूआना की जोड़ी इस टूर्नामेंट में नहीं खेलेगी।

विश्व चैंपियन डी गुकेश और अर्जुन एरिगेसी 20 लाख अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि के इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ने की कोशिश करेंगे। पर सबसे अहम चीज यह है कि इस टूर्नामेंट से 2026 फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए तीन क्वालीफिकेशन स्थान सुनिश्चित होंगे। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट से अगले साल होने वाले विश्व चैंपियनशिप मैच का खिलाड़ी तय होगा। गोवा में अगले चार हफ्तों तक 80 देशों के 206 शीर्ष शतरंज खिलाड़ी आठ दौर वाले एकल एलिमिनेशन नॉकआउट टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। प्रत्येक मैच में निश्चित समय में दो क्लासिकल बाजियां होंगी। अगर क्लासिकल बाजियों के बाद स्कोर बराबर रहता है तो खिलाड़ी तीसरे दिन रैपिड और ब्लिट्ज टाई-ब्रेक की एक श्रृंखला खेलेंगे जिससे यह तय होगा कि कौन आगे बढ़ेगा। भारत के शीर्ष तीन खिलाड़ियों में गुकेश विश्व चैंपियन हैं और उन्हें अगले साल के अंत में विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने के लिए कैंडिडेट्स चक्र से गुजरने की जरूरत नहीं है, जिससे उन पर दबाव कम होगा। प्रज्ञानानंदा की अगले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह लगभग पक्की है जबकि एरिगेसी अगले साल की शुरुआत में होने वाले इस टूर्नामेंट में जगह बनाने की कोशिश में जुटे हैं। कैंडिडेट्स से तय होगा कि अगले विश्व चैंपियनशिप मैच में गुकेश को कौन चुनौती देगा। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के तीन स्थान दांव पर लगे हैं तो ऐसे में अनुभवी विदित गुजराती और पी हरिकृष्णा के भी कट बनाने की अच्छी संभावना है।

ट्रॉफी का नाम रखा गया विश्वनाथ के नाम पर

फिडे विश्व शतरंज कप की नई ट्रॉफी का नाम शुक्रवार को यहां पांच बार के विश्व चैंपियन भारतीय दिग्गज के सम्मान में विश्वनाथन आनंद ट्रॉफी रखा गया और एक रंगारंग उद्घाटन समारोह के दौरान इसका अनावरण किया गया। ट्रॉफी अनावरण समारोह में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और फिडे प्रमुख अर्कडी ड्वोर्कोविच शामिल हुए। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ के अध्यक्ष नितिन नारंग ने कहा शतरंज के बादशाह व भारत के पहले ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद के सम्मान में स्थापित फिडे विश्व कप (ओपन) विजेता रनिंग ट्रॉफी विश्वनाथन आनंद कप की घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है।